art spiegelman

MAUS





I

A SURVIVOR'S TALE

माउस – आर्ट स्पीगिलमैन भाग–1


art spiegelman

‘यहूदी लोग निश्चित तौर पर एक
नस्ल तो हैं, पर वो इंसान नहीं हैं।’

– अडॉल्फ हिटलर

रीगो पार्क, न्यूयार्क, सन 1958












आर्टी, जरा इसे आकर पकड़ो।
मुझे इसे आरी से काटना है।
सुबक


आर्टी, तुम रोए क्यों?
जरा लकड़ी को कस कर पकड़ो।
मैं गिरा फिर मेरे दोस्त मुझे छोड़कर चले गए।


उन्होंने आरी चलाना बंद कर दिया।
दोस्त?
तुम्हारे दोस्त?


जब तुम उन्हें एक हफ्ते के लिए बिना भोजन-पानी के एक कमरे में बंद करोगे . . .


तब तुम्हें असली दोस्तों का पता चलेगा।

मेरे पिता का इतिहास रक्त रंजित है

(1935 से 1944 की सर्दियों तक)



विषय सूची

अंजा को समर्पित

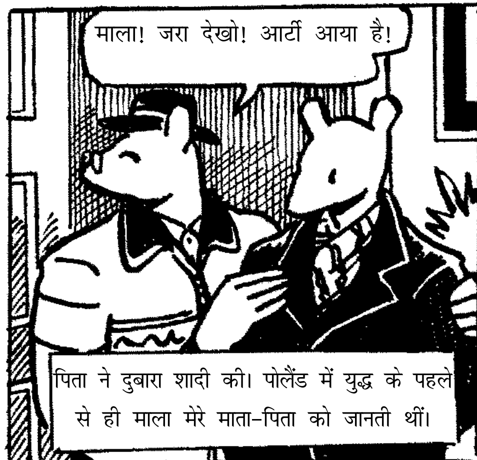
अध्याय एक



मैं अपने पिता से मिलने रीगो पार्क गया। मैं उनसे कई बरसों से नहीं मिला था। हम दोनों के बीच इतनी आत्मीयता भी नहीं थी।














भोजन के बाद वो मुझे अपने पुराने कमरे में ले गए।
चलो, मैं पैडिल करते-करते तुमसे बातचीत करूंगा . . .


पैडिल करना मेरे हृदय के लिए अच्छा है। पर तुम्हारे क्या हालचाल हैं? तुम्हारा कॉमिक्स लिखने का काम-धंधा कैसा चल रहा है?
मैं अब भी आपकी जिंदगी के ऊपर एक कॉमिक-बुक बनाना चाहता हूं . . .


उसके बारे में मैंने आपसे पहले भी बात की थी . . .


पोलैंड में आपके जीवन और युद्ध के बारे में।


मेरी जिंदगी कई किताबें खाएगी। पर मेरे जीवन की कहानी को भला कौन सुनना चाहेगा।


मैं सुनना चाहता हूं। मां से शुरू करें। आप उनसे कैसे मिले?
इसे छोड़ो! कुछ और चित्र बनाओ। उससे तुम्हारी कुछ कमाई तो होगी।


क्योंकि तुम जिद पर अड़े हो, तो सुनो। उस समय मैं चेस्टोचोवा में रहता था। यह छोटा शहर जर्मनी के बार्डर के काफी पास था . . .

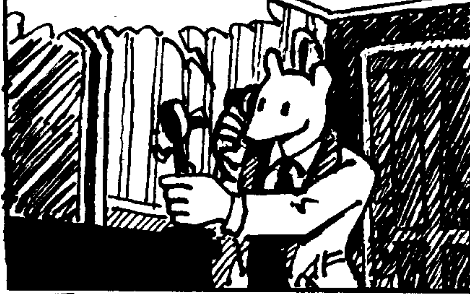

मैं कपड़ा खरीदने-बेंचने के धंधे में था। मैं बहुत अधिक तो नहीं कमाता था, पर मेरा काम चल जाता था।

उस समय मैं नौजवान और देखने में सुंदर था।



बहुत सी लड़कियां मेरी मित्र थीं।
वो मेरा पीछा करेंगी यह मुझे पता नहीं था।









अंत में मैं लूसिया के साथ डांस के लिए गया...






मैं जहां भी जाता, वहां पर लूसिया ग्रीनबर्ग को पाता . . .
व्लाडेक, तुम कहां जा रहे हो?
बाजार की ओर।
मैं भी वहीं जा रही हूं। चलो साथ चलें।


परन्तु पापा, मां का शादी से पहले का नाम तो ऐना जाइलबरबर्ग था।


यह सब कुछ अंजा के मिलने से पहले हुआ। पहले सुनो तो, हां?


तुम मुझे कभी अपने घर क्यों नहीं बुलाते हो? क्या तुम्हें शर्म आती है?
वो मेरे फ्लैट में आने की जिद लगाती रही।


इसलिए हारकर मैंने एक बार उसे अपने घर बुलाया . . .
यहां हरेक चीज बहुत करीने से रखी है!
मुझे चीजों को व्यवस्थित रखने की आदत है।


तुम्हारी जरूर कोई दूसरी गर्ल-फ्रेंड होगी। वही तुम्हारे घर को इतना साफ रखती होगी, क्यों?
नहीं।
मैं उसके ज्यादा करीब नहीं आना चाहता था। परन्तु वो मुझे छोड़ना ही नहीं चाहती थी।


क्या वो आपके जीवन में पहली लड़की थी . . .
हां। हम दोनों आजकल की नई पीढ़ी की तरह ही एक-दूसरे के काफी करीब थे।
हम दोनों एक-दूसरे से तीन-चार साल तक लगातार मिलते रहे।
व्लाडेक, चलो हम दोनों मंगनी कर लें।
अब देर हो गई है। मैं तुम्हें घर छोड़ आता हूं।
अभी नहीं, प्लीज।
चलो, तुम्हारे माता-पिता फिक्र करते होंगे।
उसके माता-पिता अच्छे थे, पर बहुत गरीब थे। उनके पास दहेज तक के लिए धन नहीं था।


1935
देखो, हरेक छुट्टी में मैं अपने माता-पिता से मिलने जाता था। इसके लिए मुझे 30-40 मील का सफर करना पड़ता था।
अरे व्लाडेक!


तुम्हें दुबारा मिलकर बहुत खुशी हुई, सुनो . . .
मेरी कक्षा में एक लड़की है। मैं चाहती हूं कि तुम कल हम दोनों से मिलो। उसका नाम अंजा है।
वो एक धनी परिवार की है और कमाल की होशियार है। वो एक बहुत अच्छी लड़की है . . .

अगले दिन सुबह हम सभी लोग मिले। मेरी चचेरी बहन और अंजा ने अंग्रेजी में कुछ बातचीत की।







पर मैंने प्राईवेट ट्यूशन लीं। मैं हमेशा अमरीका जाने का सपना देखता था।

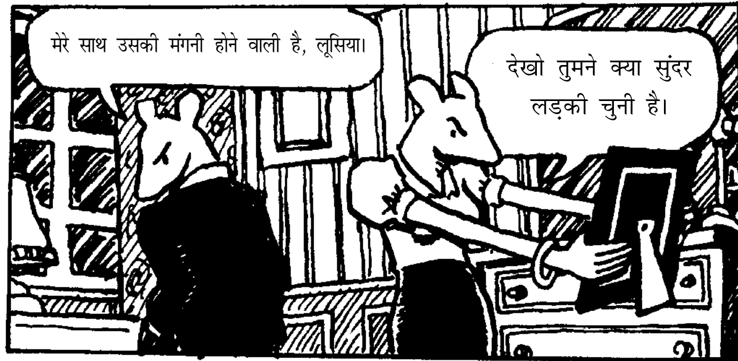




चेस्टोचोवा वापिस लौटते ही उसका फोन आया। दिन में एक-दो बार हम अवश्य बात करते।



कोई एक हफ्ता बीता होगा। लूसिया वापिस आई और तब उसने उस फोटो को देखा...







लूसिया से खुद को छुड़ाना कोई आसान काम न था।















अंजा के मां-बाप उसकी शादी के लिए उत्सुक थे।
अंजा की उम्र 24 और मेरी 30 वर्ष की थी।



जायलबरबर्ग का बनियान (होजरी) बनाने का कारखाना पोलैंड में सबसे बड़ा था। उन्होंने मेरा किसी राजा जैसे स्वागत किया।





घर के काम में वो कितनी दक्ष थी यह जानने के लिए मैंने उसकी अल्मारी खोल कर देखी।



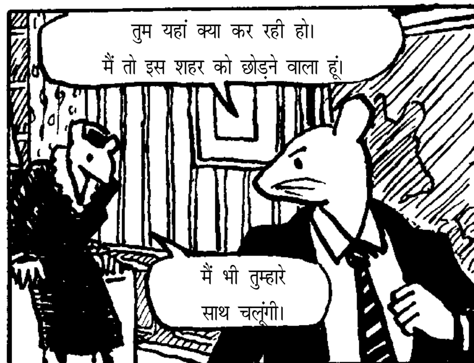










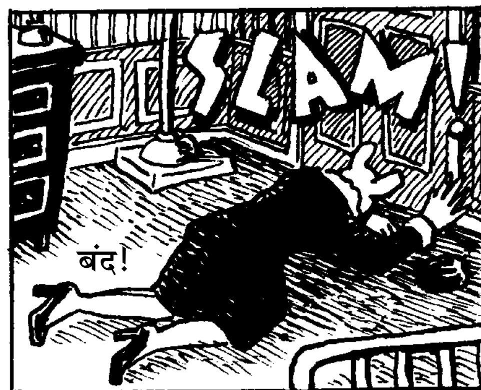








तब मुझे बात के बहुत आगे बढ़ने का अहसास हुआ।



मैं दौड़ कर उस दोस्त के पास गया जिसने लूसिया से मेरा परिचय कराया था। उसने लूसिया को शांत करके उसे वापिस घर पहुंचाया।

उसके बाद से लूसिया से मेरा संपर्क टूट गया, परन्तु अंजा से भी संपर्क लगभग खत्म हो गया।



कोई टेलीफोन नहीं, कोई पत्र नहीं! आखिर क्या हुआ?







उस दिन छुट्टी नहीं थी फिर भी मैं सौस्नोविक गया।






मैं इसे देखना तक नहीं चाहता। बस मुझे यह बताओ कि इसे किसने लिखा है। या फिर मैं ही तुम्हें बताता हूं।


लूसिया ग्रीनबर्ग, ठीक है न।
इसमें नीचे केवल एक हस्ताक्षर है - "तुम्हारी रहस्यमयी मित्र - ल"

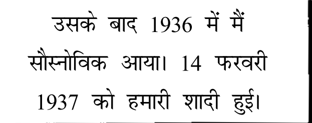

उसके अनुसार चेस्टोचोवा में तुम काफी बदनाम हो।

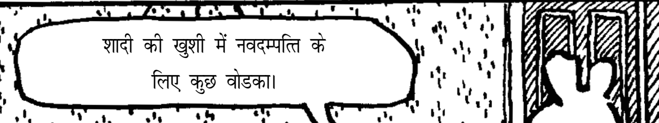

वहां तुम कई लड़कियों के चक्कर में हो...


तुम मेरे धन के कारण ही मुझसे शादी कर रहे हो!


देखो अंजा, मुझे लगा कि तुम मुझे अच्छी तरह जानती हो। चेस्टोचोवा में तुम मेरे बारे में किसी से भी पूछ सकती हो।


लूसिया मेरी पुरानी मित्र है। वो हमेशा मेरा पीछा करती है। मैं उसे बिल्कुल भी नहीं चाहता हूं।
किसी तरह मैंने अंजा को समझाया।


उसके बाद 1936 में मैं सौस्नोविक आया। 14 फरवरी 1937 को हमारी शादी हुई।


शादी की खुशी में नवदम्पत्ति के लिए कुछ वोडका।


मैं अपने ससुर के दो मकानों में से एक में रहने लगा। उन्होंने शादी के तोहफे में मुझे एक बहुत सुंदर सोने की घड़ी और घर के कुछ भाग की मिल्कियत भी दी।


मैंने लूसिया के बारे में तुम्हे जो कुछ भी बताया है उसका जिक्र तुम अपनी नई किताब में बिल्कुल भी नहीं करना।
क्यों? क्यों नहीं?


उसका हिटलर और यहूदियों के खात्मे से कुछ भी लेना-देना नहीं है।


परन्तु पापा यह किस्सा तो बहुत उम्दा है। इससे पूरी कहानी ज्यादा सच्ची और इंसानी लगेगी।

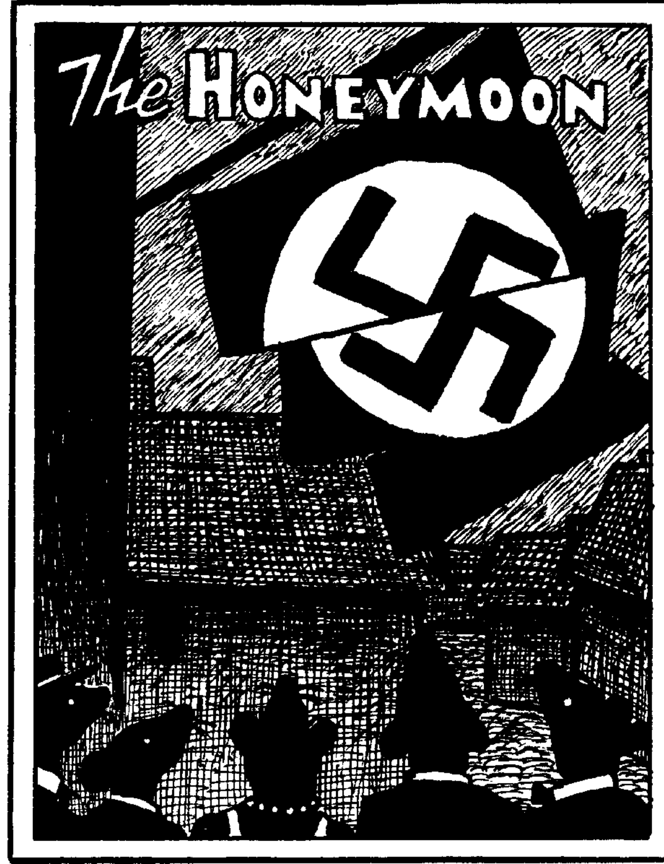

मैं आपकी जीवनी लिखना चाहता हूं - बिल्कुल वैसे जैसे वो घटी थी।


परन्तु यह ठीक नहीं है, आदरपूर्ण भी नहीं है।


... मैं तुम्हें और कई कहानियां सुना सकता हूं। परन्तु मैं चाहता हूं कि तुम मेरे जीवन की निजी बातों को उनमें शामिल नहीं करो।
ठीक है, मैं वादा करता हूं।

अध्याय दो

हनीमून



अगले चंद महीने मैं अपने पिता की कहानी सुनने लगातार उनके पास जाता रहा।





























अंजा राजद्रोह के काम में शरीक थी।

पुलिस के आने से कुछ समय पहले ही अंजा के पास किसी मित्र का फोन आया . . .








जब मुझे इस घटना के बारे में मालूम पड़ा तो मैं शादी तोड़ने की बात सोचने लगा।
मैंने अंजा से कहा, "अगर तुम मुझे चाहती हो तो तुम्हें मेरे रास्ते चलना होगा . .


और अगर तुम अपने कम्यूनिस्ट दोस्तों को चाहती हो तो मैं इस घर में नहीं रहूंगा!"
अंजा एक अच्छी लड़की थी और उसने वो सब काम बंद कर दिए।
पर उस दर्जिन का क्या हुआ?


मिस स्टीफांस्का तीन महीने जेल में बंद रहीं।
पुलिस उनके खिलाफ ठोस सबूत नहीं जुटा पाई। अंत में उन्हें छोड़ दिया।

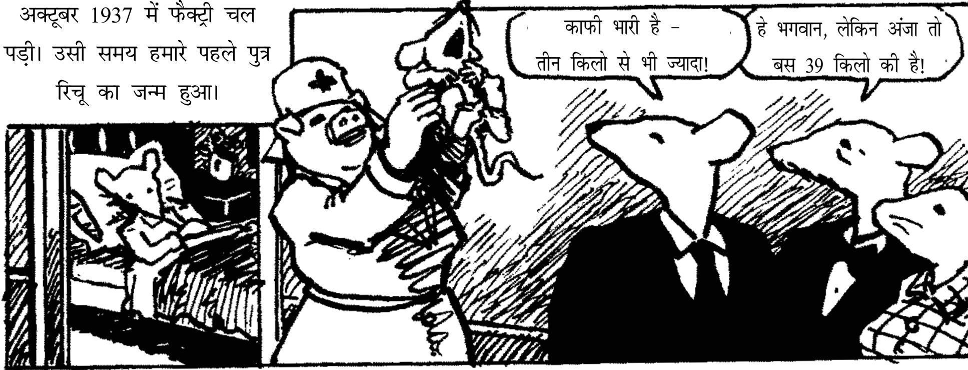

मेरे ससुर ने वकील की फीस दी और दर्जिन को भी पैसे दिए। कुल मिलाकर 15,000 ज्लौट्स खर्च हुए।
यह तो बड़ी रकम हुई?


यह तो कुछ नहीं। उन्होंने हमारे लिए इससे कहीं ज्यादा किया . . .
देखो व्लाडेक, मैं चाहता हूं कि तुम्हारी और अंजा की संतान एक खुशहाल जीवन बिताए।


मैंने सेल्समैन के धंधे से एक कपड़े की दुकान खोलने के लिए पूंजी बचा ली है .
दुकान? धत्त! तुम्हें तो कपड़े की कोई फैक्ट्री लगानी चाहिए!


उसके लिए तो बहुत पूंजी चाहिए होगी!!
मैं तुम्हें पूंजी और बहुत सा धन उधार दे सकता हूं।
मैंने बाईलस्को में एक फैक्ट्री शुरू की। मैं हर हफ्ते के अंत में अंजा से मिलने के लिए आता।

अक्टूबर 1937 में फैक्ट्री चल पड़ी। उसी समय हमारे पहले पुत्र रिचू का जन्म हुआ।











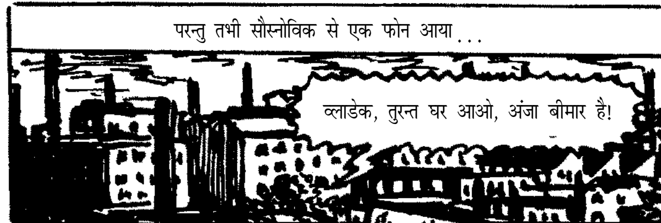








फिर अंजा अपने परिवार के साथ रहने लगी और मैं बाईलस्को में फैक्ट्री संभालता रहा। अपने और अंजा के लिए मैं एक घर भी खोज रहा था।

















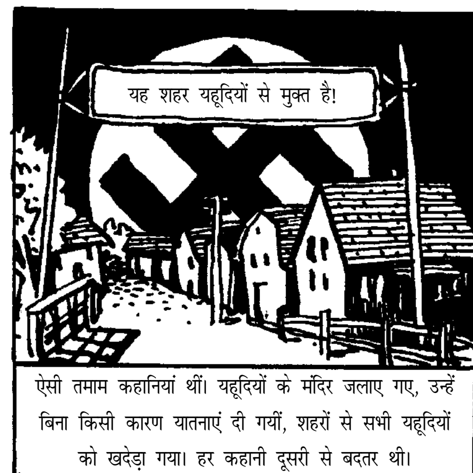

हम तुरन्त चले गए। सैनिटोरियम, चेकोस्लोवाकिया में स्थित था।
वो शायद दुनिया का सबसे मंहगा और सुंदर सैनिटोरियम था।
वहां पहुंचने से कुछ देर पहले हम एक छोटे से शहर से गुजरे।
अरे!
ट्रेन में बैठे सभी यहूदी बेहद उत्तेजित हुए और डर गए।
देखो!
तब 1938 की शुरुआत थी - युद्ध से पहले का समय था और शहर के एकदम मध्य में नात्सियों का झंडा लहरा रहा था।
यहां मैंने पहली बार अपनी आंखों से स्वास्तिक चिन्ह के दर्शन किए।


देखो, अब जर्मनी में यहूदियों की सफाई का काम चल रहा है!
एक ने जर्मनी में अपने चचेरे भाई के बारे में हमें बताया . .

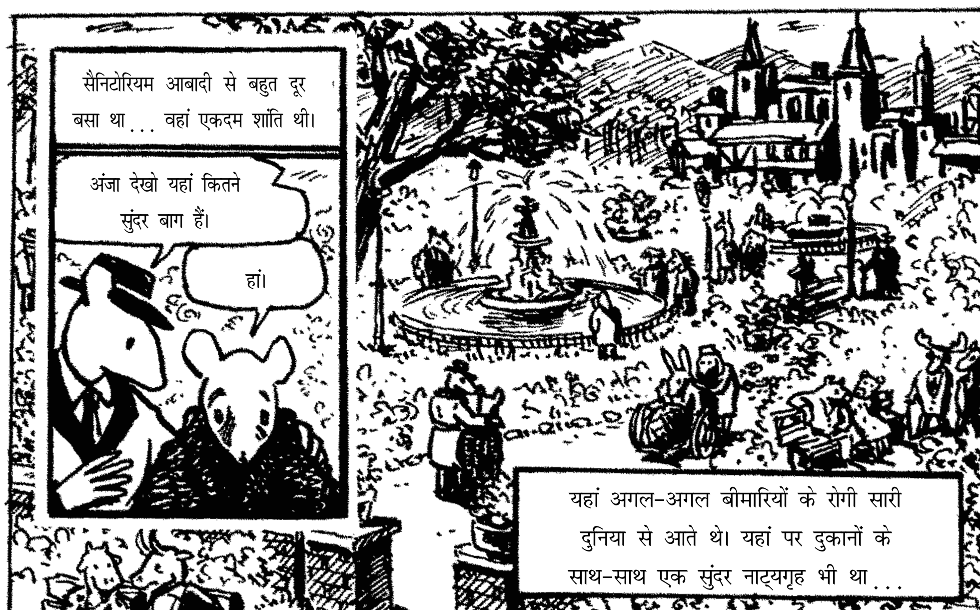

. . . उसे अपने काम-धंधा एक जर्मन को बेंच कर बिना पैसों के देश से पलायन करना पड़ा।


मैं एक बरबाद यहूदी हूं
वहां यहूदी एक बहुत ही कठोर समय से गुजर रहे थे!


एक अन्य साथी ने बताया कि ब्रेंडनब्रग में एक दिन उसके रिश्तेदार के घर पुलिस ने छापा मारा। तब से वो गायब है।


यह शहर यहूदियों से मुक्त है!
ऐसी तमाम कहानियां थीं। यहूदियों के मंदिर जलाए गए, उन्हें बिना किसी कारण यातनाएं दी गयीं, शहरों से सभी यहूदियों को खदेड़ा गया। हर कहानी दूसरी से बदतर थी।


हम आशा करें कि उन नात्सी गुंडों को सत्ता से उखाड़ फेंका जाएगा!
प्रार्थना करो कि वो कहीं युद्ध न शुरू कर दें।





और हर दो-चार दिनों के बाद मैं क्लीनिक के किसी विशेषज्ञ से सलाह-मशविरा करता।









मैं अंजा का मन बहलाने के लिए उसे तमाम किस्से-कहानियां सुनाया करता था . . .













फिर अंजा इतनी खुश हुई कि वो हंसती ही रही। वो इतनी खुश थी कि हर बार पास आकर मुझे चूमती।


हम वहां 3 महीने रहे। जब हम वापिस आए तब अंजा एकदम स्वस्थ्य थी।
हलो पापा!
अंजा! तुम तो लाखों में एक लग रही हो!


व्लाडेक मैं नहीं चाहता था कि तुम सैनिटोरियम में परेशान हो, परन्तु...


...तुम्हारी बाईलस्को की फैक्ट्री में डाका पड़ा!
क्या!


यह पिछले माह हुआ। वो सब कुछ लूट कर ले गए।
अरे!


मुझे जाने से पहले फैक्ट्री का बीमा कराने का भी वक्त नहीं मिला।
मैं फैक्ट्री को दुबारा शुरू करने में तुम्हारी मदद कर सकता हूं।


क्या यह डाका यहूदियों के सामान को लूटने के तहत हुआ?
मुझे ऐसा नहीं लगता। शायद वो सिर्फ चोरी ही थी...


...जैसे पिछले साल यहां रीगो पार्क में हमारे यहां चोरी हुई थी। बाईलस्को में ससुरजी ने दुबारा हमें बसाने में मदद की।


कुछ महीनों में हम दुबारा संपन्न हो गए - हमारी एक फैक्ट्री, दो कमरे का फ्लैट, एक पोलिश गर्वनेस और एक नौकरानी थी।


देखो रिचू, पापा घर आ गए!


तुम चिंतित लगते हो व्लाडेक।
आज शहर में फिर दंगा हुआ।


.. लोग चिल्ला रहे थे "यहूदी भागो! यहूदी भागो!" दो लोग मारे भी गए। पुलिस बस खड़ी देखती रही!


नात्सी ही यह सब दंगा फैला रहे हैं!
पोलिश लोगों को यहूदियों के खिलाफ भड़काने में ज्यादा समय नहीं लगता!


मिसेस स्पीगिलमैन आप यह कैसे कह सकती हैं। मैं तो आपको अपने परिवार जैसा ही मानती हूं!
जनीना! माफ करो! मैं तुम पर उंगली नहीं उठा रही थी।


हमें भी अन्य लोगों की तरह यह जगह छोड़ देनी चाहिए।
अगर हालात बहुत खराब हुए तो हम सौस्नोविक चले जाएंगे।

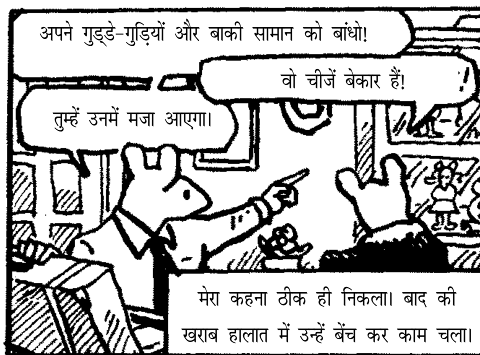

बाईलस्को की मुकाबले भला सौस्नोविक क्यों ज्यादा सुरक्षित होगा?
हमें लगा कि हिटलर पोलेंड के बाईलस्को जैसे सिर्फ वो हिस्से चाहता है जो पहले महायुद्ध से पहले जर्मनी के अंग थे।





किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था।
युद्ध अब साफ नजर आ रहा था।










फिर 1 सितंबर, 1939 को युद्ध शुरू हो गया। मैं उस समय फ्रंट पर था। आह!
तो दो बार मेरी दवाएं गिरीं!
मुझे कम दिखता है।
जब से मेरी बायीं आंख के पर्दे का इलाज हुआ है तब से उससे मुझे बहुत कम दिखता है।
और अब मेरी दायीं अच्छी भली आंख में भी मोतियाबिंद हो गया है। देखो मैं कितने कष्ट में हूं।
अब एक आंख के मशहूर विशेषज्ञ मेरी इस आंख का आप्रेशन करेगा।
हां।
पिछले साल तुरन्त आप्रेशन करने के लिए उसने मुझे अस्पताल में भर्ती किया...
पर तभी वो मुझे वैसे ही छोड़कर टेलिविजन पर कोई लेक्चर देने चला गया!


मेरी आंख में से खून आने लगा। फिर मुझे दौड़कर एक दूसरे अस्पताल के डाक्टर को तलाशना पड़ा।


वहां पर एक विशेषज्ञ ने तुरन्त मेरी आंख का इलाज किया, नहीं तो शायद मैं मर जाता।


अब इस आंख में कांच की गोली लगी है।


उस डाक्टर ने अच्छा काम किया। उस अस्पताल में मेरे बेड के पास एक नौजवान डाक्टर आया।


उसने टार्च से मेरी आंख को देखा और कहा, "मिस्टर स्पीगिलमैन आपकी बायीं आंख एकदम दुरुस्त है!"


"परन्तु आपकी दायीं आंख में मोतियाबिंद है।" मेरी बायीं आंख में कांच की गोली लगी थी यह उसे नहीं पता था।

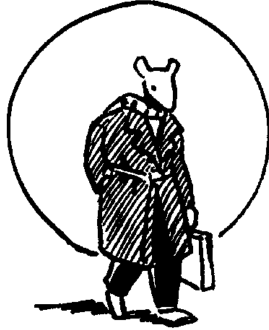

मैंने उसे कुछ भी नहीं बताया। मैं उसे जलील नहीं करना चाहता था।
आप मुझे उसके बारे में बता चुके हैं।


चलो, आज के लिए कहानी खत्म करते हैं, ठीक है? मैं अब थक गया हूं और मुझे अपनी दवा की गोलियां भी गिननी हैं।
चलिए, ठीक है। आपकी कहानी लिखते-लिखते मेरा हाथ भी दुखने लगा है।

अध्याय तीन

युद्ध कैदी





अपने पिता से उनके अतीत के बारे में और ज्यादा जानकारी हासिल करने के लिए मैं उनके पास जाता रहता।












आप जब कहीं चले जाते तो मां उस बासी भोजन को फेंक कर मेरी पसंद के व्यंजन बनाती थीं।
हां, अंजा तुम्हारे साथ काफी नर्मी बरतती थी।


माला, स्वादिष्ट भोजन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।


नहीं, मुझे चिकन काफी सूखी लगी। चलो, अब बाहर के कमरे में बैठकर बातचीत करें।
अच्छा, मैं अपनी नोटबुक लाता हूं।


देखो मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि मैं माला के साथ कैसा व्यवहार करूं।
पिताजी! मैं इस में बिल्कुल भी सुनना नहीं चाहता हूं। मुझे 1939 के बारे में बताएं जब आप फौज में भर्ती हुए।


1939? हमें कुछ दिनों के लिए फौजी ट्रेनिंग दी गई। फिर सितम्बर में हमें मोर्चे पर भेज दिया गया।
हमें एक नदी के किनारे गहरी खाई में रखा गया। नदी के उस पार जर्मन फौज थी।



सुबह होने तक वहां पर पूरी तरह शांति थी...
जरा रुकिए। मोर्चे से पहले क्या आपको केवल चंद दिनों की ट्रेनिंग दी गई थी?
जब मैं 21 वर्ष का था तो मैं 18 महीनों के लिए पहली बार फौज में गया। फिर हरेक चार साल बाद मैं एक महीने की ट्रेनिंग के लिए लुबलिन जाता रहा।



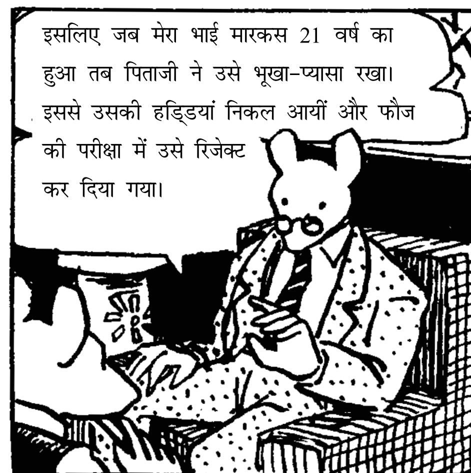
मेरे पिता ने अपने सभी बच्चों को फौज से दूर रखने की पूरी कोशिश की।



उन्हें अपनी जवानी में रूसी सेना में भर्ती होना पड़ा था। वहां उनको 25 सालों के लिए साईबेरिया भेजा जाना था।



पिताजी ने बचने के लिए अपने 14 दांत उखाड़ डाले। क्योंकि 12 दांत कम होने से साईबेरिया जाने से बचा जा सकता था।



इसलिए जब मेरा भाई मारकस 21 वर्ष का हुआ तब पिताजी ने उसे भूखा-प्यासा रखा। इससे उसकी हड्डियां निकल आयीं और फौज की परीक्षा में उसे रिजेक्ट कर दिया गया।



अगले साल जब फौज में मेरे भर्ती होने की बारी आयी तब पिताजी ने मुझे भी भूखा-प्यासा रखा।
वो बड़ी खराब बात थी!


परीक्षा के तीन महीन पहले ही से पिताजी ने मेरी जान हराम की।


उठो व्लाडेक! इतना मत सोओ!
पूरी रात में सिर्फ तीन घंटे?


व्लाडेक खाना बंद करो। इतना मत खाओ।
पर मुझे तो भूख लगी है!
चलो एक टुकड़ा और खा लो।


वजन घटाने के लिए मैंने तीन महीने सिर्फ नमक लगी मछली खाई और पानी पिया।


परीक्षा के कुछ दिन पहले मेरा खाना और नींद दोनों बंद हो गए . . .
अच्छा बेटा, थोड़ी काफी और पी लो!
दिन भर में मुझे केवल एक गैलन पानी ही मिलता था!


अंत में मैं जब डाक्टरी जांच का वक्त आया . . .
यह काफी हट्टा कट्टा लगता है।
जरा देखें!


नहीं, इसकी सेहत कुछ गड़बड़ है। देखो नौजवान, एक साल तक खा-पीकर अच्छी सेहत बनाओ। फिर हम तुम्हारे केस की दुबारा जांच करेंगे।



एक अफसर ने मुझसे कहा - थोड़ा गहरा खोदो, नहीं तो मर जाओगे।









कुछ गोलियां मेरे पास से आकर निकलीं – सन्न!



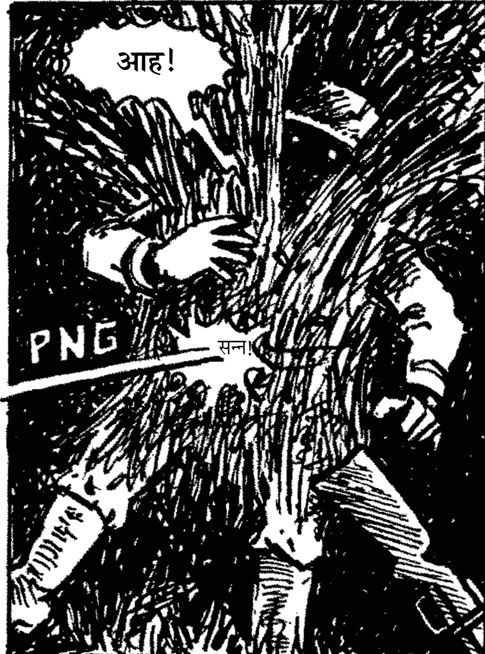
मैंने अपनी खाई को और गहरा किया लेकिन गोलियां चलाना बंद कर दिया।



परन्तु जब मैंने बंदूक की दूरबीन में से देखा तो मुझे एक चलता हुआ पेड़ नजर आया!









उसे चोट लगी थी। उसने आत्मसमर्पण करने के लिए अपने हाथ उठाए। परन्तु मैं गोलियां दागता ही रहा। अंत में पेड़ ने चलना बंद कर दिया। किसे पता, वो आदमी मुझे मार भी सकता था।

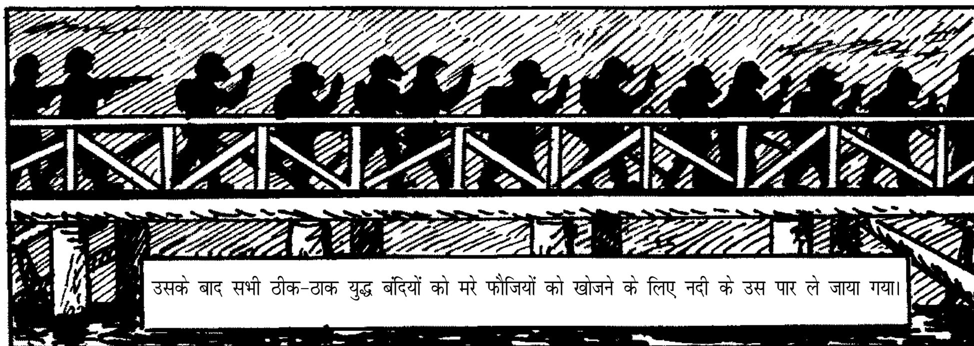

दो घंटे की लड़ाई के बाद नात्सी फौज
नदी पार कर हमारी ओर आयी।
उठो!


अपनी बंदूक मुझे दो!


बंदूक गर्म है! तुम हम पर गोलियां चला रहे थे!


मेरे कमांडर ने गोलियां चलाने का हुक्म दिया था।
मैंने केवल हवा में गोलियां चलायीं।
मैंने उन्हें जर्मन में जवाब दिया।
तब उन्होंने मुझे मारना बंद किया।


वो मुझे एक स्थान पर ले गए जहां
मेरे जैसे अन्य युद्ध बंदी भी थे।


उसके बाद सभी ठीक-ठाक युद्ध बंदियों को मरे फौजियों को खोजने के लिए नदी के उस पार ले जाया गया।


ध्यान से सुनो! सभी कैदी हमारे मरे और घायल सैनिकों को रेड-क्रॉस के ट्रकों तक लेकर जाएं।


अरे तुम कहां चले?
मुझे नदी के किनारे एक मरा फौजी दिखा था।
जिस फौजी को मैंने मारा था उसका स्थान मुझे पता था।


हां, यहां पर।


उसका खून बह चुका है! उसे भी अन्य घायलों के साथ ट्रक तक ले जाओ।


उसका नाम जैन था . . .
. . . मुझे पता था कि मैं ही उसका कातिल हूं।


मैंने अपने आपसे कहा, "चलो, तुमने आखिर कुछ तो किया।"

वे लोग हमें न्यूरेमबर्ग के पास ले गए। वहां बहुत से युद्ध बंदी थे। वहां पर सभी यहूदियों को अलग खड़ा किया गया।







फिर वो मेरे पास आया . . .
मेरे पास 300 ज्योलोट (पोलिश रुपए) थे।











एक दूसरा जर्मन हम में से 4-5 को अस्तबल में ले गया।



हमने बहुत मेहनत करी। परन्तु एक घंटे बाद...

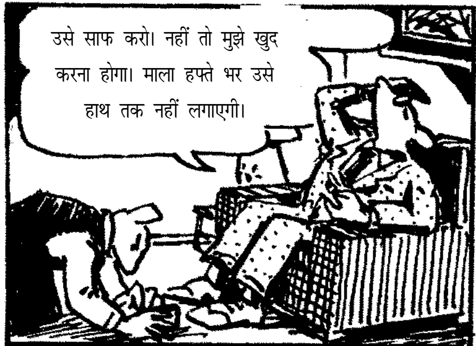
















ठंड से बचने के लिए हमारे पास गर्मी की पोशाक और सिर्फ एक कम्बल था।









बहुत से लोगों को ठंड (फ्रास्ट-बाइट) से जख्म हो गए थे। जख्मों में पस भर गया था जिसमें जूएं हो गई थीं।

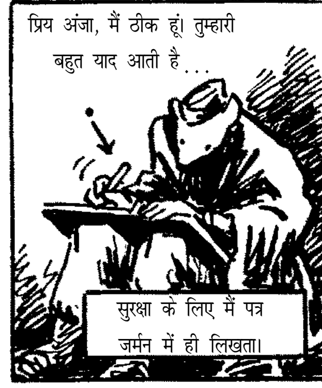
मैं हर रोज नहाता और ताकत के लिए वर्जिश करता। हम रोजना प्रार्थना करते।



समय बिताने और दिमाग को व्यस्त रखने के लिए हम अक्सर शतरंज खेलते।



हफ्ते में एक दिन हम अंतर्राष्ट्रीय रेड-क्रॉस की मार्फत पत्र भेज सकते थे।



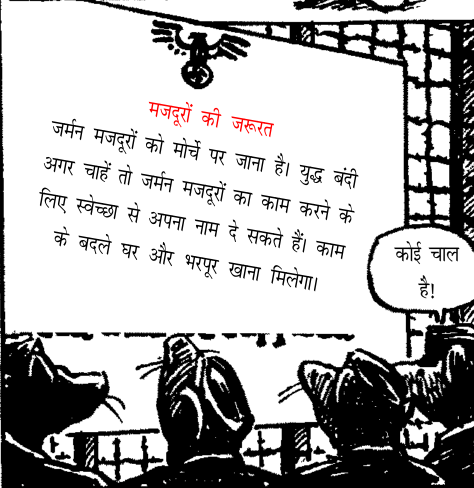
पत्रों के जरिए मुझे एक पार्सल मिला...



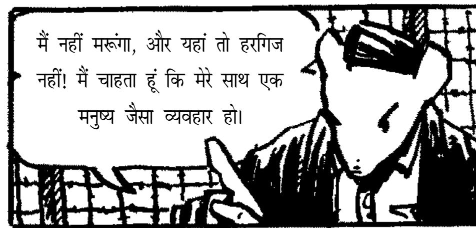


इस तरह किसी तरह छह हफ्तों तक जिंदगी कटती रही।










मुझे जाते हुए देख,
मेरे मित्रों ने भी
अपना नाम दर्ज
कराया।
हमें सीधे एक बड़ी जर्मन कम्पनी
में भेज दिया गया।


हमें लकड़ी के अच्छे घरों में ठहराया गया।
हमें सूप के साथ डबलरोटी भी मिली . . .
देखो! अंगीठी!
और सचमुच के पलंग!
चादरों और तकियों के साथ!
हमने एक पूरे दिन आराम किया जिससे
हमारी ताकत वापिस आयी।

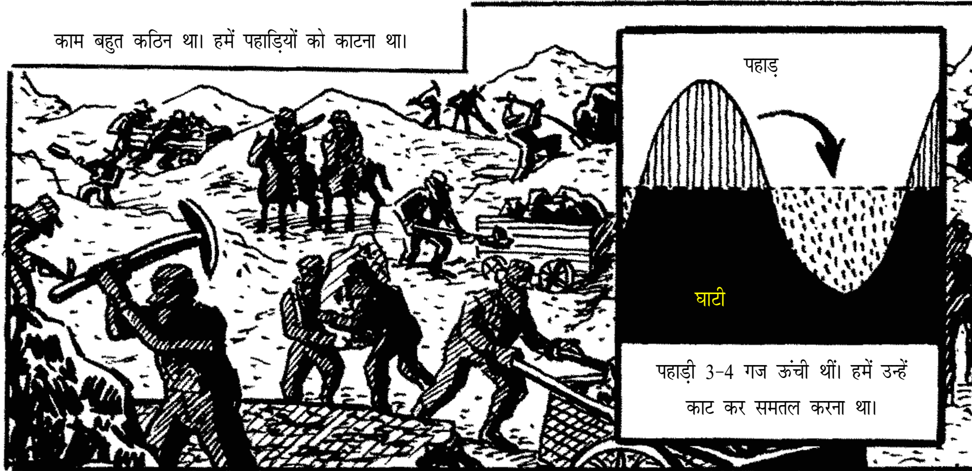

लगता है जैसे बरसों के बाद गर्म पलंग पर सोने का
मौका मिला है!


हां, मजेदार है न? हमें युद्ध बंदी बने
अभी केवल दो महीने ही हुए हैं।


मैं कुछ परेशान हूं व्लाडेक। मालूम नहीं हमें किस
तरह का काम करने को मिले।
क्या फर्क पड़ेगा . . .


तम्बुओं में सड़ने से तो यहां कहीं अच्छा है।
ठीक है।


अगले दिन हमें गैंती और बेलचे दिए गए।
ऐसे औजार जिन्हें हमने अपनी जिंदगी
में पहले कभी छुआ तक नहीं था।



कुछ बूढ़े और कमजोर लोगों ने इस काम के खिलाफ शिकायत भी की।











दिन भर थककर मैं गहरी नींद सोता था। एक रात मुझे सपना आया :



एक आवाज मुझसे कुछ कह रही थी। वो शायद मेरे मृत परदादा की आवाज थी...



वो आवाज मुझे एकदम असली मालूम पड़ती थी...



मेरी आंख तुरन्त खुल गयी। जब मुझे दुबारा नींद आयी तो बस, "परशास टूमा, परशास टूमा" ही मेरे दिमाग में गूंजता रहा।



पर काम शुरू करने से पहले कुछ लोग प्रार्थना करते। हमारे बीच में एक रैबाई (यहूदी धर्मगुरू) भी थे।





तीन माह और - हमारे लिए तो हर दिन एक साल जैसा था।

मैंने उन्हें अपने सपने के बारे में बताया...

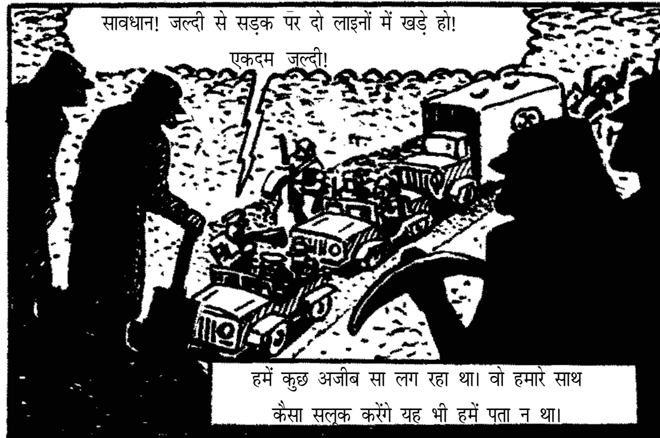




एक दिन...

जर्मन खुफिया पुलिस (जेस्टैपो) के बहुत से सिपाही आए।







तभी कोई मेरे पास आकर खड़ा हुआ।








हम परेड करते खुले मैदान में गए। हमें वर्णमाला के क्रम में अलग मेजों के सामने खड़ा होना पड़ा।
स्पीगिलमैन व्लाडेक, कारपोरल।
नाम और ओहदा?


छूटने के बाद कहां जाओगे?
सौस्नोविक।
उस जर्मन ने यह काम बड़ी मुस्तैदी से किया।


पत्नी और बच्चे के पास।
जर्मन हरेक काम बड़े कायदे से करते थे।


मैंने रिहाई के फार्म पर दस्तखत किए।
सब एक दिन में खत्म हुआ।


मतलब वो "परशास टूमा" वाला सपना वाकई में सच हुआ?
हां, मेरे लिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है।


मैंने उस दिन की कैलेंडर में पुष्टि की। परशा के शुभ दिन ही अंजा से मेरी शादी हुई थी।


युद्ध के बाद परशा 1948 में परशा के दिन ही तुम्हारा जन्म हुआ था!...


और परशा के दिन ही तुमने बार-मिस्टवाक का गीत गाया था!

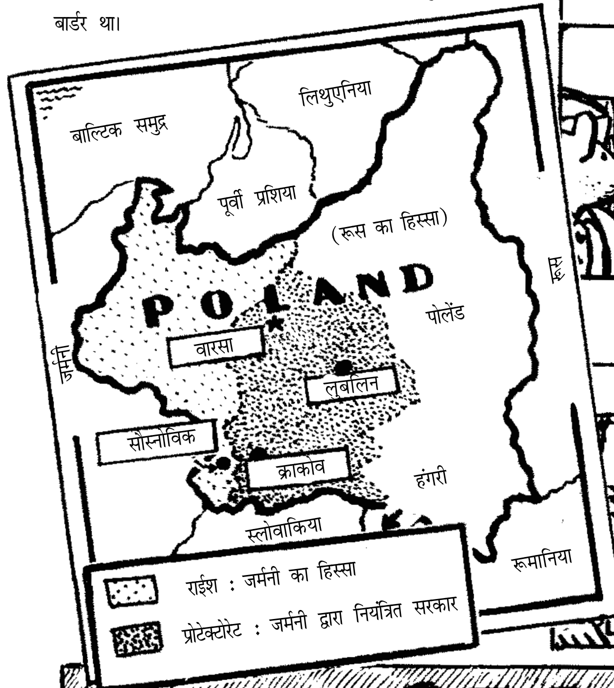

अगली सुबह हममें से हरेक को रेड-क्रॉस का एक पैकिट मिला और फिर हमें पोलेंड जाती एक ट्रेन में बैठा दिया गया।

रास्ते भर मैं रैबाई के साथ बैठा रहा।





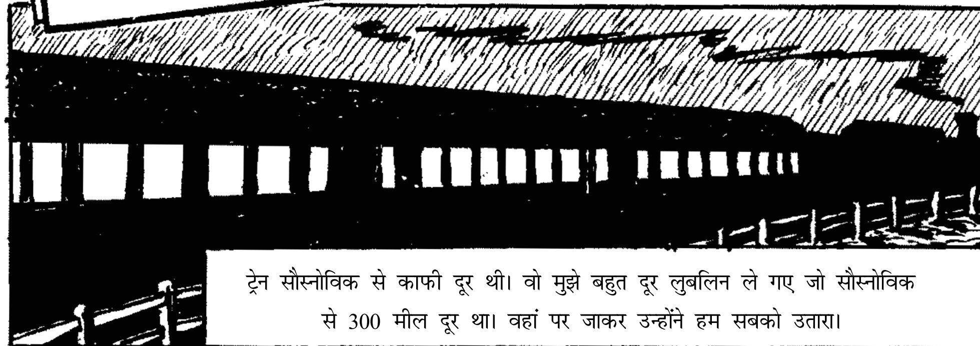
देखो, नात्सियों ने पोलेंड को कई टुकड़ों में बांट दिया था: प्रोटेक्टोरेट और राईश, और उन दोनों के बीच में एक सुरक्षित बार्डर था।





जब ट्रेन वारसा में रुकी तो वहां रैबाई उतर गए।





लुबलिन में वे हमें बड़े तम्बुओं में ले गए।



अंत में यहूदी प्रशासन के कुछ लोग वहां हम से मिलने आए...









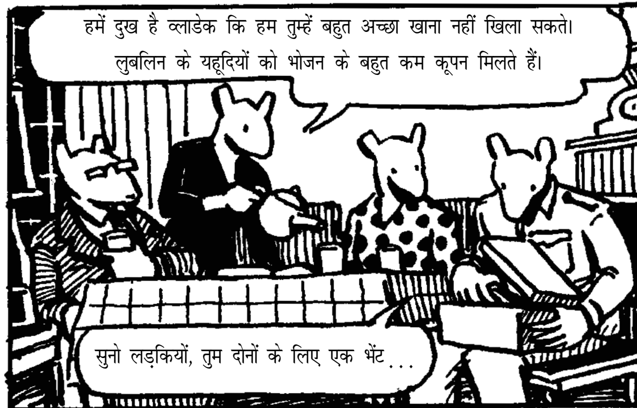
मैं बहुत भयभीत था।
फिर हमने जो सुना उससे कुछ उम्मीद जगी..
हमने जर्मन सिपाहियों को रिश्वत दी है जिससे कि वो बंदियों को छोड़ दें। स्थानीय यहूदी बंदियों को अपना रिश्तेदार बताएंगे।
मेरा नाम स्पीगिलमैन है। मेरे परिवार का एक मित्र है। उसका नाम ओरबाच है। फौज की ट्रेनिंग के दौरान मैं उससे मिला था।
ठीक है! हम तुम्हें उसके रिश्तेदार जैसे दर्ज करेंगे।
उस रात मैं तम्बू के बाहर गया।
मुझे पेशाब करना था।
मैं जल्दी से अंदर भागा!
तभी गार्ड ने मुझ पर गोलियां चलायीं।
सारी रात मैं अपने भविष्य के बारे में सोचता रहा।

जैसे ही सुबह हुई...





ओबराच मेरे चाचा के दोस्त थे। उनकी दो सुंदर बेटियां थीं, जो लगभग मेरी उम्र की थीं।







उस समय भी प्रोटेक्टोरेट और राईश के बीच ट्रेने चल रही थीं।
पर उनमें सवारी के लिए कानूनी कागज जरूरी थे - जो मेरे पास नहीं थे...











... मुझे लगा वहां कोई नहीं होगा।





















नियम के अनुसार 7 बजे से पहले सभी यहूदियों को अपने घर की लाईट बंद करना जरूरी था।


मेरे माता-पिता के यहां से सौस्नोविक थोड़ी ही दूर था।
अंदर जाकर कहो कि मैंने पत्र भेजा है कि मैं एक हफ्ते में घर आऊंगा।
मैं दरवाजे पर खड़ा सुनता रहा।
मजाक मत करो! अगर व्लाडेक घर आता तो वो जरूर हमें पहले से पत्र डालता।
आश्चर्य!
हे, भगवान!
व्लाडेक!
मैंने अपने पुत्र को गले से लगा लिया।
वो ढाई बरस का था।
रिचू!
बच्चा रोने-चिल्लाने लगा।
तुम रो क्यों रहे हो बेटा? मैं तो तुम्हारा पिता हूं!
सुबक!
पिताजी, आपके कोट में धातु के बटन बहुत ठंडे हैं!
हमारा घर कितनी खुशियों से भरा इसे व्यक्त करना मुश्किल है।


जिंदगी काफी कठिन थी, परन्तु बहुत कठिनाई के बावजूद हम लोग आपस में मिलकर बहुत खुश थे।


अंजा और मेरे बीच वैसा बिल्कुल नहीं था जो अब माला और मेरे बीच है।


अगर आज अंजा जिंदा होती, तो मेरी हालत बिल्कुल अलग और अच्छी होती!


माला ने मुझे पागल बना दिया है। वो हमेशा पैसों और मेरी वसीहत के बारे में पूछती है।
कृपा पिताजी!


आप हमेशा वही दोहराते हैं। यह मेरे किसी काम की नहीं।
फिर मैं यह बातें किसे बताऊं!


तुम्हारी खातिर ही मैं अपने पैसों का इतना ध्यान रखता हूं!
इस बारे में हम फिर बात करेंगे। मैं फिर टेलीफोन करूंगा।


मुझे देर हो रही है। "कर्फ्यू" से पहले मुझे घर पहुंचना है!
हां।


मेरा कोट कहां गया? मैंने उसे यहां टांगा था।


माला क्या आपने मेरे कोट को कहीं रखा है?
नहीं। क्या तुम अब जा रहे हो? . .
क्रॉस-वर्ड


मैं तुम्हारे लिए कुछ कॉफी बना दूं।
नहीं, मुझे प्यास नहीं है . . .


वैसे मेरे पास एस्प्रोसी के एक थैली है जो तुम पहले यहां छोड़ गए थे।
. . . और वैसे भी आप बिल्कुल वाहियात कॉफी बनाती हैं।


पर वो तो छह महीने पहले की बात है। वो कॉफी अब सड़ गई होगी!
अच्छा तो चाय चलेगी।


नहीं। मेरा कोट कहां गया। पिताजी क्या आपने मेरा कोट कहीं देखा है?
हां . . .


मैंने उसे बाहर फेंका था।
क्या?!?! मजाक बंद करें।
सुबकी


कोट वापिस करें।
नहीं, अब देर हो गई है . .


जब तुम यहां पहले खाने को बैठे थे तब मैंने उस कोट को बाहर फेंक दिया था। अब तक कचरे वाले उसे ले गए होंगे।


इतना पुराना, घिसा-पिटा कोट। ऐसा कोट मेरा बेटा पहने यह शर्म की बात है!
पर वो मुझे पसंद है!


मेरे पास तुम्हारे लिए एक गर्म कोट है। मुझे ऐलेक्जेंड्रा से एक नई जैकिट मिली है और मैं तुम्हें अपनी पुरानी जैकिट दे सकता हूं, जो नयी जैसी है!


हां, जरा इसे पहन कर देखो।
यह तो उम्दा है। यह हवा भी रोकेगी।


पर यह बहुत बड़ी है।
तुम पर यह बहुत सुंदर लग रही है।


देखिए पिताजी आप मेरे साथ ऐसा नहीं कर सकते। मैं तीस बरस का हो गया हूं और मैं अपने कपड़े खुद चुनता हूं!

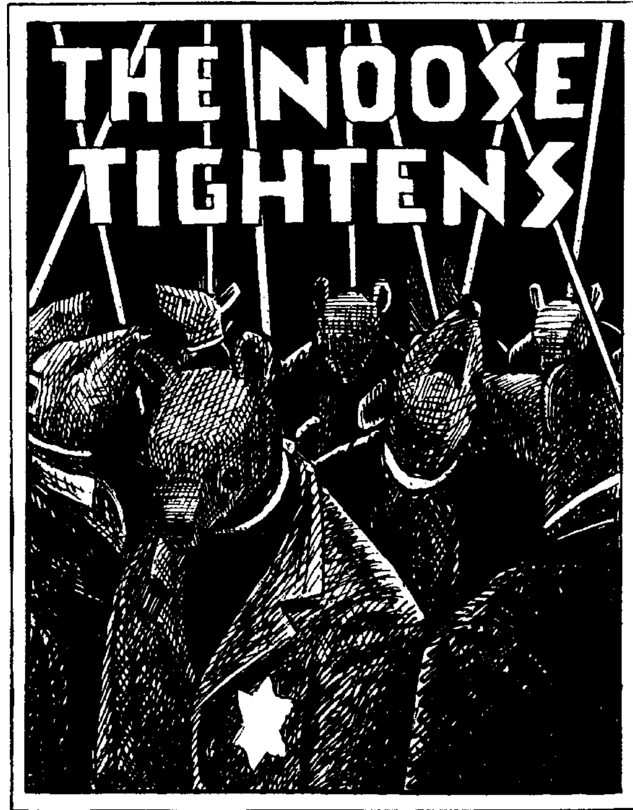

थोड़ी देर पहनने के बाद तुम्हें इसकी सुंदरता का पता चलेगा। चलो, मैं तुम्हें नीचे छोड़ने आता हूं।


आर्टी, इस हफ्ते मुझे टेलीफोन करना मत भूलना। फिर हम आगे बात करेंगे।
आपने वाकई में मेरे कोट को फेंका। मुझे यकीन नहीं होता!


मुझे वाकई यकीन नहीं होता...

अध्याय चार

फंदा कसता है




हैंगर
तुम देरी से क्यों आए?
नहीं। मैंने कहा था कि मैं डिनर के बाद आऊंगा।
नया कोट।


अब बाहर अंधेरा हो गया है! मैं चाहता था कि तुम छत पर चढ़ कर ड्रेन-पाइप के लीकिज को देखते।
हां?


परन्तु उसे ठीक करना मुझे नहीं आता है। आप उसके लिए किसी मिस्त्री को क्यों नहीं बुलाते।
क्यों?


तुम्हें और माला को लगता है जैसे पैसे पेड़ों पर उगते हैं। मैं उसे खुद ठीक कर लूंगा!
यह पागलपन है! बीमार हालत में आपको ऊंची सीढ़ी नहीं चढ़नी चाहिए।


आप कहेंगे तो मैं मिस्त्री की मजदूरी दे दूंगा।
छोड़ो उस बात को! बस मेरे साथ आकर बैठो। मुझे पैडिल चलाना है।


नहीं तो रात को मुझे पैर में तकलीफ होगी - तुम क्या पकड़े हो?
एक नया टेप-रिकार्डर। बातचीत को लिखना बड़ा कठिन काम है।


यह कितने का मिला?
केवल 75 डालर का! एक सेल में।


कोरवेट में यह तुम्हें यह आराम से 35 डालर में मिल जाता।
इसे छोड़िए! 1940 में जब आप बंदियों के कैम्प से वापिस आए, उसके आगे की कहानी सुनायें।


जब मैं घर आया तो मुझे बिल्कुल पहले जैसा ही लगा...
घर अभी भी काफी आलीशान था। जर्मन एक बार में सब कुछ बरबाद नहीं कर पाए थे।

मैं अपनी ससुराल में रह रहा था। वहां कुल मिलाकर 12 लोग थे।


मैं और अंजा और हमारा पुत्र रिचू...


अंजा की बड़ी बहन तोशा, उसका पति वोल्फ, और उनकी छोटी बच्ची बीबी...


साथ अंजा के दादा-दादी। वो 90 वर्ष के बावजूद काफी चुस्त थे...


साथ में मेरे सास-ससुर थे...


फिर चाचा हरमन और चाची हेलन के दो बच्चे लोलेक और लोनिया भी थे।


हरमन और हेलन खुशनसीब थे। युद्ध के समय वो न्यूयार्क में विश्व-मेला देख रहे थे। इस वजह से वो बच गए।


दादीजी, आपका बनाया सूप तो पहले से भी कहीं अधिक स्वादिष्ट है।
नहीं, वो पहले जैसा नहीं है। उसे पकाने का अब मुझे सही सामान नहीं मिलता है।


हमारा काम कैसे चलता है?
हम में से हरेक को 200 ग्राम डबलरोटी रोज के कूपन मिलते हैं। साथ में हर हफ्ते थोड़ा सा मक्खन, जैम और चीनी भी मिलती है।


मैंने जेमिन्डे नामक की यहूदी सामुदायिक संस्था को काफी अनुदान दिया है। क्योंकि वोल्फ वहां काम करता है इसलिए हमें कुछ ज्यादा मिल जाता है।


उसके बाद ब्लैक मार्केट तो है ही। वहां पैसों से कुछ भी खरीदा जा सकता है।


पर इसमें खतरा भी है। छोटा सा कानून तोड़ते ही नात्सी तुम्हें मजदूर कैम्प में ले जाते।
अगर तुम कोई कानून नहीं तोड़ रहे हो तो भी तुम वहीं पहुंचते हो।
और जो लोग कैम्पों में ले जाए जाते हैं वो दुबारा कभी दिखाई नहीं देते।


हमें खुश होना चाहिए। हमारे पास पर्याप्त खाने को तो है।
परन्तु युद्ध खत्म होने तक हमें अपना खर्च कम करना चाहिए।
चलो, महिलाओं के मेज साफ करने तक हम लोग ताश खेलें।


क्या परिवार मेरी बाईलस्को फैक्ट्री का ध्यान रख रहा है?
क्या तुम्हें पता नहीं कि सभी यहूदी उद्योगों पर "आर्य मैनेजरों" ने कब्जा कर लिया है।


मैं लोडज में अपनी फैक्ट्री में गया। वहां लोगों ने कहा, "शराफत से घर चले जाओ बूढ़े, नहीं तो कल हम तुम्हें बाहर फेंक देंगे।"
क्या?


क्या कहीं से कोई कमाई नहीं हो रही?
नहीं, कुछ भी नहीं। और परिवार युद्ध से पहले की शान-शौकत के साथ रहना चाहता है!


अच्छा व्लाडेक, ताश की गड्डी को तराशो।
वोल्फ तुम क्या काम कर रहे हो?


जेमिन्डे के लिए आफिस का कुछ काम। कुछ महीनों पहले ससुर बैंक के सेफ से सभी कीमती वस्तुएं निकालकर घर ले आए।
आखिर बचत की पूंजी कब तक चलेगी।


तुम ज्यादा फिक्र मत करो व्लाडेक। यह युद्ध चुटकी में समाप्त हो जाएगा!
हां, चुटकी में!
देखो!
वोल्फ की रुचि केवल ताश के खेल में थी।

अगले दिन मैं मोडरेजोव्सका गली में गया। वहां लोग अभी भी कुछ गैरकानूनी धंधों द्वारा कमाई करते थे।







नोट में लिखा था कि मैं उसके साथ काम करता हूं। इसलिए नोट बहुत उपयोगी था।

फिर मैं उन दुकानों पर गया जिनके पास युद्ध से पहले मेरी उधारी थी।







मेरे ससुर मुझसे बहुत खुश थे।



कुछ दिनों बाद मैं दुबारा मोडरेजोव्सका गया। मैं कूपनों के बिना कपड़ा खरीदने की कोशिश की।



मुझे इसकी पूर्व जानकारी न थी।



मैं किसी तरह एक इमारत में घुस गया।



परन्तु पुलिस लगभग 50 प्रतिशत लोगों को पकड़ कर ले गई।



इसके बारे में मैंने अपने ससुर से बात की।









यहां मैंने कुछ ऐसी चीजें सीखीं जो बाद में औशविग में मेरे बहुत काम आयीं।



मेरे ससुर के शयनकक्ष में सुंदर फर्नीचर था।



वोल्फ और मैंने ज्यादातर चीजें एक पोलिश पड़ोसी के घर में छिपा दीं।



अंजा की मां के पेट में पथरी थी। इसलिए जर्मन पुलिस के आने वाले दिन वो पलंग पर ही लेटी रहीं।



मेरे ससुर के एक दोस्त रोज उनके साथ ताश खेलने आते थे।



छिपा हुआ फर्नीचर हमारे किसी काम का न था। उसे बेचने के लिए हम दुबारा ऊपर ले आए।



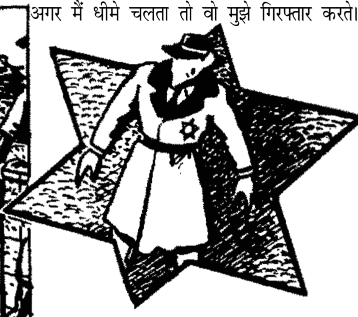








अगर मैं धीमे चलता तो वो मुझे गिरफ्तार करते।



अगर मैं तेज भागता तो गोली मार देते!

फिर मुझे दूर से इलजैकी दिखाई दिया और
मैं लपक के उसके पास पहुंचा।

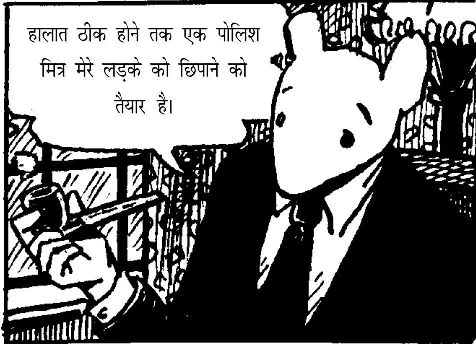












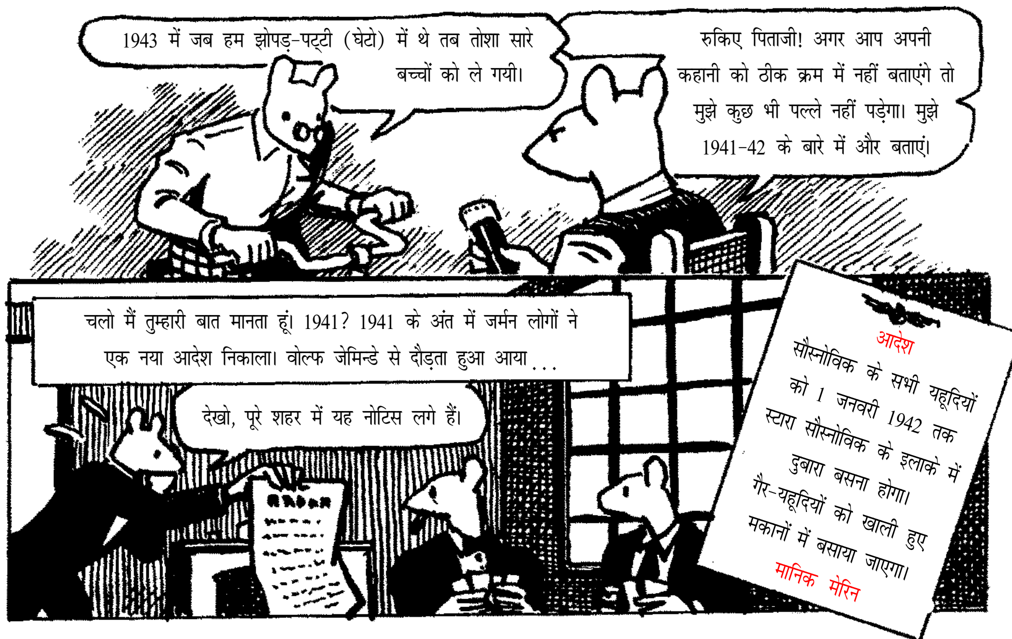


परन्तु जब मैंने अपने परिवार में इसका जिक्र किया तो सब लोग मुझ पर बरस पड़े।









इससे हम 12 लोग अब ढाई छोटे कमरों में रहने को मजबूर हुए...



परन्तु यह असली झोपड़-पट्टी (घेटो) नहीं थी। अगर आप रात तक घर वापिस आएं तो आप शहर के अन्य हिस्सों में घूम-फिर सकते थे।





कुछ महीनों तक मैं यहां भी ब्लैक मार्केट का कुछ धंधा करता रहा। फिर बहुत बुरी खबर आयी, बहुत ही बुरी . . .







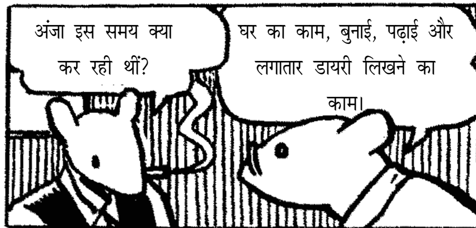







कुछ दिनों तक घर से बाहर निकलते हुए भी मुझे डर लगा। मैं लटके हुए शवों के पास जाना नहीं चाहता था।
शायद खुद को बचाने के लिए उनमें से किसी ने जर्मन पुलिस को मेरा नाम भी बताया हो।


अब भी जब मैं उनके बारे में सोचता हूं तो मेरा मन रोने को करता है। देखो मेरी मरी आंख से भी आंसू बह रहे हैं!


अंजा इस समय क्या कर रही थीं?
घर का काम, बुनाई, पढ़ाई और लगातार डायरी लिखने का काम।


बचपन में मैं घर में पोलिश नोटबुक्स देखता था। क्या वो अंजा की डायरियां थीं?
हां, और न भी।


डायरियां युद्ध में नहीं बचीं। जो तुमने देखीं उन्हें अंजा ने युद्ध के बाद अपनी पूरी कहानी को दुबारा लिखा।
डायरियां कहां हैं? इस पुस्तक के लिए मुझे वो चाहिए!


(खांसते हुए) आर्टी अपनी सिगरेट बंद करो। देखो मेरे लिए सांस लेना मुश्किल है।
नहीं, वो आपके पैडलिंग के कारण है!


इतने होशियार मत बनो! मैं तुम्हें क्या बता रहा था? लटकते शवों के हादसे के बाद मैं कोई और धंधा तलाशने लगा . . .

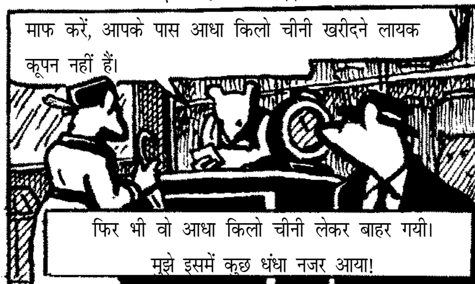

. . . मैं सोने और जेवरों का व्यापार करने लगा।
उन्हें कपड़ों के मुकाबले छिपाना आसान था। बच्चे की गाड़ी में मैं सोना और जेवर छिपाता और उससे कुछ कमाई करता!



मैं शिजक्लैराजिक से मिला। मोडरेजोव्सका में उसकी किराने की दुकान थी।



हम लोगों ने बैठकर बात की।
वो कभी-कभी एक ग्राहक की मदद करता था।



फिर हमने कुछ और बातचीत की।
अंत में उसने एक प्रस्ताव रखा...



जब आदमी भूखा होता है तभी
वो कोई धंधा ढूंढता है...



एक बार मुझे 10-15 किलो
चीनी सप्लाई करनी थी।



मैं आखिर क्या जवाब देता? इस जुर्म के
लिए मुझे फांसी दी जा सकती थी!











और फिर जर्मन लोगों की ओर से कुछ नया हुआ। हमें एक नोटिस मिला . . .







यहूदी पुलिस कई बार हमारे घर के अंदर आयी...

रिकार्ड के अनुसार कारमियो दम्पत्ति यहां रहते हैं। उन्होंने तबादले के लिए अभी तक अपना नाम दर्ज नहीं कराया है।

वो मेरी पत्नी के माता-पिता थे। एक माह पहले वो बिना कुछ बताए यहां से चले गए।

यहूदी पुलिस?

हां, लम्बे बेंत के साथ।

कुछ यहूदियों ने सोचा कि जर्मन लोगों को कुछ बूढ़े यहूदी देकर वो बाकी को बचा पाएंगे।

कम-से-कम वो खुद को तो बचा पाएंगे।

एक महीने बाद वो फिर मेरे ससुर के पास आए।

मिस्टर जाइलबरबर्ग आप पत्नी के संग हमारे साथ चलें।

अगर कारमियो दम्पत्ति तीन दिनों में वापिस नहीं आए तो आपको उनके स्थान पर भेजा जाएगा!

जेमिन्डे के कारण हमें अभी भी कुछ सुरक्षा मिली हुई थी। इसलिए पुलिस सास को छोड़कर केवल ससुर को ले गयी।

कुछ दिनों के बाद ससुर ने हमें एक नोट भेजा।

उन्होंने लिखा कि हमें दादा-दादी को सौंपना ही होगा। नहीं तो पुलिस पहले उन्हें, फिर उनकी पत्नी को और धीरे-धीरे करके पूरे परिवार को ही दबोच लेगी।

फिर क्या हुआ?

होता क्या? हमें दादा-दादी को सौंपना पड़ा!

उन्हें लगा जैसे वो थेयरसाईनडाट जा रहे हों।

अगर किसी चीज की जरूरत पड़े तो हमें लिखें!

परन्तु उन्हें सीधे औशविग में गैस की भट्टियों में झोंक दिया गया।



दादा-दादी के हादसे के बाद कुछ महीने शांत बीते। फिर सभी जगह पोस्टर लगने लगे और जेमिन्डे के भाषण होने लगे . . .







मेरे पिता 62 वर्ष के थे। वो बस द्वारा डोब्रा से आए। यह गांव सौस्नोविक से लगा हुआ था।



मेरी मां की कैंसर से मृत्यु हो जाने के बाद मेरे पिताजी मेरी बहन फेला और उसके चार छोटे बच्चों के साथ रहते थे।





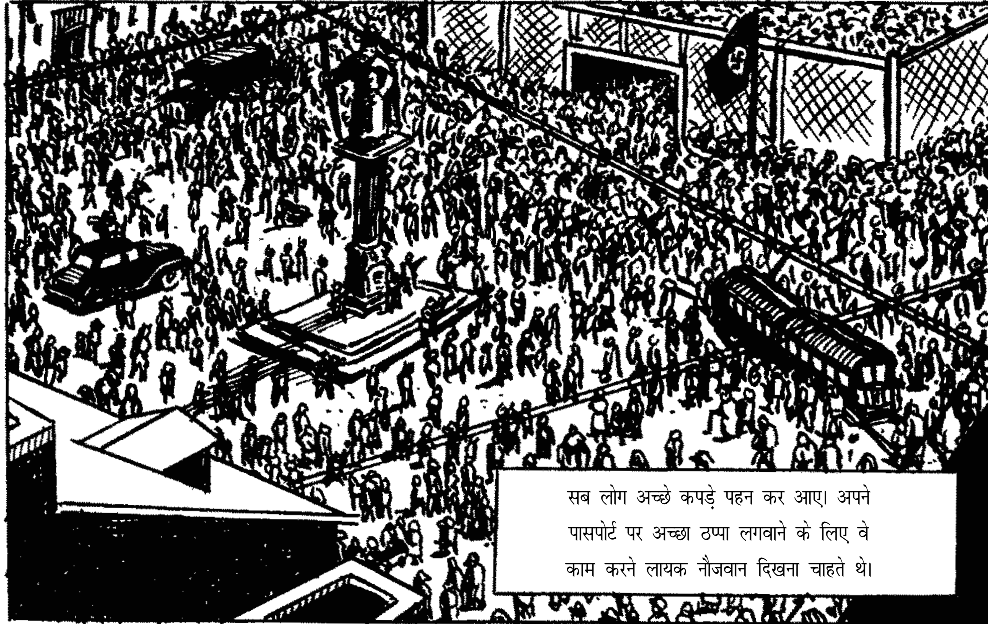






पिताजी को क्या सलाह दूं, यह मुझे समझ नहीं आया।





हमारे घुसने के बाद जेस्टापो ने स्टेडियम को चारों ओर से मशीनगनों से घेर लिया।



फिर चयन हुआ जिसमें कुछ को बाएं और कुछ लोगों को दायीं ओर भेज दिया गया।



मैं और अंजा उस मेज पर गए जहां मेरा चचेरा भाई बैठा था।



ठप्पा लगवाने के बाद हमलोग खुश थे। क्या हमारे परिवार सुरक्षित हैं, यह सोच कर दुखी थे।





बाद में मुझे किसी ने बताया कि वो भी मेरे रिश्तेदार की सहायता से अच्छी तरफ पहुंच गए थे।



उन्होंने उसे बायीं ओर भेज दिया। चार बच्चे बहुत अधिक थे।





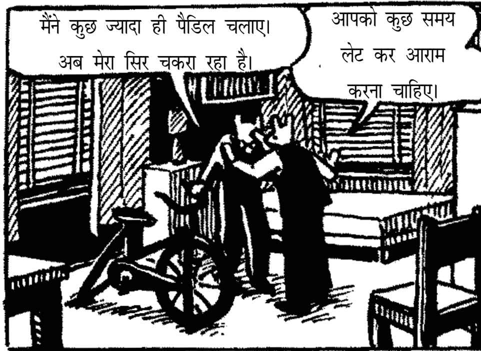
और फिर क्या हुआ? पिताजी जल्दी से बुरी ओर कूद गए!



जिनके पासपोर्ट पर ठप्पा लगा था उन्हें घर जाने दिया गया। परन्तु अब सौस्नोविक में बहुत कम ही यहूदी बचे थे...






मैंने कुछ ज्यादा ही पैडिल चलाए। अब मेरा सिर चकरा रहा है।
आपको कुछ समय लेट कर आराम करना चाहिए।


क्या काम खत्म हुआ?
पिताजी थक गए हैं। वो सो रहे हैं।


वो मुझे उस समय के बारे में बता रहे थे जब सौस्नोविक में हरेक को अपने पासपोर्ट पर ठप्पा लगवाना था।
स्टेडियम में? हां। वहां उन्होंने मां को पकड़ा।


उन्हें अन्य कैदियों के साथ चार घरों में रखा गया। उन घरों को खाली कर जेल बनाया गया था . . .


वहां उन्होंने हजारों लोगों को एक-साथ रखा। इतनी भीड़ में कुछ लोगों ने सांस न लेने के कारण दम तोड़ दिया। वहां न भोजन था और न ही शौचालय थे। नर्क जैसा था।


लोगों ने पीड़ा से मुक्त होने के लिए खिड़की से कूदकर प्राण गंवाए।
हे भगवान!


पर मेरे मां उससे बच निकलीं। उनका भाई यहूदी कमेटी का सदस्य था। उसने उन्हें एक कोयले की कोठरी में छिपा कर रखा और सब लोगों के जाने के बाद ही निकाला।

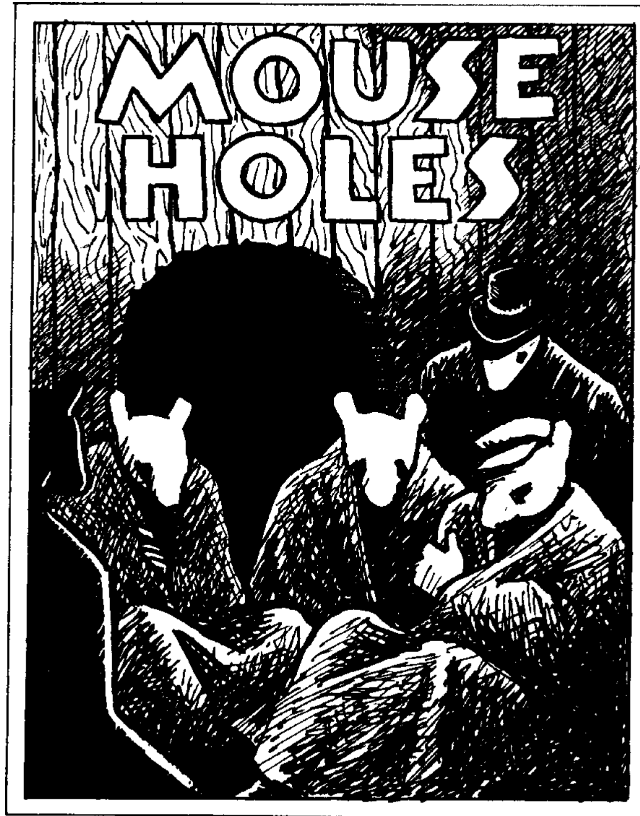

फिर उन्होंने मुझे जमादारिन की नौकरी दिलायी। मेरा काम घरों में लोगों की उल्टी, टट्टी आदि साफ करना था। मैं चुपके से मां को वहां से छुड़ा कर लायी।

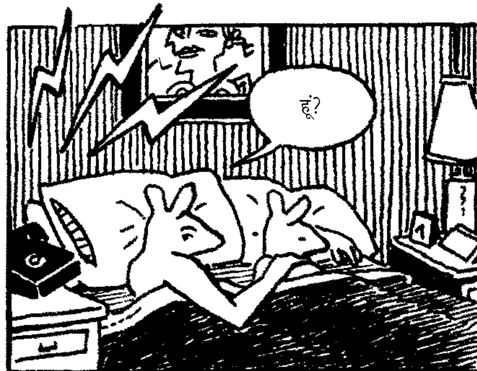


मेरी मां और पिता दोनों को अंत में औशविग में भेजा गया। वहीं उनकी मृत्यु हुयी।
तुम कहां जा रहे हो?। तुमने कॉफी क्यों नहीं पी?
मुझे एक बात याद आयी। पिताजी ने बताया कि अंजा एक डायरी लिखती थीं। मुझे कुछ धुंधला सा याद है कि मैंने उसे इस कोठरी के एक शेल्फ पर देखा है।
मुश्किल लगता है। नहीं तो मैंने उन्हें जरूर देखा होता।
वहां इतना सारा कचरा है, शायद उसमें कहीं छिपी पड़ी हो।
इस सब कचरे को देखिए! विभिन्न समुद्री यात्राओं के 'मेन्यू' और पाइन्स होटल की तमाम स्टेशनरी . . .
अविश्वस्नीय! 1965 के चार सेविंग बैंक के कैलेंडर - और वो भी बिना खाता खोले!
उन्होंने मुझे पागल बना दिया है! पिछले साल वो अस्पताल से एक प्लास्टिक का मटका ले आए थे। वो मुझे उसे भी फेंकने नहीं देते हैं!
उन्हें लोगों की बजाए चीजों से कहीं अधिक लगाव है!
मुझे नहीं पता कि मैं उन्हें कब तक झेल पाऊंगी। सच में।
मैं अब चलता हूं। उन डायरियों को मैं अगली बार खोजूंगा।
रुको! पहले चीजों को बिल्कुल पहले जैसे सजा कर रखो। नहीं तो मुझे बहुत ताने सुनने पड़ेंगे।
ठीक है!

अध्याय पांच

चूहों के बिल




हूं?


हलो आर्टी? मुझे पता नहीं कि तुम्हारे पिता के साथ क्या करूं। अभी-अभी वो छत पर चढ़े हैं!
हां, माला?


वो ड्रेन-पाइप की मरम्मत करने पर अड़े रहे और फिर उनका सिर चकराने लगा! जैसे-तैसे मैं उन्हें छत से नीचे उतार कर लायी!
क्या बजा है?


अब वो दुबारा से ऊपर चढ़ना चाहते हैं! बताओ मैं क्या करूं?
कृपा चिल्लायें नहीं।


आप किसी मिस्त्री को बुलाईए माला। अभी सिर्फ साढ़े सात बजे हैं। मैं और फ्रैन्कोइज चार बजे सोए हैं। आपको पता है कि हम देर तक सोते हैं।
हलो? आर्टी? लो पापा से बात करो।


देखो माला ने मुझे एकदम बूढ़ा और निकम्मा बना दिया है। अगर तुम मेरी मदद करने आओ तो अच्छा होगा।
आप मजाक तो नहीं कर रहे!


जवानी में इन कामों को मैं अकेले ही कर लेता। पर अब ड्रेन-पाईप की मरम्मत के लिए मुझे तुम्हारी मदद चाहिए!
अच्छा पापा! कॉफी पीने के बाद मैं आपको फोन करूंगा।


कहीं मैं सपना तो नहीं देख रहा था।
तुम्हारे पापा का फोन?


वो चाहते हैं कि मैं छत या और किसी चीज की मरम्मत में उनकी मदद करूं। बचपन में भी मैं उनकी मदद करने से कतराता था। मुझे उनसे नफरत थी।


पापा अपने हुनर की शान बघारते थे, और मेरी हर चीज को नीचा दिखाते थे। मरम्मत के काम में उन्होंने मुझे एकदम उल्लू बना दिया।


इस घर में आने से पहले मेरे पास एक हथौड़ी तक नहीं थी। मेरे आर्टिस्ट बनने का एक कारण यह भी था कि पापा के अनुसार मैं बिल्कुल बेकार किसी काम का मिस्त्री नहीं था।


कला का क्षेत्र में मेरे और पापा के बीच कोई प्रतियोगिता नहीं थी।
तो क्या तुम पापा के घर जाओगे?


बिल्कुल नहीं, चाहें पछताना पड़े! मुझे बहुत काम है और वो काम कोई भी मिस्त्री आसानी से बुला सकता हैं।


हां पापा, सुनिए, उस ड्रेन-पाईप के बारे में। मुझे लगता है कि मैं आ नहीं पाऊंगा!
कोई बात नहीं आर्टी!


मैंने अभी अपने पड़ोसी फ्रैंक से बात की है। वो इस हफ्ते के अंत में पाईप की मरम्मत करने में मेरी मदद करेगा।
बढ़िया!

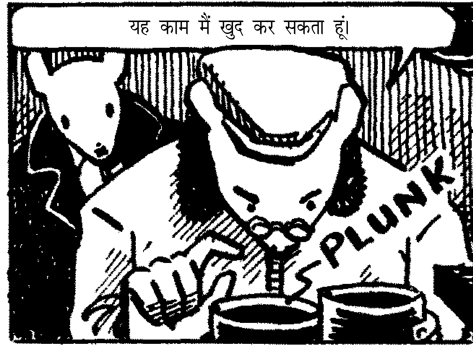

अच्छा होता कि पाईप आज ही ठीक हो जाता। चलो, कोई तो मेरी मदद करने को तैयार हुआ।
बहुत बढ़िया!

लगभग एक सप्ताह बाद, दोपहर से पहले . .
















हलो, माला।
तुमने मुझे डरा दिया आर्टी। तुम्हारे पिता के साथ रहकर मैं बहुत परेशान हो गयी हूं।


जब मैं नीचे उन्हें मिला तो वो कुछ परेशान नजर आये। पिछले हफ्ते न आने की वजह से क्या वो मुझसे नाराज हैं?
मुझे नहीं लगता।


इस घर को ठीक-ठाक रखना अब उनके बस की बात नहीं है। मैं उनसे कहती हूं कि इसे बेच कर मियामी में कोई फ्लैट खरीद लें।
वो उदास लगते हैं।


उदासी का कारण वो कार्टून स्ट्रिप हो सकती है जो तुमने अपनी मां पर बनायी थी।
क्या?

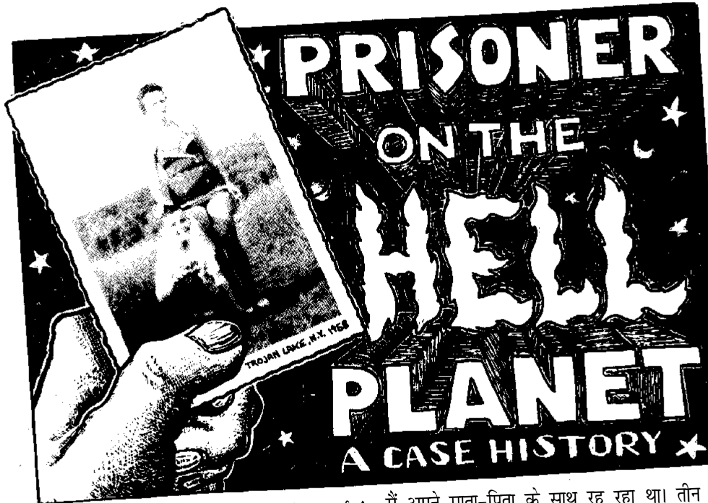

व्लाडेक ने कुछ दिनों पहले उसे पहली बार देखा।
आपको 'नरक ग्रह के कैदी' के बारे में कैसे पता चला?


मेरे मित्र रूथी का लड़का कालेज में पढ़ता है। वो अपनी मां को बहुत से कॉमिक पढ़ने को देता है। उसने एक प्रति मुझे दी।
बाप रे!


तुम्हारे पिता परेशान न हों इसलिए मैंने उसे छिपा कर रखा, परन्तु उन्होंने उसे खोज लिया।
इसे मैंने बरसों पहले बनाया था।


वो एक अंडरग्राउंड कॉमिक पत्रिका में छपे थे। मुझे लगा कि व्लाडेक उसे कभी नहीं देखेंगे।
PRISONER ON THE HELL PLANET

नरक ग्रह के कैदी - केस हिस्ट्री





काम से लौटने पर पिताजी ने उन्हें पाया। उनकी कलाईयां कटी थीं और एक गोलियों की शीशी पास में पड़ी थी।

मैं अपने माता-पिता के साथ रह रहा था। तीन महीने पहले ही मैं पागलखाने से छूटा था।

मैंने अपनी गर्लफ्रेंड इसाबेला के साथ सप्ताह अंत गुजारा जो माता-पिता को नापसंद था। मैं घर देरी से पहुंचा







अगर मैं सही समय पर घर पहुंचता तो भी मुझे मां की लाश मिलती।



भीड़ को देखकर मुझे डर लगा। मुझे बड़े हादसे की आशंका हुई। परन्तु मुझे अभी उसकी जानकारी न थी।

मेरा चचेरा भाई मुझे वहां से हटाकर ले गया।



डाक्टर आरेन्स पास ही में रहते थे...





मेरे लिए अब सच्चाई से बचना मुश्किल था। डाक्टर के शब्द मेरे अंदर गूंजते रहे।
मेरे आंसू तो नहीं निकल रहे थे। पर मुझे लगा कि मुझे रोना चाहिए!...











हम घर पहुंचे। पिता काफी दुखी और परेशान थे!...



मैंने सोचा पिता को दिलासा दूं!



किसी तरह जनाजे की तैयारियां हुयीं...



रात खराब बीती। मुझे यहूदी पद्धति के अनुसार जमीन पर सोना पड़ा। पिता सारी रात कराहते रहे। मैं काफी बेचैन था। हम भयभीत थे।



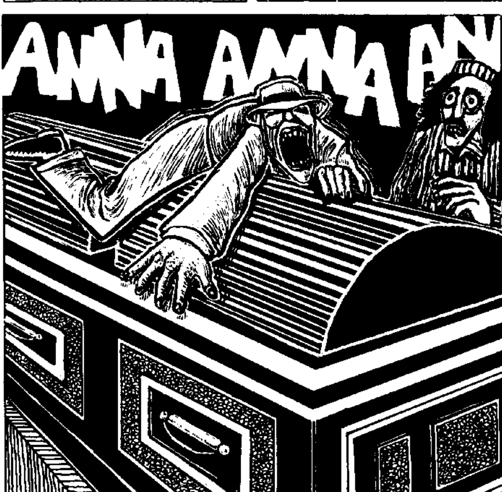
अगले दिन जनाजे के समय घर की हालत और खराब थी।





पिताजी ने प्रार्थना की और संयम बरतने की कोशिश की। मैंने अपनी मां की याद में – *द टिबिटियन बुक ऑफ द डेड* नामक पुस्तक से कुछ अंश पढे।





मेरे लिए यह असहनीय था। मैं चल पड़ा।



एक पारिवारिक मित्र ने मुझे कमरे में बैठा हुआ पाया...



मेरा जी मचलने लगा... अपराधिक भावना असहनीय हो गई!



हमने अगले हफ्ते मातम किया।
मेरे पिता के मित्रों ने सहानभूतियों के
साथ-साथ दुश्मनी के पैगाम भी दिए।



मैं अपने विचारों में अकेले
ही खोया रहा...



उनसे आखिरी मुलाकात मुझे याद है...



वो देर रात मेरे कमरे में आयीं...



उसने नार को इतने कसा कि मैं घबरा गया...





हां मां, अगर आप सुन रही हों तो...








मुझे आश्चर्य है कि व्लाडेक ने इसे पढ़ा। वो कभी कॉमिक्स नहीं पढ़ते...


वो मेरे काम पर कभी भी ध्यान नहीं देते।
परन्तु यह अन्य कॉमिक्स जैसा नहीं है।


रूथी के दिखाने पर मुझे लगा कि मैं बेहोश हो जाऊंगी। मुझे गहरा झटका लगा। वो एकदम व्यक्तिगत था!


परन्तु बहुत सटीक और सच भी। अंजा की मृत्यु के बाद मैंने सफाई में काफी मदद की - वैसे ही जैसे तुमने चित्रित किया है।
आर्टी, मैं तैयार हूं।


चलो बैंक की ओर पैदल चलें।
माला ने बताया कि आपने मेरे अंजा वाले कॉमिक को देखा!


जब मैं तुम्हारे लिए चीजों को ढूंढ रहा था तब वो मुझे मिला। अंजा के चित्र को देखकर मैंने उसे पढ़ा और खूब रोया।
मुझे माफ करें!


अच्छा हुआ तुमने अंदर की बात कह डाली। परन्तु उससे मुझे अंजा की बहुत-बहुत याद सतायी।


वैसे भी मैं हमेशा उसी के बारे में सोचता रहता हूं।
तुम भगवान के चित्रों जैसे अपने चारों ओर अंजा के फोटो रखते हो!


माला, तुम चाहती हो कि मैं उन्हें कचरे में फेंकूं? तुम्हारा भी एक फोटो मेरी मेज पर रखा है!
तुम्हारी बड़ी मेहरबानी!

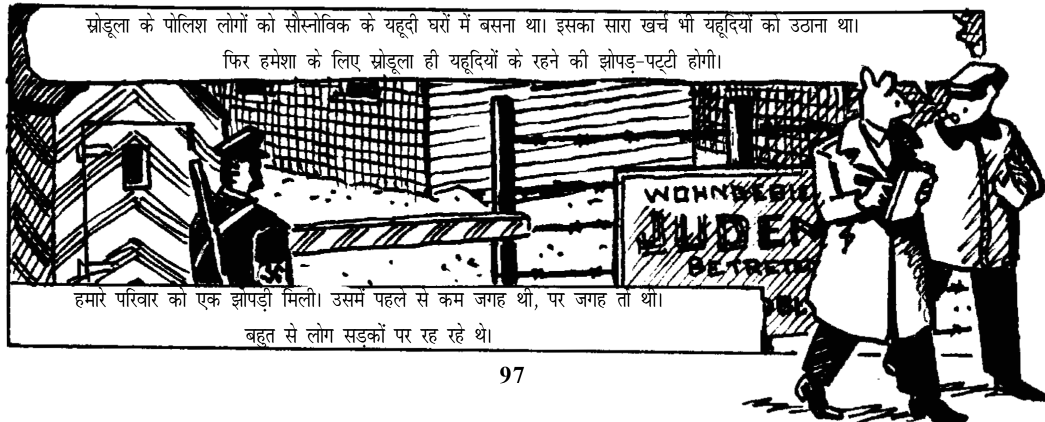

देखो हमारे रिश्ते? मैं जो करूं भी उसे गलत लगता है।
क्या आपको अंजा की डायरी मिली?


अभी तक तो नहीं। मैंने कोशिश की पर नहीं मिली।
मुझे उसकी सख्त जरूरत है!


मैं उन्हें फिर ढूढूंगा। फिलहाल, बैंक चलें।
ठीक है।


चलना मेरे लिए जरूरी है नहीं तो मेरे पैर ऐंठने लगते हैं और दर्द के कारण रात को मेरा सोना भी दुश्वार हो जाता है। अपने हृदय के लिए मुझे धीमे चलना चाहिए।


स्टेडियम के चयन के बाद आपका और अंजा का क्या हुआ?
कुछ समय तक तो सब कुछ शांत रहा। फिर 1943 में एक आदेश आया : जिसके अनुसार सौस्नोविक के बचे हुए सभी यहूदियों को पास के एक गांव स्रोडूला में जाकर बसना था।


स्रोडूला के पोलिश लोगों को सौस्नोविक के यहूदी घरों में बसना था। इसका सारा खर्च भी यहूदियों को उठाना था। फिर हमेशा के लिए स्रोडूला ही यहूदियों के रहने की झोपड़-पट्टी होगी।
WOHNGEBIET JUDEN BETRETEN
हमारे परिवार को एक झोपड़ी मिली। उसमें पहले से कम जगह थी, पर जगह तो थी। बहुत से लोग सड़कों पर रह रहे थे।





... वो हर रात हमें लैफ्ट-राईट कराते हुए वापिस लाते और फिर बंद कर देते।















नब्बे! यह 1943 की बात है! तब 90 साल का और कोई यहूदी जिंदा नहीं बचा था!

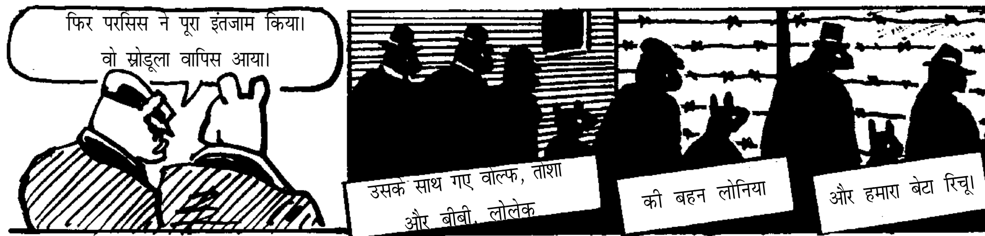








अंजा की मां सच्चाई को नहीं देख रही थीं। अंत में वो भी मान गयीं।


फिर परसिस ने पूरा इंतजाम किया।
वो स्रोडूला वापिस आया।
उसके साथ गए वाल्फ, तोशा और बीबी, लोलेक
की बहन लोनिया
और हमारा बेटा रिचू।


आंखों से ओंझल होने तक हम उन्हें देखते रहे...
हम उन्हें अंतिम बार देख रहे थे। पर इसका हमें पता नहीं था।
जब हमारी झोपड़-पट्टी में हालात खराब होते तब हम कहते: "भगवान का शुक्र है हमारे बच्चे तो सुरक्षित हैं।"

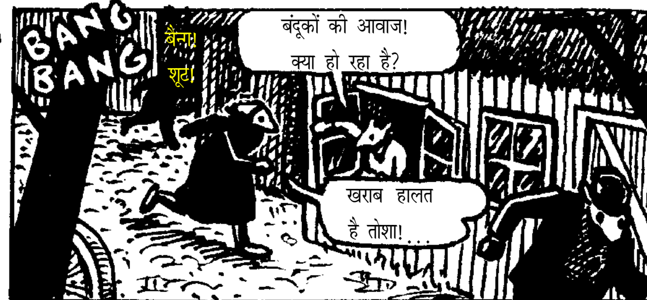

वसंत में एक दिन जर्मन स्रोडूला से 1,000 यहूदियों को औशविग ले गए।
उसमें ज्यादातर बच्चे थे - कुछ केवल 2-3 वर्ष के थे।
बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे। वो खुद को रोक न सके।


रोते बच्चों को सिपाहियों ने दीवार पर पटका...
फिर बच्चे सदा के लिए चुप हो गए।


जर्मन सिपाहियों ने छोटे निरीह बच्चों के साथ बुरा व्यवहार किया।
मैंने अपनी आंखों से तो नहीं देखा परन्तु किसी ने अगले दिन मुझसे कहा, "भगवान का शुक्र है परसिस के साथ हमारे बच्चे तो सुरक्षित हैं।"



रिचू को झाविरसी भेजने के कुछ महीनों बाद जर्मन पुलिस ने उस बस्ती का खात्मा करने का निर्णय लिया।











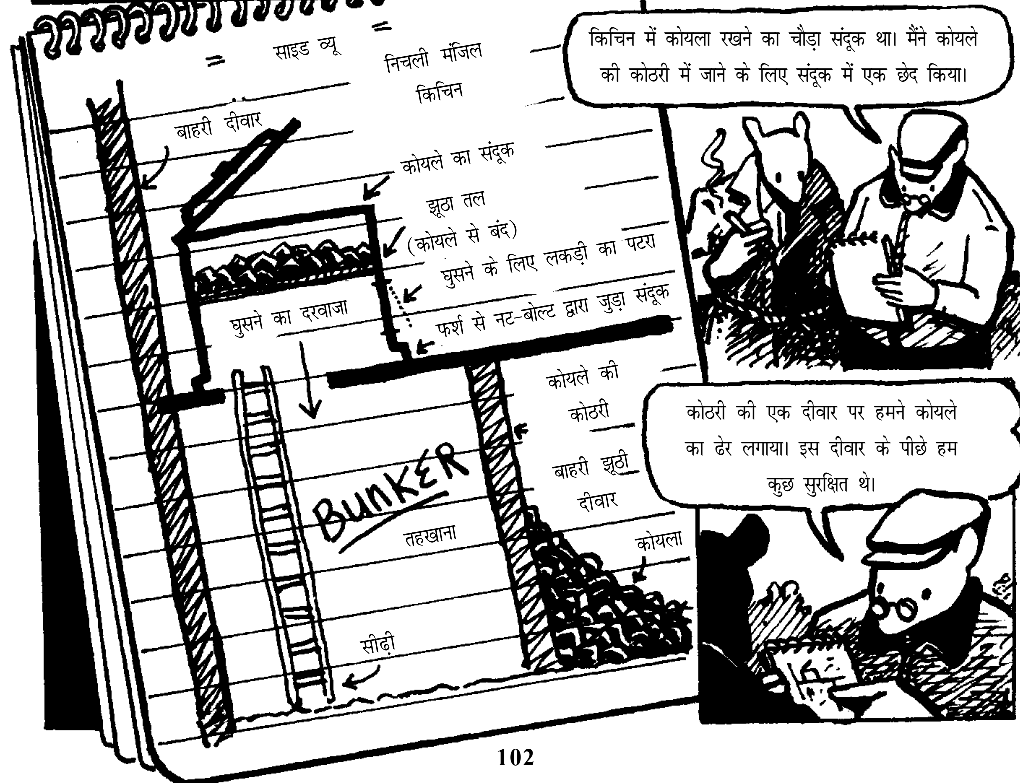







क्या तोशा का पति बच पाया?
नहीं। औशविग जाते हुई ट्रेन से भागते हुए उसे गोली मार दी गई।
शायद ही कोई बचा। पर ये खबरें हमें बाद में ही पता चलीं। अपने तहखाने में हमें केवल अफवाहें ही सुनने को मिलीं।
तुम्हारा "तहखाना?"
स्रोडूला में हमें छिपने के लिए अपना "तहखाना" बनाना पड़ा।

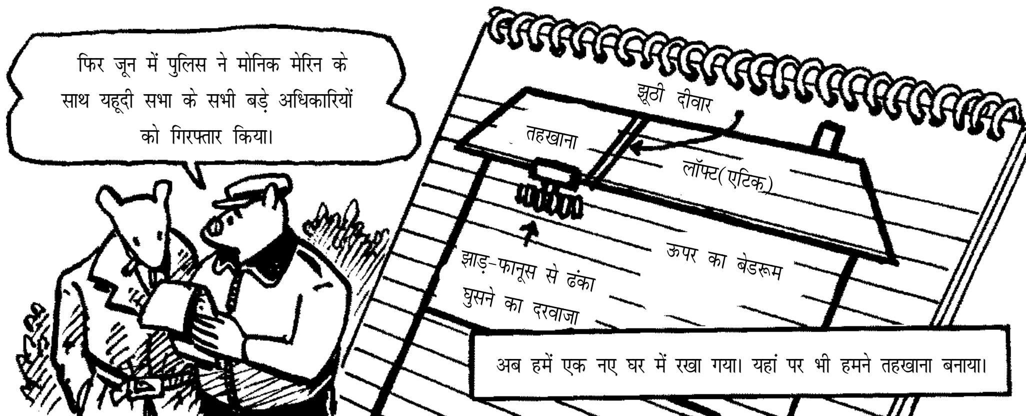

कागजात सही होने के बाद भी जर्मन यहूदियों को बिना बात के पकड़ रहे थे।
इसलिए मैंने सबके छिपने के लिए एक अच्छी जगह खोजी - कोयले की कोठरी में।
जरा पेंसिल दो, मैं तुम्हें समझाता हूं.. इसे समझना जरूरी है कहीं किसी दिन तुम्हें...


साइड व्यू
निचली मंजिल
किचिन
किचिन में कोयला रखने का चौड़ा संदूक था। मैंने कोयले की कोठरी में जाने के लिए संदूक में एक छेद किया।
बाहरी दीवार
कोयले का संदूक
झूठा तल
(कोयले से बंद)
घुसने के लिए लकड़ी का पटरा
फर्श से नट-बोल्ट द्वारा जुड़ा संदूक
घुसने का दरवाजा
कोयले की कोठरी
बाहरी झूठी दीवार
BUNKER
तहखाना
कोयला
सीढ़ी
कोठरी की एक दीवार पर हमने कोयले का ढेर लगाया। इस दीवार के पीछे हम कुछ सुरक्षित थे।


जर्मन पुलिस को पता था कि यहूदी यहां छिपे हैं। वे अपने कुत्तों के साथ आते फिर भी हमें खोज नहीं पाते।
जर्मन कुत्ते पागलों की तरह ऊपर-नीचे दौड़ते। परन्तु कोयले के संदूक में उन्हें कोयला ही मिलता। वो पूरा भरा दिखता और वो उसे उठा नहीं पाते थे। और नीचे की कोठरी में सिर्फ कोयला था।


क्या बाहर निकलना सुरक्षित होगा? इन कीड़ों का शरीर पर रेंगना बर्दाश्त नहीं होता!
जर्मन बस जाने वाले हैं!
उस तहखाने में बहुत कीड़े थे।


हमारे पास कुछ दिनों के खाने के लिए भोजन है। स्थिति शांत होने तक हम यहीं रुकेंगे।
हम लोग मेरे बनाए इस सुरक्षित तहखाने में बचे रहे। पर जिन लोगों के पास छिपने की जगह नहीं थे वे जर्मन पुलिस का शिकार बने।


फिर जून में पुलिस ने मोनिक मेरिन के साथ यहूदी सभा के सभी बड़े अधिकारियों को गिरफ्तार किया।
झूठी दीवार
तहखाना
लॉफ्ट(एटिक)
ऊपर का बेडरूम
झाड़-फानूस से ढंका घुसने का दरवाजा
अब हमें एक नए घर में रखा गया। यहां पर भी हमने तहखाना बनाया।


जुलाई के अंत तक नात्सियों ने हमारी बस्ती को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। एक हफ्ते के अंदर 10,000 यहूदियों को ले जाया गया।
हम सिर्फ खाने के लिए बाहर निकलते नहीं तो तहखाने में ही छिपे रहते।


लोलेक, शुक्र है कि तुम सकुशल हो!
क्योंकि बाहर तो युद्ध जैसा माहौल है!


स्रोडूला में शायद ही कोई बचा हो। सभी को ले जाया गया या गोली मार दी गई।
सौस्नोविक में अब सिर्फ 1,000 ही यहूदी बचे।


चलो, तुम्हारा थैला तो भरा है। तुम्हें इतना भोजन कहां से मिला?
कुछ पुराने चुकंदर और कुछ पुस्तकें।


पुस्तकें? तुम्हें क्या हो गया है? हम पुस्तकें खा तो नहीं सकते!
हम सदा भूखे रहते - खाने को कुछ भी नहीं होता।

एक रात हम भोजन के लिए बाहर निकले...



हम उसे खींचकर अपने तहखाने में ले आए।







सुबह हमने उसे कुछ खाना देकर अपने घर वापिस जाने दिया...






कुल मिलाकर कोई 200 लोग इंतजार कर रहे थे... हरेक बुधवार को ट्रक भरकर लोगों को औशविग भेजा जाता था। उस दिन शायद गुरुवार था।
देखो अंजा, वहां मैदान में मेरा चचेरा भाई जाकोव स्पीगिलमैन है।


देखो! जाकोव! मदद करो! जाकोव! मदद करो!
व्लाडेक! मैं कुछ नहीं कर सकता!


मेरे पास पैसे हैं यह मैंने इशारे से बताया।
पुलिस जब आई तब मैंने कुछ सोना तहखाने की चिमनी में छिपा दिया। कुछ बहुमूल्य चीजें अभी भी मेरे पास थीं।


अच्छा फिक्र मत करो! हैस्किल आकर मदद करेगा!
हैस्किल स्पीगिलमैन मेरा चचेरा भाई था।


पैसे नहीं देने पर भी वो आपकी मदद करते, क्योंकि वे आपके परिवार वाले ही थे..
नहीं! तुम नहीं समझोगे...
उस समय परिवार की किसको चिंता थी। हरेक को बस अपनी फिक्र थी!

अगले दिन दो लड़कियां खाना लेकर आयीं। उनके साथ यहूदी पुलिस का प्रमुख हैस्किल भी था।



उसने लड़कियों को किचिन में वापिस भेजा।



खिड़की से हमने लोलेक को बाहर जाते देखा।





अगले दिन मैं और अंजा चौकीदारों के सामने से खाली बाल्टियां लेकर बाहर गए।





करोड़पति होने के बाद भी उनकी जिंदगी नहीं बच पाई।


तो अंजा के माता-पिता औशविग में मरे?
हां? और क्या? उन्हें सीधे गैस भट्टी में झोंक दिया गया।


हैस्किल ने ससुर के जेवर तो ले लिए - परन्तु उन्हें बचाने का खतरा वो नहीं मोल लेना चाहता था।


हैस्किल हमेशा से ही ऐसा था - काम्बिनेटर।
क्या?
यानी चालाक और चोर आदमी।


आपने क्या उठाया?
टेलीफोन का तार। यह मुश्किल से मिलता है।


उसके अंदर के छोटे तार बांधने के काम आते हैं।
आप हमेशा कचरा क्यों उठाते हैं! आप तार खरीदते क्यों नहीं?


जब फेंकी हुई चीज से काम चले तो फिर क्यों नया खरीदें? यह तार तो दुकान पर भी नहीं मिलता है।


मैं तुम्हें कुछ तार दूंगा फिर तुम उसकी कीमत समझोगे!
नहीं शुक्रिया! हैस्किल का क्या हुआ? आप यह बतायें।


वहां बस 1000 यहूदी बचे थे और सभी ब्राउन शू कम्पनी में काम करते थे।
स्रोडूला के खात्मे के समय हैस्किल एक बड़ा आदमी बन गया था।


मैं तुम दोनों का वहां रजिस्ट्रेशन करूंगा - अच्छा सारजेन्ट!
आप कैसे हैं मिस्टर स्पीलिगमैन?
हैस्किल अक्सर जिस्टैपो के साथ ताश खेलता।


आज रात मिलेंगे, ठीक है?
आशा है तुम्हारा भाग्य पिछली बार जैसे नहीं चमकेगा।
जर्मन सिपाही उसे चाहें इसलिए हैस्किल जानबूझ कर जूए में हारता था।



हैस्किल के दो भाई थे - पीसाच और मिलोच। पीसाच भी चालाक और चोर था। परन्तु मिलोच एक भला इंसान था।

































एक बार मैं बस्ती में अकेले घूम रहा था . .







. . . हैस्किल के इस तरह के दोस्त थे।

मैंने हैस्किल और मिलोच को बाद में इसके बारे में बताया।







परन्तु पिसाच वाकई में केक बेच रहा था! जिसके पास भी पैसे थे वो केक का टुकड़ा खरीदने के लिए लाइन में लगा था।







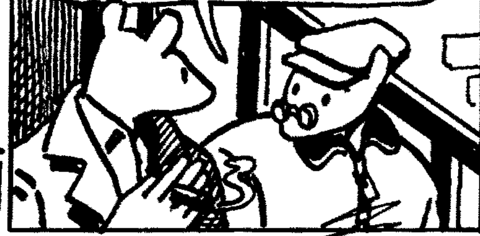




पीसाच के पास का कुछ आटा असल में साबुन का पाऊडर था। वो भी गल्ती से केक में पड़ गया!




युद्ध से पहले जाकोपेन में पिसाच का एक होटल था।
तब भी वो ऐसी ही खुराफातें करता था।


सभी मेहमानों को भारी मात्रा में पोलिश टैक्स देना पड़ता था। पिसाच उनका रजिस्ट्रेशन न करने की घूस लेता था। पर इंस्पेक्टर के आने पर मेहमानों को कहीं छिपना पड़ता था।


एक बार उसकी पत्नी ने पर्याप्त मात्रा में मिठाई नहीं बनाई। तब पिसाच भोजनकक्ष में जाकर चिल्लाया, "इंस्पेक्टर आ रहे हैं!"


असल में कोई इंस्पेक्टर नहीं था। 40 प्रतिशत मेहमान भाग गए। पिसाच के पास अगले दिन के लिए भी मिठाई बच गई!
चलो।


क्या आप दुबारा चलने को तैयार हैं?
हां, बैठना गंदा है! मैंने अगर अभी नाईट्रोस्टैट नहीं खाई होती तो बहुत बुरा हो सकता था।


मिलोच स्पीगिलमैन अपनी पत्नी और बच्चे के साथ युद्ध के बाद ऑस्ट्रेलिया चला गया। पांच साल पहले उसे दिल का दौरा पड़ा...


पिछले साल उसे सड़क पर मेरे जैसा ही दिल का दौरा पड़ा। पर उसके पास गोली नहीं थी। इससे पहले कि उसकी पत्नी दवा लेती मिलोच मर चुका था!


इसी का नाम जिंदगी है।
बैंक पहुंचने से पहले मुझे जल्दी से तुम्हें स्रोडूला के बारे में बाकी सब कुछ बताना चाहिए।
SALE





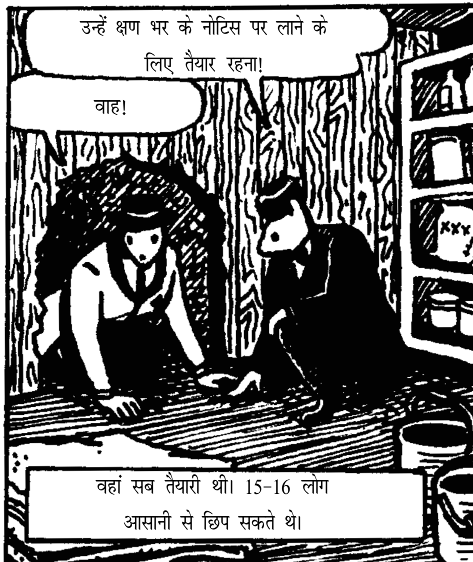
बहुत सुबह थी और वहां कोई नहीं था।



... फिर मुझे वो एक सुरंग में ले गया...



वहां से हम एक तहखाने में पहुंचे...



पर जब मैंने और अंजा ने इस तहखाने के बारे में लोलेक से चर्चा की...

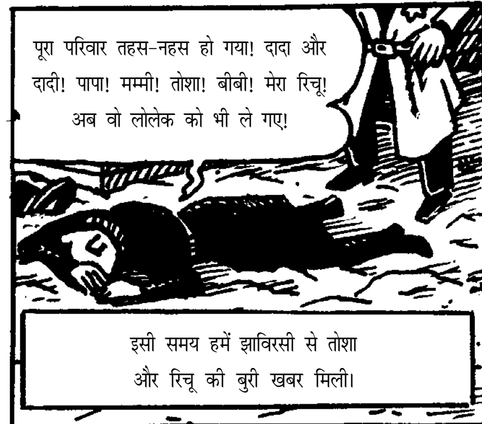




लोलेक कम उम्र का था और भोला था।



अंजा अपना मानसिक नियंत्रण खो बैठी।















मिलोच के बताए अनुसार बस्ती खत्म हो गई। हम 12 लोग मिलोच, उसकी पत्नी और तीन वर्ष का लड़का उसके तहखाने में जाकर छिपे।



हम पूरे दिन भूखे लेटे रहते। और कुछ काम न था।





हमारा थोड़ा सा भोजन जल्द ही खत्म हो गया।



रात का हम खाना ढूंढने बाहर जाते पर कुछ भी नहीं मिलता।



हम इतने भूखे कभी भी नहीं रहे थे।















अगले दिन तड़के ही वो ग्रुप वहां से निकल पड़ा।

मैं चुपके से एक कोने में खड़ा देखता रहा। फिर बंदूकों के चलने की आवाज आई। पर मैं बाहर देखने नहीं गया...







हम में से कुछ ही लोग बचे।



सुबह होने से पहले ही हम स्रोडूला से निकले . . .



काम पर जाते पोलिश लोगों के बीच हम मिल गए।





अंजा और मेरे लिए जाने को कोई जगह न थी।








अगर मेरे साथ कभी कोई हादसा हो जाए तो तुम दौड़कर यहां पर आना। इसीलिए मैंने तुम्हारे लिए इस चाबी का इंतजाम किया है।


मेरे लॉकर में से सभी चीजें निकाल लेना नहीं तो फिजूल में टैक्स भरना होगा। हो सकता है माला उसे हथिया ले।
पिताजी . . .


आपकी जायदाद से मुझे परेशानी होती है।
इस उम्र में तुम्हें इन चीजों के बारे में सोचना चाहिए।


आप अपनी पूंजी का मजा खुद क्यों नहीं उठाते?
इस चाबी को मैं अपनी दराज में रखूंगा, नहीं तो तुम उसे खो दोगे!


देखो यह क्या है? सिगरेट केस और पाउडर केस - दोनों 14 कैरिट सोने के।
UH HUH


यह दोनों चीजें मेरे पास स्रोड्रूला के तहखाने में थीं।
सच? आपके पास यह अभी भी कैसे हैं?


जब जेस्टैपो ने हमें पकड़ा तब मैंने कुछ कीमती चीजों को चिमनी में छिपा दिया। अगर वो मेरे बाकी जेवर ढूंढ भी लेते तो भी यह तो बच जाते।


1945 में जब मैं कैद से छूटा तब मैं दुबारा स्रोड्रूला गया और रात में जब लोग सो रहे थे तब मैं चिमनी में से इन चीजों को खोद कर निकाला।
बाप रे!


तुम इस हीरे को देख रहे हो? जब हम पहली बार अमरीका गए तब मैंने इसे अंजा को दिया था।


अंजा हमेशा से ही इस हीरे को तुम्हारी पत्नी को देना चाहती थी।


पर अगर मैं इसे तुम्हें दूंगा तो माला मुझे पागल कर देगी। वो हरेक चीज हथियाना चाहती है।


वो चाहती है कि मैं तुम्हें और इजराइल में रह रहे अपने भाई को कुछ भी न दूं। वो मेरे वसीयतनामे को तीन बार बदलवा चुकी है।
माला इतनी बुरी नहीं है।


कुछ कह नहीं सकते! मेरे पिछले दिल के दौरे के बाद वो फिर से वसीयत को बदलवाने पर अड़ी थी!
BA


मैंने उससे कहा, "माला तुम देखो कि मैं कितना बीमार हूं। मुझे कुछ चैन लेने दो। बताओ तुम आखिर मुझसे क्या चाहती हो?"


फिर वो चिल्लाई, "मुझे पैसे चाहिए! पैसे! सारे पैसे!"


आर्टी, बताओ! मैंने क्यों दुबारा शादी की?


हाय अंजा! अंजा! अंजा!
पिताजी, चलें अब घर चलें।

अध्याय छह

चूहेदानी



पिताजी के पास एक और चक्कर...




मैं कुछ जूस लेकर आ रहा हूं। क्या आप लेंगी?
नहीं। मैं तुम्हें कुछ बताना चाहती हूं। शादी के तुरन्त बाद मुझे कपड़ों की जरूरत थी।


यह अंजा की मृत्यु के डेढ़ साल बाद की बात है। उन्होंने मुझे अल्मारी के पास ले जाकर कहा, "यह सब तुम्हारे लिए हैं।"
"मैं इन्हें हाथ भी नहीं लगाउंगी," मैंने कहा।


"लगता है तुम्हारे पिता ने मुझ से इसी लिए शादी की क्योंकि मैं अंजा के साइज की थी।"
वो हमेशा से ही ऐसे हैं!


धृष्ट! नीच!! चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए, वो इतने कंजूस हैं!
हां!


मुझे लगता था कि शायद युद्ध ने उन्हें ऐसा बना दिया . .
नहीं! मैं भी युद्ध झेल चुकी हूं. . .


हमारे सभी मित्र युद्ध झेले हुए हैं परन्तु उनमें से कोई भी तुम्हारे बाप जैसा नहीं है!


मैं उनके बारे में एक पुस्तक लिख रहा हूं और मैं कभी-कभी सोचता हूं. . .


कि कहीं वो एक नस्लवादी, कंजूस, मक्खीचूस यहूदी जैसे तो नहीं हैं।
अपनी बात को जरा दोहराना!


मैं पुस्तक में अपने पिता का बिल्कुल सच्चा चित्रण करना चाहता हूं!...
अपने ऊपर भी वो कुछ खर्च नहीं करते...

उनके पास बैंक में लाखों डालर हैं फिर भी वो एक भिखारी जैसे रहते हैं!...

वो जगह-जगह से कागज के नैपकिन चुराकर लाते हैं जिससे कि उन्हें खरीदना न पड़ें!

काश जिंदा रहते मैं अपनी मां की कहानी सुन पाता। वो अधिक संवेदनशील थीं... उससे मेरी पुस्तक को कुछ संतुलन मिलता।
तुम्हारी मां!...

...समझ में नहीं आता तुम्हारी मां तुम्हारे बाप के साथ कैसे रह पायीं...

...मैं कैसे झेलती हूं, यह मुझे ही पता है!
हलो, क्या हाल हैं?

मुझे नहीं पता था कि तुम ऊपर हो। मैं तो नीचे बाग में पानी छिड़क रहा था।
माला से मैं अपनी नई पुस्तक के बारे में चर्चा कर रहा था।

मैं उसके कुछ अंशों के चित्र भी बनाए हैं। मैं आपको दिखाता हूं...


. . . सौस्नोविक में काला बाजारी करते हुए यहूदियों को फांसी पर लटकाने वाले चित्र . .


यहां आप कह रहे हैं, "जब भी मैं उनके बारे में सोचता हूं, मुझे रोना आता है!"
हां, अब भी मुझे रोना आता है!


यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। जो लोग अक्सर ऐसी कहानियां नहीं पढ़ते उन्हें भी इसमें मजा आएगा।
हां, मैं ऐसे कॉमिक्स कभी नहीं पढ़ता और मुझे भी इसमें मजा आ रहा है।


आपको इसलिए मजा आ रहा है क्योंकि यह आपकी ही कहानी है!
मुझे अपनी कहानी मुंह जुबानी याद है, फिर भी इसमें मेरी रुचि है!


यह पुस्तक जरूर सफल होगी।
एक दिन तुम भी मशहूर होगे, बिल्कुल . . . क्या नाम है उसका?


हां, मशहूर जैसे, क्या नाम है उसका?
तुम्हें उस नामी कॉर्टूनिस्ट का नाम पता है . . .


आप किस कॉर्टूनिस्ट को जानते हैं? . . . वाल्ट डिस्ने???
हां! वाल्ट डिस्ने!!


तुम कहां चले आर्टी?
अपनी पेंसिल लाने। इस वार्तालाप को भूलने से पहले मैं उसे लिखना चाहता हूं!


चलो, हम सभी नीचे बाग में चलते हैं। वहां झाड़ियां बड़ी सुंदर लगती हैं।
तुम चलो! मुझे तैयार होना है...


मुझे हेयरड्रेसर के पास जाना है।
फिर से हेयरड्रेसर के पास? पिछले हफ्ते ही तो तुम वहां गयीं थीं!


सुनो, वो मुझ से कम हेयरड्रेसर से ज्यादा मिलती है!


देखो क्या हालत है? घर से पांच मिनट बाहर जाना भी इन्हें पाप लगता है! मुझे चौबिसों घंटे इनके चारों ओर ही मंडराना पड़ता है!


मैं क्या बकवास बक रहा हूं? बाग में तुम्हें वो ताजी हवा मिलेगी जो तुम्हें सौ हेयरड्रेसर के पास जाने से भी नहीं मिलेगी!


तुमने देखा वो कैसी है? मैं उसके साथ क्या करूं?
चलें पिताजी, बाग में बैठें।


अगर मैं उससे एक शब्द भी कहूं तो वो बात का बतंगड़ बना देती है!


वो मुझे छोड़कर जाना चाहती है! मैंने उससे कहा है, "देखो, यह रहा दरवाजा। बस एक बात याद रखना। इसमें से अगर तुम एक बार बाहर गयीं, फिर दुबारा वापिस नहीं आ सकतीं!"


आप दोनों को किसी मैरिज-कार्उंसिलर के पास जाना चाहिए।
नहीं! मैं नहीं चाहता कि कोई अजनबी हमारी निजी जिंदगी में अपनी दखल दे।


कई साल पहले मैंने एक वकील से बात की थी। उसने फौरन मुझे सलाह दी थी, "व्लाडेक, सावधान रहना। इस औरत को पैसों से बहुत प्रेम है।"


एक बार मैंने और माला ने हेलेन चाची के साथ बैठकर एक नया वसीयतनामा बनाया। परन्तु एक महीने बाद ही वो उसे बदलने की जिद करने लगी।


वसीयत को छोड़िए। संबंधों को बेहतर बनाने के बारे में बात करिए।
माला की संबंधों में कोई रुचि नहीं है। उसे सिर्फ पैसा चाहिए!


इस हाल में मैं भला क्या कह सकता हूं।
देखो? मुझे भी नहीं पता कि क्या कहूं!


मैं जल्दी में हूं। मुझे आपके और अंजा के बारे में और जानकारी चाहिए।
थोड़ी ठंड है। यह कम्बल ले लो।


नहीं। 1944 में स्रोडूला छोड़ने के बाद क्या हुआ?
हम लोग चुपके से सौस्नोविक की ओर बढ़े...
बाहर अभी भी अंधेरा था। हम कहां जाकर छिपें यह हमें समझ नहीं आया...


यहां जानिना रहती है।
वो रिचू की गवर्नेस थी। शायद हमारी मदद करे।


हम शहर में उसके घर के पास रुके...
जानिना! खोलो! जल्दी!
कौन है?


हे भगवान! स्पीगिलमैन!


तुम्हारे आने से यहां हंगामा होगा! जल्दी चले जाओ!


SLAM


व्लाडेक मुझे डर लग रहा है।


चलो, मेरे पिता के पुराने घर में चलें। वहां का चौकीदार बरसों से मेरे परिवार का मित्र रहा है।
कोशिश करेंगे लेकिन सुबह होने से पहले हमें कहीं पर छिपना ही होगा!
यहां थोड़ा सुरक्षित था। मेरे पास बिल्कुल जिस्टैपो जैसे कोट और जूते थे। परंतु अंजा देखने में बिल्कुल यहूदी लगती थी। मुझे उसके लिए डर लग रहा था।


मिस्टर लुकोविस्की उठिए! कृपा हमें अंदर आने दीजिए!!
कौन है?


अंजा! अंजा जायलबरबर्ग!


तुम यहां क्या कर रही हो बेटी? यहां सुरक्षित नहीं है! रुको - मैं दरवाजा खोलता हूं।


आंगन से होकर पीछे वाले शेड में जाना।
मैं कुछ खाने के लिए लाता हूं।
मैंने सोचा, "भगवान का शुक्र है कि अभी भी कुछ अच्छे लोग बचे हैं।"
यहूदी!!
पुलिस, जल्दी आओ! आंगन में एक यहूदी है!
कमीनी बुढ़िया ने अंजा को पहचान लिया।
जल्दी!
हम लोग शेड में दौड़ कर गए और चारे के ढेर में छिप गए।
अब ठीक है...
मुझे लगता नहीं है कि किसी ने बुढ़िया की बात को सुना।
तुम्हें छिपने के लिए कोई बेहतर जगह खोजनी होगी। यहां पर कोई-न-कोई तुम्हें पहचान ही लेगा!
देखा सुबह होने वाली है। मैं बाहर खोजबीन करके आता हूं।
सावधान रहना।
मुझे पता नहीं कि मैं किधर जाऊं।
CLIK CLIK
फिर मुझे किसी के पीछे से आने का शक हुआ।


मैं धीरे-धीरे चलने लगा।
CLIK
CLIK
पीछे वाला भी धीमे हो गया।


जब मैं तेज चला...
CLIK
तो पीछे वाला भी तेज हुआ।


हम अकेले थे। उसने कहा...
आमचा?
उसने हीब्रू में मुझसे कहा, "हमारा राष्ट्र?"

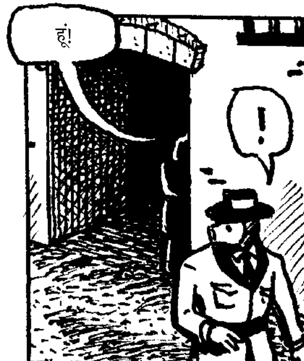

मैं उत्तर दूं या नहीं?
आमचा?
मुझे लगा तुम यहूदी हो।


मैं भी यहूदी हूं! अब बहुत कम ही यहूदी बचे हैं!


एक साल से मैं भी अपनी पत्नी के साथ यहां सौस्नोविक में छिपा हूं।


मैं भी अपनी पत्नी के साथ हूं। हम भूखे हैं और छिपने के लिए जगह तलाश रहे हैं!
डेकार्टा स्ट्रीट के ब्लैक मार्केट में 8 नंबर वाले घर में जाओ।


मैं उसे छोड़कर तुरन्त 8 नंबर वाले घर में गया। वहां एक बड़ा सा आंगन था।
?
मैंने चारों तरफ देखा पर कोई नहीं दिखा।


हूं!
!


क्या तुम कूपनों के बिना कुछ खाना खरीदना चाहोगे?
उसने मुझे सौसेज, अंडे, पनीर आदि दिखाए। मैं केवल सपने में ही इनकी कल्पना कर सकता था।


मैं उन्हें खरीदकर अंजा के पास वापिस गया।









इस बार वहां काफी लोग थे। मैंने कई यहूदी लड़कों को भी देखा जिन्हें मैं युद्ध के पहले से जानता था।









कावका का फार्म वहां से बहुत दूर नहीं था।







सुबह होने वाल है। मिसेस कावका अपनी गाय का दूध निकालने आएंगी। तब वो तुम्हारे लिए कुछ कॉफी लाएंगी।

तुम कहां जा रहे हो?

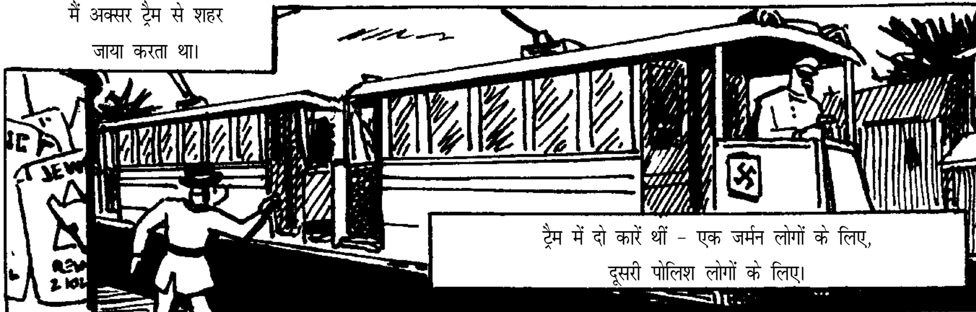
डेकार्टा।

मुझे अकेला छोड़कर मत जाओ। मुझे बहुत डर लगता है।





मैं अक्सर ट्रैम से शहर जाया करता था।



मैं सीधा जर्मन आफीसर्स वाली कार में घुसता था।





जर्मन मेरी ओर कोई ध्यान नहीं देते थे। पोलिश लोगों वाली कार में वो यहूदियों को आसानी से ढूंढ सकते थे।

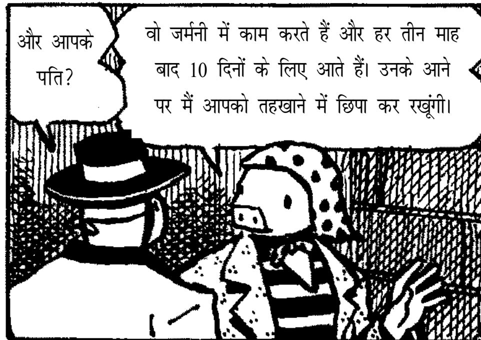
ब्लैक-मार्केट में मुझे एक अच्छी महिला दिखाई दी। उससे मेरी थोड़ी दोस्ती भी हो गई...













अगली शाम वो अपने 7 साल के पुत्र के साथ कावका के फार्म पर आयीं...



हमें यहां कुछ आराम मिला।









स्कूल में लड़का जर्मन में बहुत कमजोर था। अंजा ने उसे पढ़ाया।



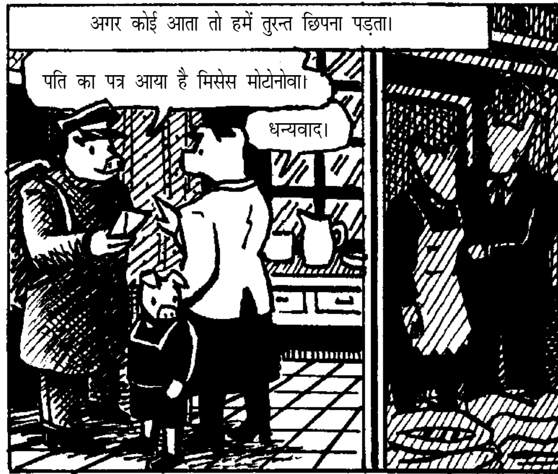




पर वहां कुछ चीजें अच्छी नहीं थीं। घर बहुत छोटा था और वो ग्राउंड फ्लोर पर था।











सब ठीक-ठाक था। एक शनिवार को मोटोनोवा
ब्लैक मार्केट से जल्दी वापिस लौटी।











मैं ठीक ही था। वो हमारा पीछा नहीं कर रहे थे।







एक जगह जमीन में बहुत गहरी नींव खुदी थी।





यहां हमने दिन होने तक कुछ ठंडे घंटे बिताए।

फिर दिन हुआ . . .





कुछ देर बाद कावका आई।







वो अंजा को घर ले गयीं और मेरे लिए कुछ खाना लायीं। उन दिनों मैं इतना ताकतवर था कि पूरी रात भर बाहर स्नो में बैठा रह सकता था।









अगले दिन मैं डेकार्टा स्ट्रीट पर खाना खरीदने गया।











पर हमारे आने के कुछ ही दिनों बाद...







हम दिन-रात जैसे एक अल्मारी में बंद रहे।



रात को हम कुछ चल-फिर भी सकते थे। परन्तु वहां बहुत सारे...







फिर मोटोनोवा ने नीचे आना ही बंद कर दिया।

तीन दिनों से वो खाना नहीं लाई है।

एक और गोली चूसो...

डेकार्टा में मैंने बहुत मिठाई की गोलियां खरीदी थी। खाने को बस वही बची थीं।

वहां नहाने की कोई जगह नहीं थी। अंजा के पूरे शरीर में फुंसियां हो गयीं।

मालूम नहीं ज्यादा भयानक क्या है - खुजली या भूख!

खुजलाओ नहीं! चुप!

KLIK

दरवाजा!

पहले न आने के लिए माफी चाहती हूं। मेरे पति को शक हो रहा है।

पूछते हैं: मैं तहखाने में बार-बार क्यों जाती हूं? क्या मैंने यहूदियों को छिपा रखा है। वो मजाक कर रहे थे, फिर भी...

क्या आप यहां ठीक-ठाक हैं?

यहां बड़े, मोटे-तगड़े चूहे हैं!

ये चूहे फिर भी जिस्टैपो से तो बेहतर हैं। कम-से-कम चूहे आपको जान से तो नहीं मारेंगे!

हां!

वो ठीक कह रही थी। हम इस हालात में भी खुश थे।

दस दिनों बाद उसका पति चला गया। हम फिर से घर में गए।

व्लाडेक! घर में कितना अच्छा है!

उस तहखाने से तो कहीं अच्छा है।

यहां पर भी हम सुरक्षित नहीं थे। हमें कोई आसानी से ढूंढ सकता था। इसीलिए मैं हंगरी जाना चाहता था।

इसलिए गुरुवार वाले दिन मैं ट्रैम में बैठकर कावका के घर जाने के लिए सौस्नोविक की ओर चला।





वे चिल्लाते हुए घर की ओर दौड़े।



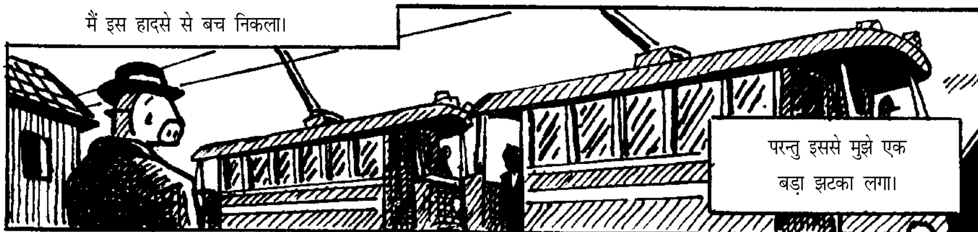


मैं उनके पास गया...









जब मैं कावका के घर पहुंचा, तो दोनों स्मगलर किचिन में बैठे हुए थे।





अंजा और मैं वहां से पेस्ट्री खरीदते थे।
वो सौस्नोविक में काफी रईस थे।



जब मैं बस्ती में था तब एब्राहैम
यहूदी सभा में ऊंची पदवी पर था।



स्मगलरों ने हमें अपनी पूरी स्कीम बताई।



हमने यिडिश में बात की जिससे स्मगलर हमारी बातें न समझें।







मैंने मैनडिलबौम से दुबारा मीटिंग तय की।
अगर कुशलता का पत्र आया तो हम भी जाएंगे।

पर जब भी मैं इस योजना के बारे में माला को बताता . . .

















मिलोच ने मेरी स्रोडूला में मदद की थी। अब शायद मैं उसकी कुछ सहायता कर पाऊं।


मिलोच के घर की नौकरानी ने उसे और उसके परिवार को छिपा कर रखा था। पर मिलोच बहुत दयनीय हालत में था।
मैं उसके घर तक ट्रैम में गया।
मैं मिलोच का चचेरा भाई व्लाडेक हूं।
मुझे आपके आने का पता है।
ऊपर कुछ लोग हैं उनके जाने के बाद ही मैं आपको मिलोच से मिलवा सकूंगी।
मित्रों यह मेरा चचेरा भाई व्लाडेक है।
आईए, कुछ पीजिए।
हमने बातचीत की। उन्होंने मुझे सचमुच उसका चचेरा भाई समझा।
वोडका खत्म हो गई है। मेनका थोड़ा और लाना।
अब नहीं है।
वो वोडका छिपा रही है।
जैसे उसने आंगन में यहूदियों को छिपाया हो।
नौकरानी और मैं एकदम सहम गए।
अगर तुमने हमें फौरन वोडका की बोतल नहीं दी तो हम जिस्टैपो को उन यहूदियों के बारे में बता देंगे जिन्हें तुम ने छिपा रखा है!!
आराम फरमाइए!
मेनका, कुछ मार्क लो और झट से जाकर अपने मित्रों के लिए एक और बोतल ले आओ।
वाह!
15 मिनट में वो बोतल लाई और इससे वो खुश हुए।
देखो, तुम्हारे चचेरे भाई को मेहमानदारी आती है!
हम आधी रात तक पीते रहे। अंत में वे घर गए।



जिन हालात में मिलोच रह रहा था उनपर यकीन करना मुश्किल था।



हरेक गड्ढे में 5 फीट चौड़ा और 6 फीट लम्बा अलग से स्थान था।











मैं भाग्यशाली था क्योंकि घर वापिस जाते हुए किसी ने भी कोई सवाल नहीं पूछा।

कुछ दिनों बाद मैं दुबारा स्मगलरों से मिलने आया। मैनडिलबौम भी वहां था।



पत्र यिडिश में लिखा था और उस पर एब्राहैम के ही हस्ताक्षर थे। इसलिए हमने तत्काल हंगरी जाना पक्का किया।

पर अंजा का जाने का बिल्कुल दिल न था...









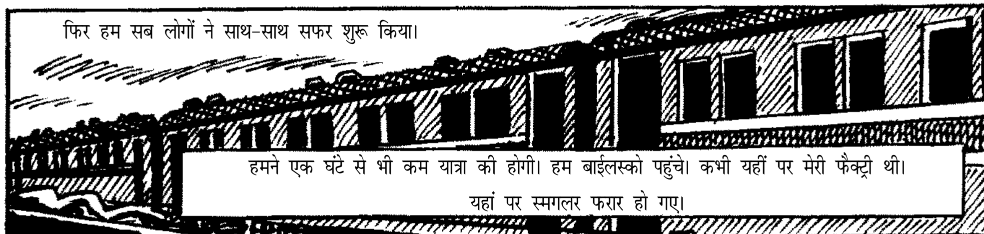


परंतु अंजा और मेरे नसीब में कुछ और ही लिखा था।




क्या आपके पास बकाया पेमेंट के पैसे हैं?
हां, बिल्कुल।
यह रहे।


तुम्हारा साथी कहां जा रहा है?
वो मेरे उन साथियों को फोन करने जा रहा है जो आपको ट्रेन के बार्डर पर मिलेंगे। आप बिल्कुल फिक्र न करें!
पर सच में हमें काफी डर लग रहा था...


फिर हम सब लोगों ने साथ-साथ सफर शुरू किया।
हमने एक घंटे से भी कम यात्रा की होगी। हम बाईलस्को पहुंचे। कभी यहीं पर मेरी फैक्ट्री थी। यहां पर स्मगलर फरार हो गए।


एक बड़ा हंगामा हुआ और जिस्टैपो ने हमें चारों ओर से घेर लिया।
JUDEN RAUS!
देखो वो रहे!
स्मगलरों ने कैटोविक में जिस्टैपो को ही फोन किया था।


वो हमें लैफ्ट-राइट कराते बाईलस्को शहर में ले गए। हम उस फैक्ट्री के सामने से गुजरे जो कभी मेरी होती थी।
हम उस बाजार से गुजरे जहां मैं हमेशा खाना खरीदता था। हम उस सड़क से गुजरे जहां हम पहले रहते थे। फिर उन्होंने हमें जेल में डाल दिया।

यात्रा के दौरान मेरे पास एक छोटा थैला था। रजिस्ट्रेशन के समय उन्होंने उसकी अच्छी तरह तलाशी ली।



एक चम्मच से उसने थोड़ी-थोड़ी करके पूरी पॉलिश निकाली।









वहां हमें खाने को बहुत कम - दिन में सिर्फ एक बार सूप मिलता था। दिन भर बिना किसी काम के हम खाली बैठे रहते थे।



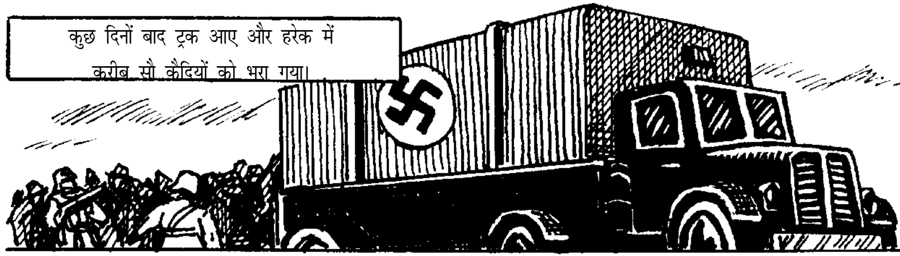




कुछ समय बाद उसे खाने का दूसरा पार्सल मिला . . .



उसमें अंडे थे और चॉकलेट भी थीं। यह सब पाकर मैं बहुत खुश हुआ!







हमें पता था कि वहां से जिंदा वापिस निकलना बहुत मुश्किल काम था।

हमने सुना था कि वो हमें जहरीली गैस सुंघा कर भट्टी में फेंक देंगे। यह 1944 की बात है। और अब हम वहां मौजूद थे।


हे भगवान!
हां, ऐसा ही था।


ट्रक को खोलने के बाद उन्होंने आदमियों को एक तरफ और औरतों को दूसरी ओर ढकेला . .


अंजा और मैं अलग-अलग दिशाओं में गए। हमें नहीं पता था कि हम अब एक-दूसरे को कभी जिंदा देखेंगे।


यहां पर मां की डायरियां बहुत फायदेमंद होंगी। उन पर अकेले में क्या गुजरी होगी, इसका मुझे उनकी डायरियों से कुछ पता चलेगा।
अंजा की हालत भी मेरे जैसे ही बहुत खराब थी!


अब ठंड हो रही है। हम ऊपर चलें और वहां पर मां की डायरियों को ढूंढने की कोशिश करें . . .
नहीं, मैंने उन्हें खोजा है।


. . . वो अब कभी नहीं मिलेंगी!
तो फिर गैरिज में जाकर देखें। आपने कहा था कि वहां बहुत सा कबाड़ पड़ा है।


नहीं वो डायरियां तुम्हें नहीं मिलेंगी। क्योंकि मुझे अब याद आ रहा है . . .


एक दिन अपनी गहरी उदासी में मैंने तुम्हारी मां की डायरियों को और उसकी अन्य वस्तुओं को जला डाला था।
क्या?


अंजा की मौत के बाद मुझे सब चीजों को दुबारा से सजाना पड़ा। अंजा के कागजों में बहुत सी यादें छिपी थीं। इसलिए मैंने उन्हें जला दिया।
आपने जला दिया?


आपका घर में यहां-वहां का तमाम कचरा इकट्ठा करते हैं।
यह शर्म की बात है! सालों तक अंजा के कागज वहां पड़े रहे और किसी ने उन्हें देखा तक नहीं।


क्या आपने उनमें से कुछ कागज पढ़े? क्या आपको कुछ याद है?
नहीं, मैंने उन्हें देखा जरूर पर मुझे कुछ याद नहीं। मुझे बस यह याद है, उसमें लिखा था "जब मेरा बेटा बड़ा होगा तो उसकी इनमें रुचि होगी।"


भगवान आपको सजा दे! आप कातिल हैं! आपने ऐसा जुर्म कैसे किया!!
हां!

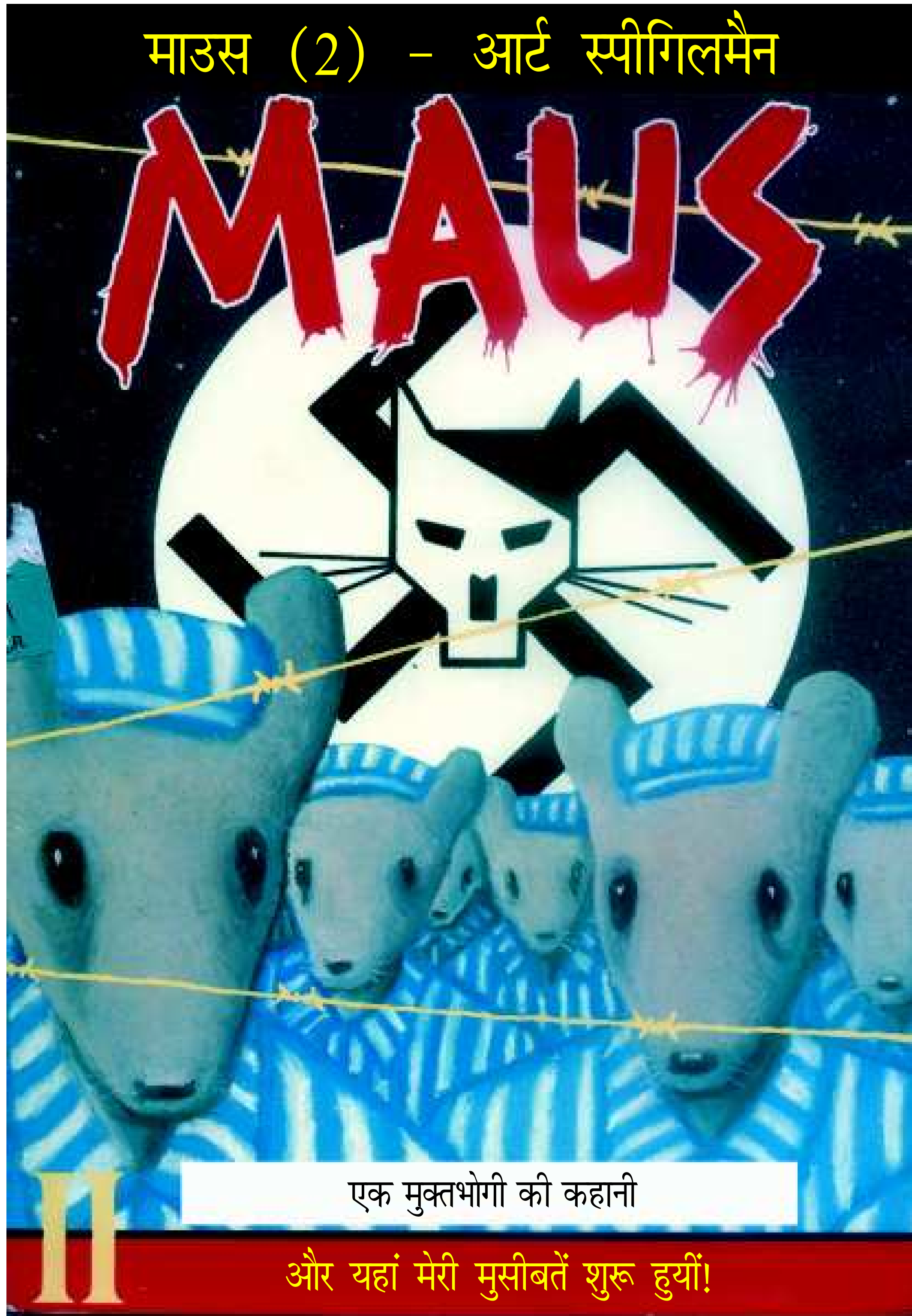

तुम अपने पिता पर इस तरह बरस रहे हो? अपने दुश्मन पर भी तुम्हें ऐसे नहीं चिल्लाना चाहिए!


तुम्हारी मां की मृत्यु के बाद मैं बहुत उदास था और अपना पूरा होश खो बैठा था। मैं जा रहा हूं या आ रहा हूं मुझे यह तक नहीं पता था!
मैं माफी चाहता हूं। अब देर हो रही है और अब मैं चलूंगा।


पहले ऊपर चल कर कुछ कॉफी पी लो।
नहीं मैं अभी निकल रहा हूं ...


अच्छा मुझे टेलीफोन करना। तुम्हें यहां बार-बार आना चाहिए। इस तरह अजनबी मत बनो!
हां, मैं जल्दी ही आऊंगा।


...कातिल।


माउस (2) - आर्ट स्पीगिलमैन
MAUS
एक मुक्तभोगी की कहानी
II
और यहां मेरी मुसीबतें शुरू हुयीं!



माउस एक ऐसी पुस्तक है जिसे सोते समय भी बंद करके रखना असंभव है। दो चूहों की प्रेम वार्ता आपको अच्छी लगेगी परन्तु उनकी पीड़ा आंखों में आंसू भी लायेगी। धीरे-धीरे करके एक पूर्व योरोपीय परिवार की भाषा, उनका दुख-दर्द और हास्य, उनकी रोजमर्रा की जिंदगी आपको एक अलग ही दुनिया में ले जायेगी। माउस समाप्त करने पर आप उस जादुई दुनिया से अलग होने पर दुखी भी होंगे।

आर्ट स्पीगिलमैन रॉ नामक मशहूर अग्रसर कॉमिक पत्रिका के संस्थापक/संपादक हैं। उनका काम *न्यूयार्क टाइम्स, प्लेबॉय, विलेज वौयसिस* और अन्य पत्रिकाओं में छपा है और उनके चित्र *म्यूजियम ऑफ माडर्न आर्ट* (मोमा) के अलावा देश-विदेश की तमाम गैलिरियों में प्रदर्शित हुए हैं। माउस को मिले पुरुस्कारों में एक विशेष पुलिटजर प्राइज और गुगिनहाइम फेलोशिप शामिल है। आर्ट न्यूयार्क सिटी में अपनी पत्नी फ्रैन्कोइस माउली और दो बच्चों - नादजा और डैशिल के साथ रहते हैं।

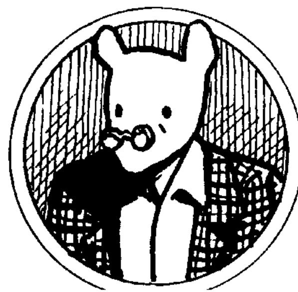
रिचू के लिए
और नैडजा के लिए





आर्ट स्पीगिलमैन एक कार्टूनिस्ट हैं जिनका जन्म द्वितीय महायुद्ध के बाद हुआ। युद्ध के समय उनके यहूदी माता-पिता को क्या हुआ वो इस पर एक किताब लिख रहे हैं। पुस्तक लिखने के लिए वो न्यूयार्क स्थित रीगो पार्क वाले अपने बचपन के मकान में जाकर अपने पिता की यादों को संजोते हैं।

आर्ट की मां अंजा ने 1968 में आत्महत्या की। जब आर्ट को पता चला कि उनके पिता व्लाडेक ने मां अंजा की युद्ध डायरियों को जला डाला है तो उन्हें बहुत गुस्सा आया। पिता व्लाडेक ने माला से दुबारा शादी की। माला भी युद्ध से जिंदा बची है। व्लाडेक बेहद कंजूस हैं और माला की परवाह नहीं करते हैं। माला बार-बार व्लाडेक की शिकायत करती है। व्लाडेक को मधुमेह है और उन्हें दो बार दिल का दौरा पड़ चुका है। उनकी सेहत काफी नाजुक है।

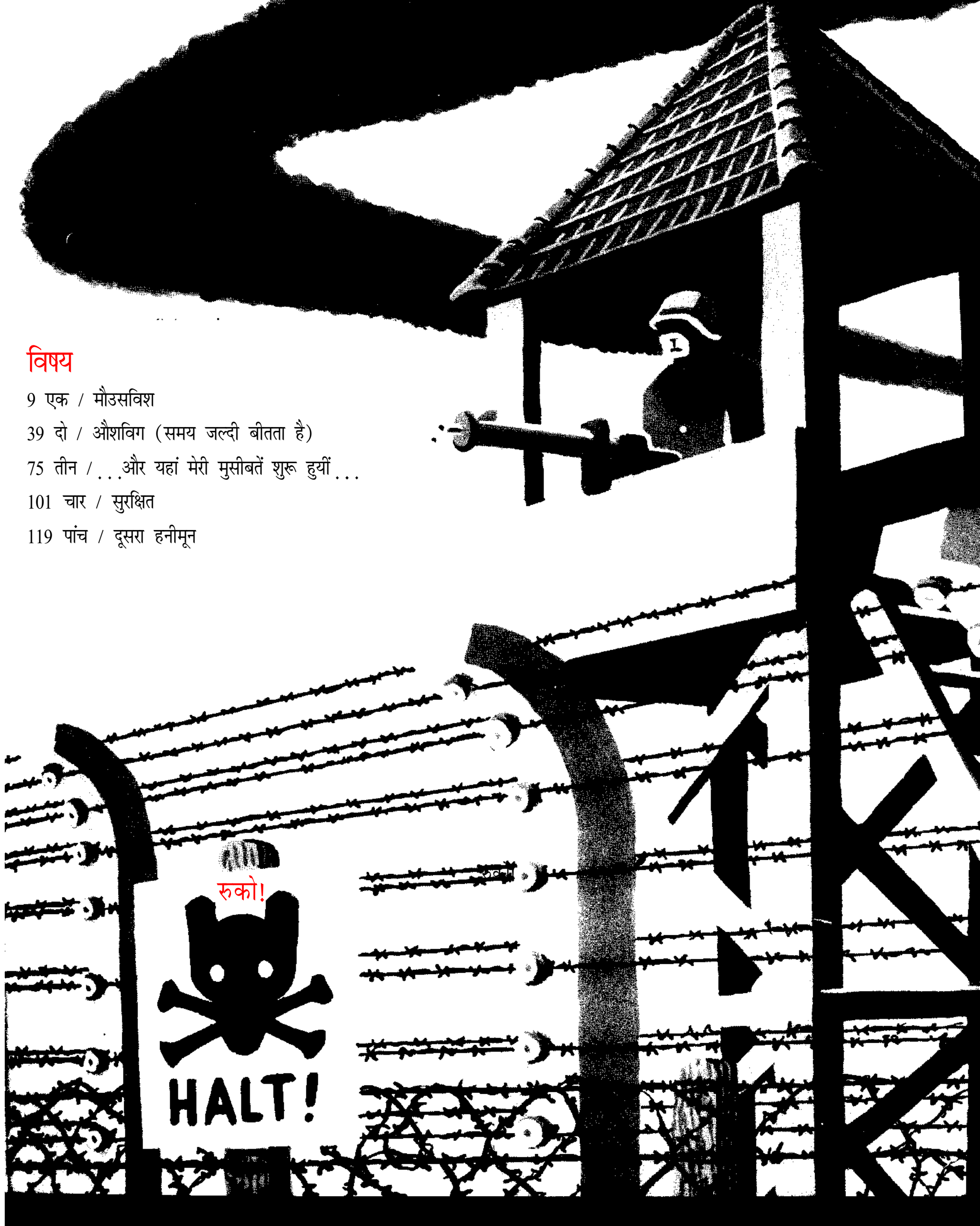




युद्ध से पहले व्लाडेक पोलेन्ड में एक कपड़े के व्यापारी थे। 1937 में उन्होंने अंजा जायलबरबर्ग से शादी की। अंजा सोस्नोविक के एक धनी परिवार की सबसे छोटी बेटी थीं। उनके एक बेटे रिचू का युद्ध के दौरान ही देहान्त हो गया।
अंजा और व्लाडेक पहले घेटो (तंग बस्तियों) में रहे और फिर अपने मित्र मेंडिलबॉम के साथ हंगरी जाने को मजबूर हुए। मेंडिलबॉम के बेटे एब्राहैम ने उनके पलायन रास्ते को सही करार दिया। पर बाद में अंजा और व्लाडेक पकड़े गये और फिर उन्हें 1944 में औशविग लाया गया।

और यहां मेरी मुसीबतें शुरू हुयीं

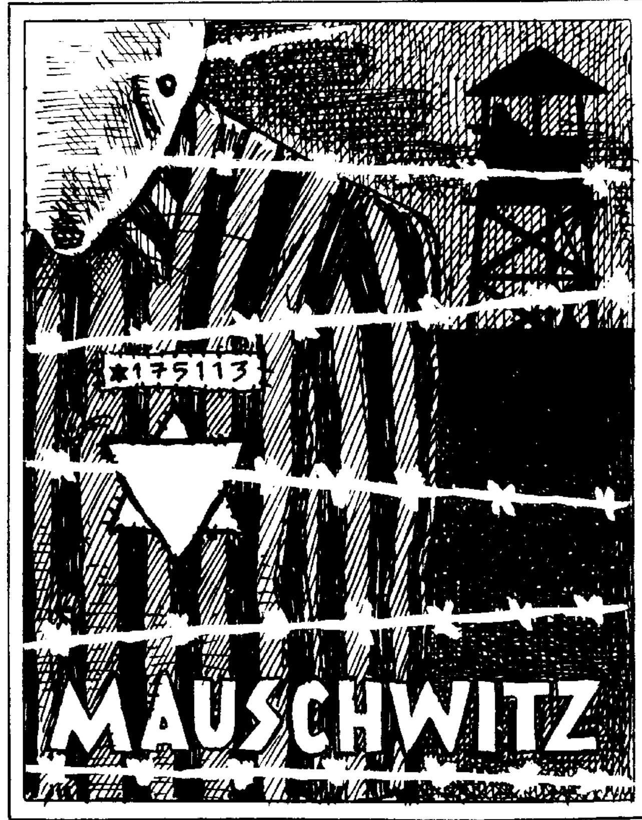
(मौउसविश से लेकर कैटस्किल्स से भी दूर)



विषय

अध्याय एक

मौउसविश





क्या मैं मॉडल बनूं?

पुस्तक में तुम्हें कौन सा जानवर बनाऊं इस बारे में सोच रहा हूं?

चूहा, और क्या!

परन्तु तुम तो फ्रेंच हो!

तो, खरगोश कैसा रहेगा?

वो बहुत शांत और भीरू होगा।

हां।

मेरा मतलब सामान्य फ्रेंच लोगों से है। हमें सदियों के गैर-यहूदी मुहिम को नहीं भूलना चाहिए।

हम जरा उन लोगों के बारे में सोचें जिन्होंने नात्सियों का साथ दिया था!

परन्तु अगर किताब में तुम चूहा बने हो तो मैं भी चूहा बनूंगी। मैंने अपना धर्म बदला था, न?


समझ में आया! पहले चित्र में पिताजी वर्जिश वाली साइकिल चला रहे होंगे।


मैं उन्हें बताऊंगा कि मैंने अभी एक मेंढकी से शादी की है ...


चित्र दो: इससे उन्हें झटका लगेगा और वो साइकिल पर से गिर जाएंगे।


हम दोनों किसी यहूदी पादरी के पास जाएंगे। वो दो-चार जादुई शब्द कहेंगे और मामला खत्म हो जाएगा!


और फिर पेज के अंत में मेंढकी एक सुंदर चुहिया में बदल जाएगी!
हां!


व्लाडिक को खुश करने के लिए ही मैंने अपना धर्म बदला।
परन्तु उन्हें कोई भी बात खुश नहीं कर सकती।


देखो, तुम्हें उस लड़की से शादी करनी चाहिए थी। क्या नाम है उसका? जब हम पहली बार मिले तब तुम उसके चक्कर में थे?
सैन्ड्रा?


तब तुम बिना समस्या के चूहे बना सकते थे।
न्यूयार्क की मध्यम वर्गीय, यहूदी लड़कियों के बारे में अपनी धारणाएं बदलने के लिए ही मैं उसके चक्कर काट रहा था।


इश्क तो दूर उन्हें देखकर मुझे बस अपने रिश्तेदारों की याद आती थी। इसलिए ..
आर्ट!
फ्रैन्कोइस!


जल्दी आओ! तुम्हारे पिता का फोन आया है! उन्हें अभी-अभी दिल का दौरा पड़ा है!
क्या?
अरे नहीं!


उन्होंने अपना फोन नंबर दिया है।
हम उन्हें पिछले हफ्ते ही मिले थे। हम कैटस्किल्स स्थित उनके बंगले में उनसे मिले थे। तब वो ठीक-ठाक थे।


हलो, पिताजी... आप कैसे हैं? आप अस्पताल में क्यों नहीं हैं?
HUH?


परन्तु? क्यों नहीं? फिर आपने क्यों? अच्छा वो गई?


पर कब?? क्या??? आपकी आवाज सुनाई नहीं दे रही। जोर से बोलिए। रोईए नहीं।


अच्छा, हम आज रात आने की कोशिश करेंगे। ठीक है, तब बात करेंगे...

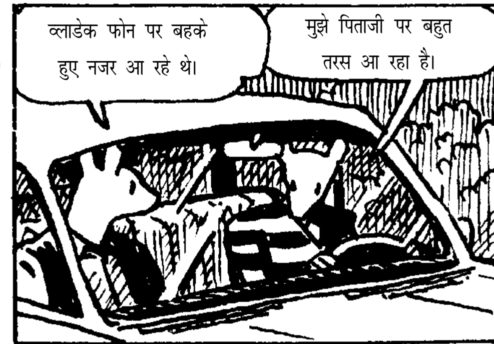

आप आराम कीजिए। सब ठीक हो जायेगा? मुझे भी आपकी बहुत याद आती है। हम जल्दी ही मिलेंगे।


हूं।
क्या हुआ? कुछ बताओ तो??
तुम्हारे पिता सकुशल तो हैं?


उन्हें कोई दिल का दौरा नहीं पड़ा...वो सिर्फ चाहते थे कि मैं उन्हें वापिस फोन करूं!
तुम मजाक कर रहे हो! वो ऐसा भला कैसे कर सकते हैं!


माला उन्हें छोड़कर चली गई। वो उनके बैंक से पैसे भी निकाल कर ले गई। वो चाहते हैं कि हम लोग कुछ समय तक उनके बंगले में उनके साथ रहें।
हमें जाना ही होगा।
ऐसा ही लगता है।


अरे तुम अभी तो आए और अभी . .
हम फिर आएंगे।
हम ज्यादा सामान नहीं ले जा रहे। जल्दी वापिस आने का यह अच्छा बहाना होगा।


व्लाडेक फोन पर बहके हुए नजर आ रहे थे।
मुझे पिताजी पर बहुत तरस आ रहा है।


मुझे भी। परन्तु उनके साथ कुछ समय रहने के बाद मैं पागल हो जाता हूं!
हूं!

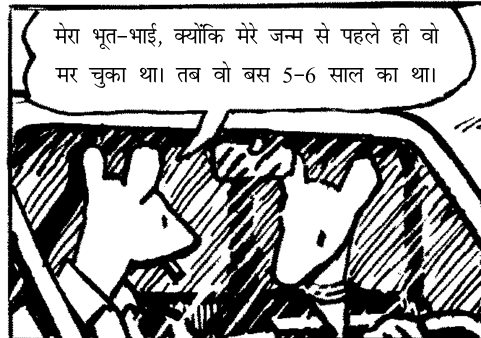
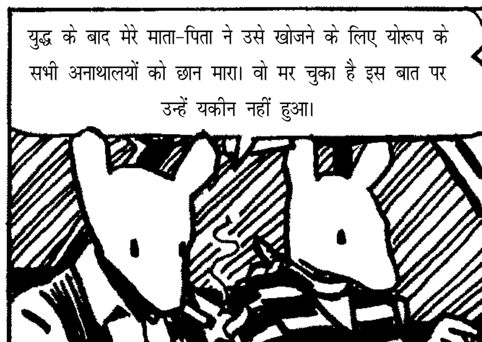

आह!


फिर उदास?
मैं अपनी पुस्तक के बारे में सोच रहा था . . . मैं ऐसी ही अटकलें और अनुमान लगा रहा था।


देखो, मैं पिताजी और अपने बीच के संबंधों को ही नहीं समझ पा रहा, फिर मुझे औशविग कैसे समझ में आएगा? 'होलोकास्ट' कैसे समझ आएगा?


मौका मिलने पर मैं मां या पिता किसे नात्सियों की भट्टी में जाने से रोकूंगा मैं इस प्रश्न पर बचपन में सोचा करता था।


अक्सर मैं मां को ही बचाता था। क्या आमतौर पर ऐसा ही होता है?
कोई सामान्य नहीं होता।


अगर रिचू आज जिंदा होता तो क्या हम दोनों के बीच में बनती।
तुम्हारा भाई?

मेरा भूत-भाई, क्योंकि मेरे जन्म से पहले ही वो मर चुका था। तब वो बस 5-6 साल का था।

युद्ध के बाद मेरे माता-पिता ने उसे खोजने के लिए योरूप के सभी अनाथालयों को छान मारा। वो मर चुका है इस बात पर उन्हें यकीन नहीं हुआ।

जब मैं बड़ा हो रहा था तब मैंने उसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। वो मेरे लिए बस एक चित्र था जो माता-पिता के कमरे में लटका रहता था।

मुझे वो तुम्हारा चित्र लगा था। वैसे उसकी शक्ल भिन्न थी।
अपने कमरे में उन्हें मेरे चित्र की कोई जरूरत नहीं थी। मैं जिंदा था!

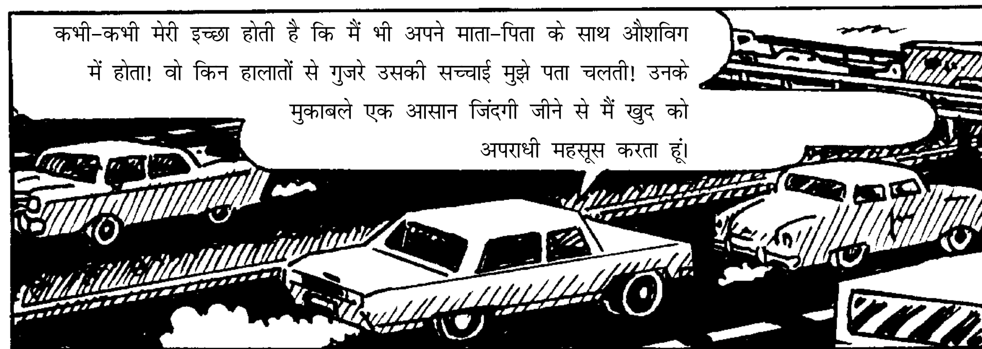
चित्र कोई गल्ती या शैतानी नहीं करता है। रिचू एक आदर्श बालक था और मैं एकदम शरारती। उसके-मेरे बीच कोई मुकाबला नहीं था।

वो रिचू के बारे में कोई बातचीत नहीं करते थे। उसका फोटो ही तिरस्कार का जरिया था। वो शायद डाक्टर बनता और किसी धनी यहूदी लड़की से शादी करता... साला।

पर कम-से-कम वो व्लाडेक को तो झेलता। कितनी अजीब बात है एक फोटो से दुश्मनी होना!


मुझे रिचू को लेकर कभी अपराध बोध नहीं हुआ। परन्तु नात्सी कक्षा में आकर सभी यहूदी बच्चों को उठा ले जाएंगे, ऐसे बुरे सपने मुझे अवश्य आते थे।


मुझे गलत मत समझना। यह बात मुझ पर पूरी तरह हावी नहीं थी। पर कभी-कभी मेरी कल्पना ऊंची उड़ान भरती थी।


कभी-कभी मेरी इच्छा होती है कि मैं भी अपने माता-पिता के साथ औशविग में होता! वो किन हालातों से गुजरे उसकी सच्चाई मुझे पता चलती! उनके मुकाबले एक आसान जिंदगी जीने से मैं खुद को अपराधी महसूस करता हूं।


अपने सबसे खराब सपने से भी बदतर वास्तविकता को लिख पाने में मैं खुद को असमर्थ पाता हूं।


और वो भी एक कॉमिक कार्टून के रूप में! लगता है मैंने एक असंभव बीड़ा उठाया है। इस पूरी चीज के बारे में शायद भूल जाना ही बेहतर होगा।


बहुत कुछ ऐसा है जिसे मैं समझकर भी चित्रित नहीं कर पाऊंगा। मेरा मतलब है कि वास्तविकता कॉमिक्स से कहीं अधिक जटिल होती है। बहुत कुछ तोड़ना और छोड़ना पड़ेगा।
बस सच्चाई बयान करो।


तुम मेरा मतलब समझीं . . .
असली जिंदगी में तुमने बिना टोके कभी भी मुझे इतनी देर बोलने नहीं दिया होता।
हां, अच्छा एक सिगरेट जलाओ।

फिर हम कैटस्किल्स पहुंचे...


















इतनी धूप खिली है और तुम लोग अभी भी सो रहे हो?!
क्या समय है?


आठ बज चुके हैं और मैं आधा घंटा कसरत भी कर चुका हूं। मैं बचपन से रोज कसरत करता हूं ...
हूं?


शुरू में पड़ोसियों ने भी मेरे साथ कसरत करना शुरू की। परन्तु बाद में छोड़ दी। अब वो मुझे देखते भर हैं!
क्या कुछ कॉफी है?


माला ने इंस्टेंट कॉफी रखी है। कल हम साथ-साथ कसरत करेंगे।
क्या? सिगरेट खरीदने जाने के लिए चलना ही मेरे लिए कसरत है। यहां, इंस्टेंट कॉफी से ही काम चला लूंगा।


तुम अब जल्दी से तैयार हो जाओ। मुझे बैंक और टैक्स के कागजात तैयार करने में तुम्हारी मदद चाहिए होगी। माला उन्हें खराब हाल में छोड़कर गई है!
?


देखो यह रही, यह कॉफी कैफीन से मुक्त है।
क्या आपने मेरी पतलून देखी है?


मैंने तुम्हारी सब चीजों को संभाल कर उस अल्मारी में रख दिया है।
उनको कचरे में न फेंकने के लिए आपका शुक्रिया।


उठो प्रिय, तुम्हारे लिए बुरी खबर है - यहां पर केवल कैफीन मुक्त कॉफी ही है!
मैं साथ में कॉफी और उसका बर्तन लाई हूं। मेरे झोले में देखो।
अरे!


अब क्या?
मैं तुम्हारे लिए नाश्ता बना रहा हूं। जरा देखो इस नमक को। माला ने न जाने क्या किया...


देखो यहां नमक का आधा डिब्बा बाकी है और माला ने दूसरा खोल लिया!


मुझे सोडियम खाना बिल्कुल मना है। मुझे तो नमक के एक डिब्बे की भी जरूरत नहीं है और यहां पूरे दो खुले पड़े हैं!


तो हुआ क्या? माला क्यों गई?
उसे वो सारा पैसा चाहिए था जिसे मैंने सारी जिंदगी कड़ी मेहनत करके कमाया था।


उस दिन रीगो पार्क में मुझे डाक्टर के पास जाना था और उसके बाद हम बांडों में निवेश करने के लिए बैंक गए।


मैं कुछ निवेश माला के नाम, कुछ इजराइल में अपने भाई और कुछ तुम्हारे नाम करना चाहता था...


परन्तु माला नहीं चाहती थी कि मैं तुम्हारे या पिनिक के नाम में कुछ निवेश करूं। वो मुझ पर पागलों की तरह चिल्लाई!


वो मुझे बैंक में ही छोड़कर खुद कार में चली गई। और जब मैं घर पैदल पहुंचा तब तक वो फरार हो चुकी थी।


वकील ने मुझे कुछ कड़े कदम लेने की सलाह दी है। वो सारे जेवर, कार और हमारे संयुक्त खाते में से सारा पैसा लेकर फरार है। मैं उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सकता हूं।
छोड़िए...


अब माला कहां है?
वो कार में फ्लोरिडा गई। हम वहां एक घर खरीद रहे हैं। वो उसे बेचकर उसका पैसा भी डकारना चाहती है।


परन्तु वो ऐसा नहीं कर पायेगी। उसे मेरे हस्ताक्षर चाहिए होंगे। आर्टी तुम यह क्या कर रहे हो?!!
मैंने बस एक सिगरेट जलाई है...


तुम सिगरेट छोड़ो: तुम्हारे लिए यह जहर है और मुझे इसके धुंए में सांस लेने में तकलीफ होती है। तुम मुझसे दूर ही रहो।


हां मेरी लकड़ी वाली माचिस की तीली से सिगरेट मत जलाओ। तीलियां बहुत कम बची हैं - एक तो तुमने अभी कॉफी के लिए इस्तेमाल की।


मैं सिर्फ गैस जलाने के लिए ही माचिस की तीलियां उपयोग करता हूं। पाईन्स होटल से मुझे कागज की माचिसें मुफ्त में मिल जाती हैं।


मैं आपके लिए लकड़ी की माचिस का एक पूरा पैकिट खरीद दूंगा!
जरूरत नहीं है। घर पर हमारी गैस आटोमैटिक है और मैं यहां 15 दिन ही और रहूंगा।


और अभी 50 तीलियां बची हैं। मैं भला कितनी तीलियां इस्तेमाल करूंगा?...
कितने कंजूस! मुझसे अब नहीं सहा जाएगा, मैं बाहर जा रहा हूं!


आर्टी अपनी मां की तरह ही जल्दी घबरा जाता है।
गलत!
हूं।


तुम आर्टी होगे। मैं मिसेस कार्प हूं तुम्हारी पड़ोसी।
हां, पिताजी बता रहे थे कि माला के जाने के बाद आपने उनकी अच्छी देखभाल की।


उन्होंने यह कहा? हां, एडगर कुछ दिनों पहले उन्हें अपनी कार में वापिस लाए थे। उनकी कार अब माला के पास है। चलो, घर चलो।
नहीं।


देखो एडी, व्लाडेक का लड़का आर्टी आया है!
अच्छा तो तुम पिताजी को अपने साथ रहने के लिए लेने आए हो?


क्या? नहीं हम कुछ दिनों के लिए उनकी थोड़ी मदद कर रहे हैं। वो यहां मई तक रहेंगे।
क्या? अकेले? वो अपना काम कैसे करेंगे?


वो अकेले रह पाएंगे। अगर आप कभी उन्हें कार में शहर ले जाएं और उनका हाल-चाल पूछते रहें तो अच्छा होगा।
शायद कभी-कभी। परन्तु वो बूढ़े और बीमार हैं और उन्हें अकेले नहीं रहना चाहिए...


और गर्मियों के बाद? क्या फिर वो तुम्हारे साथ रहेंगे?
नहीं! मुझे नहीं पता कि वो क्या करेंगे। शायद उन्हें मदद के लिए किसी नर्स की जरूरत पड़े।


नर्स की मंहगी फीस होगी। उसे तुम्हारे पिता आसानी से खर्च नहीं करने वाले?
बेचारी माला। एक बार मैं उसके साथ सुपरबाजार गई।


उसे बिल में से बालों की कंघी को कटवाना पड़ा क्योंकि व्लाडेक ने व्यक्तिगत चीजों की कीमत अदा करने से मना कर दिया। कोई दम्पत्ति भला ऐसे कैसे रह सकता है?
आर्ट, तुम कहां गायब हो गए?


मेरी पत्नी मुझे बुला रही है. .
तुम्हारी पत्नी, क्या वो यहूदी है?


(चुप, एडगर!) उसे शर्बत के लिए अंदर बुलाओ।
कभी और, अभी मैं चलता हूं. . .


अच्छा।
तो तुम वहां थे!. . .


तुम कहां थे?
व्लाडेक के मित्र - कार्पस मुझे बस पकड़ कर ले गए। वो भी व्लाडेक को नहीं झेल पाते।


व्लाडेक के पास रहने से दिल घुटने लगता है। तुम जिस चीज को छुओ वो उसे साफ करते हैं। वो इतने व्याकुल रहते हैं।
उन्होंने कभी आराम करना नहीं सीखा।


शायद औशविग ने उन्हें ऐसा बनाया।
शायद। परन्तु यहां बहुत से लोगों ने औशविग को झेला है। उनमें भी कई कमियां हैं पर वो व्लाडेक से बहुत अलग किस्म के हैं।


व्लाडेक की माचिस तो बिल्कुल पागल बना देने वाली है।


क्योंकि घर किराये में गैस मुफ्त है इसलिए व्लाडेक माचिस बचाने के लिए पूरे दिन गैस को जला छोड़ते हैं।


यह मजाक नहीं, बहुत ही दयनीय हालत है।


अच्छा तो तुम दोनों मजा कर रहे हो। अब चलो और बैंक के कागजात तैयार करने में मेरी मदद करो।

कुछ तनाव भरे घंटों के बाद...





















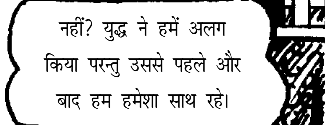




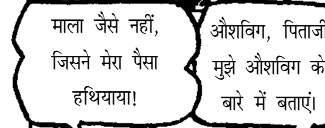
जब हम औशविग पहुंचे तो उन्होंने मर्दों को अलग और औरतों को अलग भेजा।



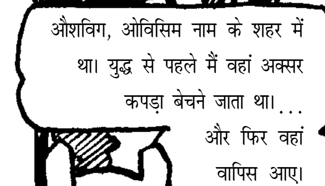

एक बात साफ समझो - मैं और अंजा कभी अलग नहीं हुए।
नहीं??


नहीं? युद्ध ने हमें अलग किया परन्तु उससे पहले और बाद हम हमेशा साथ रहे।




माला जैसे नहीं, जिसने मेरा पैसा हथियाया!
औशविग, पिताजी मुझे औशविग के बारे में बताएं।




औशविग, ओविसिम नाम के शहर में था। युद्ध से पहले मैं वहां अक्सर कपड़ा बेचने जाता था।...
और फिर वहां वापिस आए।




हम एक बड़े हाल में गए जहां वो हम पर चिल्लाए।
कपड़े उतारो! कीमती सामान यहीं छोड़ो!
उस समय मैं अपने मित्र मैंडिलबौम के साथ था।

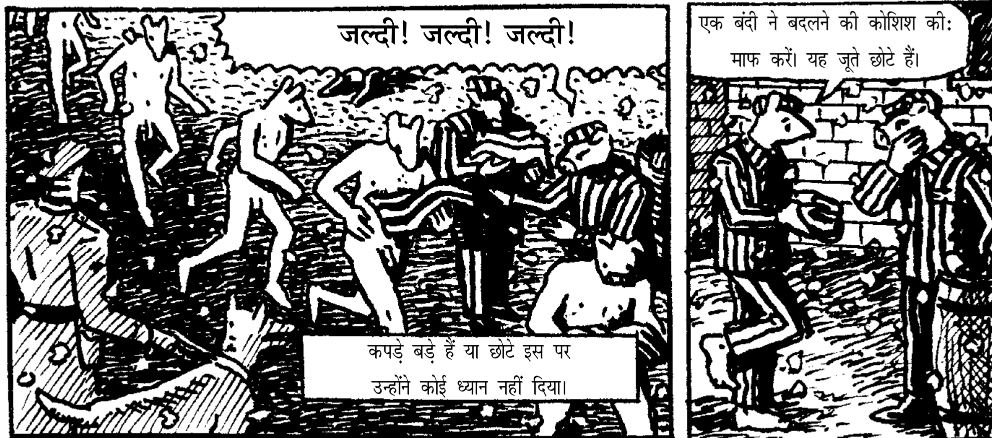

उन्होंने हमारे सारे कागजात, कपड़े और बाल तक छीन लिए।
(अब हमारा क्या होगा?)
(फिक्र मत करो..)
हमें ठंड लग रही है और डर भी।


(अगर उन्होंने तुम्हें यहां बुलाया है तो वो तुम्हें काम पर लगाएंगे। वो अभी तुम्हें मारेंगे नहीं।)
(हमारी पत्नियों और .. का क्या होगा?
यहूदियों! चुप रहो! नहाने के कमरे में चलो! जल्दी!

हमें हर जगह धावकों की तरह रेस में दौड़ना होता। उन्होंने हमें स्नानगृह की ओर दौड़ाया . . .



बाहर स्नो में हमारी ओर कैदियों के कपड़े फेंके गए।





हमारे चारों बहुत गंदी बदबू थी। उसका वर्णन करना मुश्किल है।
मीठी ... रबड़ और चर्बी के जलने जैसी गंध।















हम जैसे नए बंदियों को एक कमरे में रखा गया। पुराने बंदी बार-बार हमसे कहते:



मैं ठिठुर रहा था और रो रहा था।

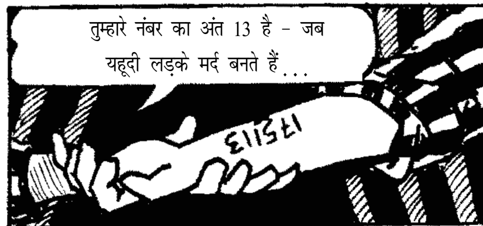


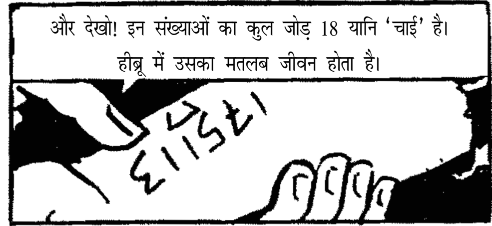
पर दूसरे कमरे में से कोई मेरे पास आया।





























पर भगवान भी यह पाने में असमर्थ थे। हम सब लोग अकेले थे।





हमारे बैरक का सुपरवाईजर यानि कापो हमेशा चीखता-चिल्लाता, मारता रहता।







एक दिन ब्लाक सुपरवाईजर हम पर चीखने लगा:





उन्हें कुछ समय अगल रख कर फिर वापिस भेज दिया गया।



कुल 8-9 थे। हरेक को कुछ शब्द बोलने पड़े।



मैं उससे केवल अंग्रेजी में ही बोला:



पोलिश की हैसियत से मेरी अंग्रेजी अच्छी थी।





अगली सुबह पुलिस ने काम पर जाने वाले बंदियों का चयन किया। कमजोर बंदियों को खत्म करने के लिए एक ओर ले जाया गया। मेरी बारी आने तक उनका कोटा फुल हो गया था।



कापो ने बाकी बंदियों को सफाई पर लगाया।





यह उसका नाश्ता होगा। उसका यहां मजा ही मजा होगा!



मुझे वो सब देखकर ही डर लग रहा था। मैं इतना भूखा था। मैं सब कुछ चट कर सकता था!





मैं खाता रहा, खाता रहा और वो देखता रहा। फिर मैंने उसे कुछ घंटे पढ़ाया और हमने कुछ बातचीत की।





















मैंने उसे मैंडिलबौम की पूरी कहानी सुनाई।



मैं बता रहा हूं! मैं बेहद खुशनसीब था!



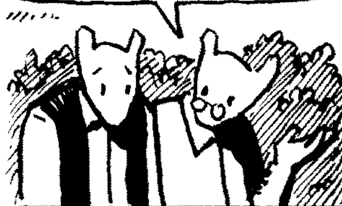












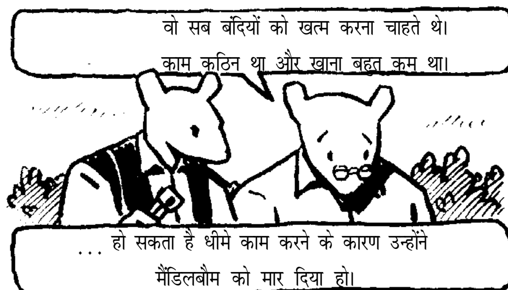
मैं मैंडिलबौम की कब तक मदद करता। कुछ दिन बाद जर्मन उसे काम पर ले गए...




मैंडिलबौम का अंत में क्या हुआ?
वो मर गया। उसे मार डाला गया।


हो सकता है काम पर किसी गार्ड ने उसकी टोपी छीनी हो।
जाओ! जल्दी जाकर टोपी उठाओ!
वो क्या कर सकता था? वो उसे उठाने गया। फिर गार्ड ने उसे भागने के इल्जाम में गोली मार दी।


बंदी को भागने से रोकने के लिए गार्ड को शाबाशी मिली और कुछ दिनों की छुट्टी भी।
अक्सर ऐसा ही होता था। मैंडिलबौम के साथ भी यही हुआ यह मुझे पता नहीं...


वो सब बंदियों को खत्म करना चाहते थे। काम कठिन था और खाना बहुत कम था।
...हो सकता है धीमे काम करने के कारण उन्होंने मैंडिलबौम को मार दिया हो।


...हो सकता है वो बीमार हो गया हो। फिर उसे पहले 'अस्पताल' और बाद में 'भट्टी' में झोंक दिया गया हो...
वो ऐसा ही करते थे? मेरा काम अभी भी ठीक-ठाक चल रहा था।


नए आए बंदी मुझ से डरते थे। मैं कापो के करीब था और बंदी मुझे एक बड़ा अधिकारी समझते थे।
कल उन्हें 200 मजदूर चाहिए और मेरे पास केवल 180 ही हैं। तुम तुरन्त जाकर मेरे कमरे में छिप जाओ...
दो महीने तक मैं वहां कापो को अंग्रेजी सिखाता रहा और सुरक्षित रहा।

अपने जत्थे में अब केवल मैं ही जिंदा बचा था...







औशविग के आसपास निर्माण का काम चालू था। छतों के लिए उन्हें टीन के कारीगरों की जरूरत थी।












नीचे एक जिम है जिसमें एक भाप का कमरा और नहाने का ताल है। कल मैं तुम्हें वहां ले जा सकता हूं।
धन्यवाद! आपको वहां पकड़े जाने का डर नहीं है?


हमारी कालोनी में से लोग यहां या फिर आगे ब्रिकमैन होटल में रोजाना आते हैं।


... वैसे मुझे पाईन्स अधिक पसंद है। पर यहां की जिम में केवल मेहमानों को ही लॉकर मिलता है।
KLIK


मैं नया टेप लगाता हूं। फिर हम आगे बात करेंगे।
देखो अब बिन्गो खेलने के कार्ड बंट रहे हैं। क्या तुम खेलोगे?


एक बार मैंने यहां बिन्गो का खेल जीता। विजेता के कमरे में पुरस्कार भेजा गया। पर मेरा यहां कोई कमरा ही नहीं था।


मेरे पास एक नवयुवती बैठी थी। उसका बस एक नंबर बचा थी और वो बहुत परेशान थी।

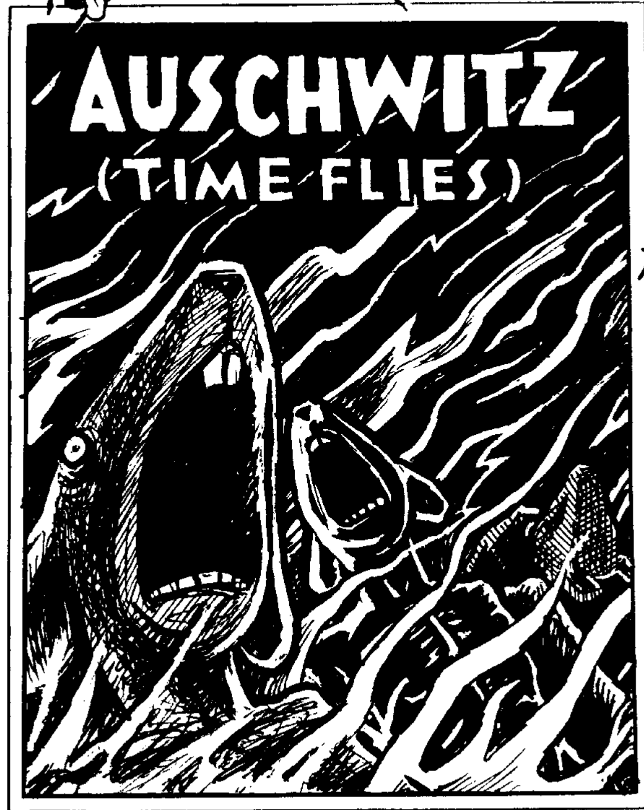

इसलिए मैंने उसे अपना कार्ड दे दिया: "मुझे इन पुरस्कारों की कोई परवाह नहीं है। लो तुम जीतो... वो बहुत खुश हुई।"


आप होटल के मेहमान नहीं थे, क्या आपने उसे यह बताया?
मैं क्यो बताता?? उसका उससे क्या लेना-देना।

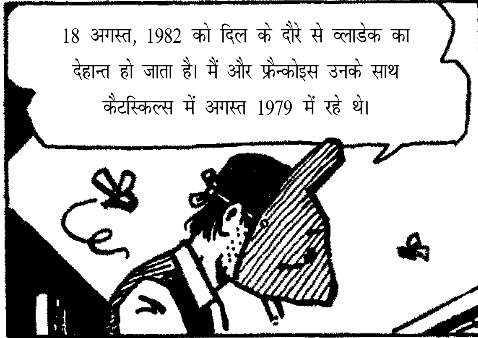

शहर में भी बिन्गो का एक अड्डा है। जहां 50 सेंट का एक कार्ड मिलता है। माला वहां जाना चाहती थी, पर मैंने उससे पूछा "क्यों? खेल के बाद की मुफ्त कॉफी के लिए? हम लोग बिन्गो पाईन्स में ही खेल सकते हैं, और अच्छी कॉफी घर में पी सकते हैं!"
बी-5
जी-22
बिन्गो!

अध्याय दो

औशविग
(समय तेजी से बीतता है)



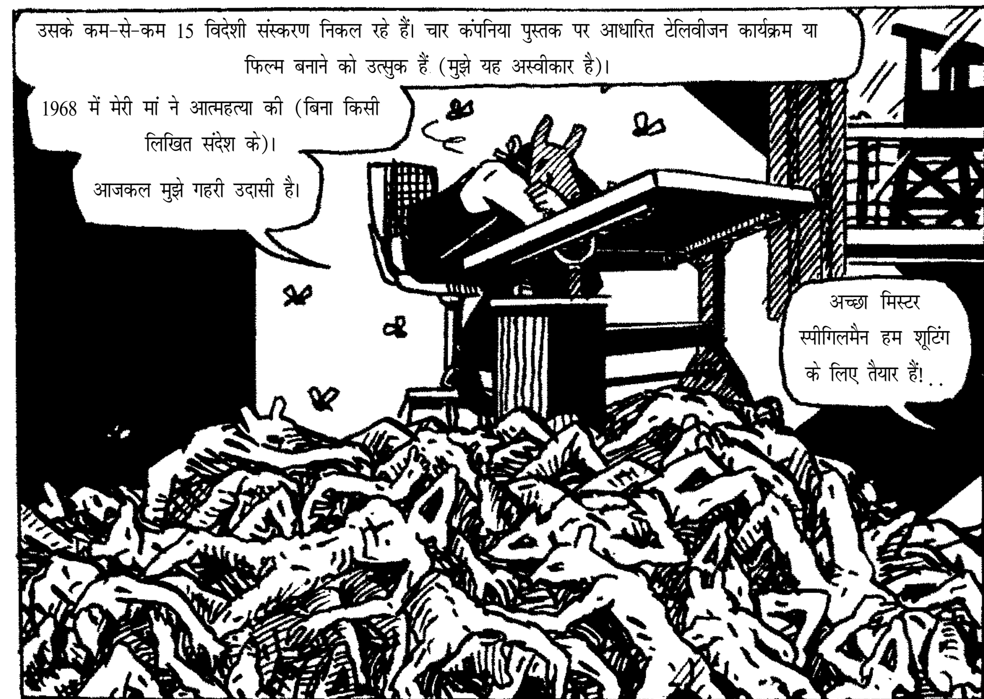
समय तेजी से बीतता है...


18 अगस्त, 1982 को दिल के दौरे से व्लाडेक का देहान्त हो जाता है। मैं और फ्रैन्कोइस उनके साथ कैटस्किल्स में अगस्त 1979 में रहे थे।


1944 के वसंत में व्लाडेक ने औशविग में टीन का काम करना शुरू किया। मैंने इस पन्ने पर फरवरी 1987 को काम करना शुरू किया।


मई 1987 को फ्रैन्कोइस और मैं अपनी नई संतान की प्रतीक्षा में हैं... 14 और 24 मई 1944 के बीच एक लाख हंगेरियन यहूदियों को औशविग की भट्टियों में भूना गया।


सितम्बर 1986 में, 8 साल के काम के बाद "माउस" पुस्तक का पहला भाग छपा। उसे खूब साहित्यिक और व्यावसायिक सफलता मिली।


उसके कम-से-कम 15 विदेशी संस्करण निकल रहे हैं। चार कंपनिया पुस्तक पर आधारित टेलिवीजन कार्यक्रम या फिल्म बनाने को उत्सुक हैं. (मुझे यह अस्वीकार है)।
1968 में मेरी मां ने आत्महत्या की (बिना किसी लिखित संदेश के)।
आजकल मुझे गहरी उदासी है।
अच्छा मिस्टर स्पीगिलमैन हम शूटिंग के लिए तैयार हैं!..



आप दर्शकों को अपनी पुस्तक के संदेश के बारे में बताएं?
संदेश? मुझे नहीं पता . . .



पुस्तक को एक संदेश बनाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। मैं किसी को कुछ सिखाना नहीं चाहता था। मैं तो बस . . .
आपकी पुस्तक का जर्मन में अनुवाद हो रहा है . . .



अधिकांश नौजवान जर्मन यहूदी कत्लेआम की कहानियों से तंग आ चुके हैं। उनके पैदा होने से कहीं पहले यह घटना घटी थी। उन्हें उससे शर्म नहीं आनी चाहिए?
मैं कब कह रहा हूं?



परन्तु नात्सी जर्मनी के कई व्यवसायिक घराने अब और धनी हुए हैं। मुझे नहीं पता। इसके लिए सामूहिक शर्म की जरूरत है। हमेशा! हमेशा के लिए!
छोड़ो, इजराइल की बात करें . . .



अगर आपकी पुस्तक इजरायली यहूदियों के बारे में होती तो फिर आप कौन सा जानवर बनाते?
नहीं पता . . . साही?
माफ करें!



आर्टी, इस प्रस्ताव पर गौर करो। तुम्हें नफे का पचास प्रतिशत मिलेगा। हम लोग करोड़ों बनाएंगे। तुम्हारे पिता प्रसन्न होंगे!
MAUS
आपने माउस पढ़ी है
अब बनियान खरीदें!



तुम ज्यादा मुनाफा चाहते हो? हम बात कर सकते हैं।
मैं मुक्ति चाहता हूं। नहीं, नहीं मुझे अपनी मां चाहिए!



क्या आप दर्शकों को बता सकते हैं कि चित्र बनाने से आपकी भावनाओं को कुछ लाभ हुआ? क्या आप बेहतर महसूस कर रहे हैं?
(रोने लगता है!)


अच्छा! वो चले गए। कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं कामकाजी व्यस्क नहीं हूं।


मुझे यकीन नहीं होता कि चंद महीनों में मैं पिता बन जाऊंगा। पिता का भूत अभी भी मेरे सामने मंडराता है।
नाडजा स्पीगलमैन
जन्म 5-13-1987


साढ़े नौ बजे हैं और मुझे शहर जाकर पावेल से मिलना है।
पावेल मेरा डाक्टर है। वो रात का मरीजों को देखता है।


वो एक जेक यहूदी है। उसने टेरेजिन व औशविग को झेला है। मैं हफ्ते में एक दफा उससे मिलता हूं।


उसके यहां बहुत आवारा कुत्ते और बिल्लियां हैं।
हलो आर्ट, आओ।
क्या मैं इसका जिक्र कर सकता हूं, या यह ठीक नहीं रहेगा?


तुम्हें अब कैसा लग रहा है?
काफी खराब। घर और पेशे दोनों के हाल अच्छे नहीं हैं। मुझे बस रोने का दिल करता है।


मैं काम नहीं कर पाता। असहनीय इंटरव्यू और बिजनेस प्रस्ताव ही मेरा समय खा जाते हैं। मैं इन्हें नहीं झेल सकता।


मैं अकेले भी उलझा रहता हूं। अपनी पुस्तक पर काम करने की बजाए मैं घंटों तक अपने तख्त पर पड़ा रहता हूं और कुर्सी के कपड़े पर पड़े धब्बे को निहारता रहता हूं।
पालतू बिल्ली का फोटो-फ्रेम, सच में!


पिता के साथ मेरी चर्चाएं अब कुछ बेमानी हो गई हैं... और औशविग का सोच मात्र ही भयानक लगता है... इसलिए मैं बस पड़ा रहता हूं...


ऐसा लगता है जैसे तुम्हें खुद पर दुख हो रहा हो। तुम खुद को पिता के उपहास का कारण मानने लगे हो।
मैं सच्चाई बयान कर रहा था। मैंने अपना गुस्सा भी जताया।


छुटपन में हर लड़का अपने पिता की ओर देखता है।
बात तो ठीक है। पर मैंने ऐसा किया हो यह मुझे याद नहीं।


मेरी उनके साथ बहस होती थी। वो कहते थे कि मैं कोई भी काम उनके जैसे कुशल ढंग से नहीं कर सकता।
अब सफलता चूमने पर अपने पिता की बात को गलत सिद्ध होने का तुम्हें दुख हो रहा है।


मैं जो भी हासिल करता वो औशविग झेलने की तुलना में तुच्छ होती।
परन्तु तुम तो रेगो पार्क में थे, औशविग में नहीं।


तुम्हारे पिता हमेशा सही होने का दावा करते, कुछ भी झेलने की क्षमता दिखाते, क्यों? क्योंकि उन्हें जिंदा रहने का अपराधबोध था।
शायद...


इस शर्म को तुम पर - एक असली जिंदा इंसान पर उतारना उनके लिए सुरक्षित था।
क्या औशविग से जिंदा बच निकलने का आपको कोई अपराध बोध है?


नहीं... बस दुख है।

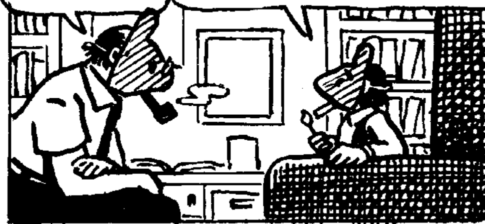


क्या तुम अपने पिता की क्षमताओं के प्रशंसक हो?
हां, बिल्कुल। उनके भाग्य ने उनका बहुत साथ दिया पर उनकी हाजिर दिमागी और क्षमताएं वाकई में विलक्षण थीं...
तुम जिंदा रहने को प्रशंसनीय मानते हो। इसके मतलब, क्या जिंदा न रहना, अप्रशंसनीय है?
मैं आपकी बात समझ रहा हूं। अगर जिंदा रहना जीत है तो मृत्यु का मतलब हारना होगा।
जिंदगी हमेशा जिंदगी का साथ देती है। अक्सर हारने वाला ही दोषी माना जाता है। परन्तु यहां न सबसे अच्छे लोग जिंदा बचे, या सबसे अच्छे लोग ही मरे। मामला रैन्डम था!
मैं तुम्हारी पुस्तक की यहां बात नहीं कर रहा। पर देखो नात्सी यातनाओं पर ढेरों पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं। पर उनसे क्या फर्क पड़ा? लोग तो नहीं बदले...
शायद उन्हें इससे भी बड़ी त्रासदी की जरूरत है।
जो मरे वो तो अब अपनी कहानी बता नहीं सकते। इसलिए अच्छा हो कि अब और ज्यादा कहानियां न लिखी जाएं।
सैम्यूल बैकिट ने कभी कहा था: "हरेक शब्द शांति पर अनावश्यक धब्बा है।"
हां।
पर उन्होंने अपनी बात कही तो।
उन्होंने सही ही कहा। तुम चाहो तो इसे अपनी पुस्तक में शामिल कर सकते हो।


मेरी पुस्तक? कौन सी पुस्तक?? मेरा एक हिस्सा औशविग के बारे में सोचना और उसके चित्र बनाना नहीं चाहता। मैं उसकी स्पष्ट कल्पना और चित्रण नहीं कर सकता।

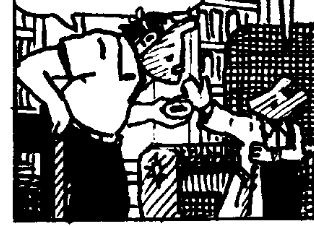

औशविग में मुझे कैसा लगा? मैं इसे कैसे बता सकता हूं?... छोड़ो!
YIII!


मुझे हमेशा वहां वैसा लगा! उसके गेट में घुसने से अंत तक।


तुम पुस्तक के किस भाग के चित्रण के बारे में सोच रहे हो?
मेरे पिता कैम्प के पास एक टीन वर्कशाप में काम करते थे। किस प्रकार के औजार आदि बनाऊं, मुझे नहीं पता। उसके चित्र नहीं हैं।


चलो देखें। वहां कटर होगा - जैसे कागज काटने वाला होता है, लेकिन बड़ा। और एक-दो ड्रिल मशीनें भी होंगी।


आपको यह कैसे पता?
मैंने चेकोस्लोवाकिया में एक टूल-डाई के कारखाने में काम किया था।


अब देर हो रही है और मुझे अपने कुत्तों को टहलाने ले जाना है।
अच्छा, अगले हफ्ते मिलूंगा...


मुझे समझ में नहीं आता है क्यों...


पावेल के साथ इन बैठकों के बाद मैं बेहतर महसूस करता हूं...


मैं बिना ड्रिल प्रेस दिखाए टीन-शॉप बना सकता हूं। मशीनों के चित्रों से मुझे नफरत है...

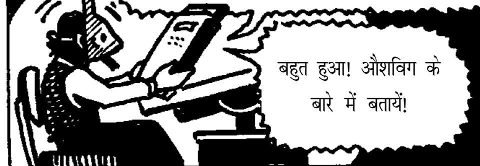
और फिर . . .



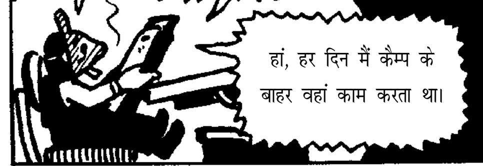
और जैसे ही मैं अस्पताल से वापिस आया उसने फिर से वसीयतनामे को बदलने की रट शुरू कर दी!
पिताजी, टेप चालू है। हम आगे बढ़ें . . .



मैं बीमार और थका था। फिर भी मैं राजी हो गया। वसीयतनामे को कानूनी बनाने के लिए वो मेरे पलंग के पास एक नोटरी ले आई।
चलिए हम औशविग वापिस चलें।



नोटरी ने आने के पंद्रह डालर लिए! अगर वो मेरे ठीक होने के लिए एक हफ्ता और इंतजार करती तो मैं खुद बैंक चला जाता और वहां मुझे चौथाई डालर में ही नोटरी मिल जाता।
बहुत हुआ! औशविग के बारे में बतायें!



आह!
आप बता रहे थे कि किस प्रकार कापो ने आपके लिए टीन मिस्त्री का काम ढूंढा . . .
हां, हर दिन मैं कैम्प के बाहर वहां काम करता था।



उस वर्कशाप का प्रमुख एक रूसी था। उसका नाम यिडल था।
तुम बेकार हो! तुम ठीक से काट तक नहीं सकते।
परन्तु मैंने तो हमेशा ऐसा ही किया है! . . .



मैं चंद सालों से ही टीन मिस्त्री हूं। अगर आप मुझे ठीक तरीका दिखाएंगे तो मैं जल्दी ही सीख जाऊंगा।



स्पीगिलमैंन, तुमने अपने जीवन में एक दिन भी हाथ से काम नहीं किया है। मैं तुम्हारे बारे में सब कुछ जानता हूं।
मालूम नहीं उसे मेरे बारे में कहां से पता चला।



तुम्हारी बड़ी फैक्ट्रियां थीं - तुम मजदूरों का शोषण करते थे, पापी पूंजीवादी!
यिडल एक कम्यूनिस्ट था।



ये लोग तुम जैसे गधों को यहां भेजते हैं और अच्छे टीन मिस्त्रियों को चिमनी के ऊपर। मैं तुम पर कड़ी निगाह रखूंगा!
मैं भयभीत था। वो मेरा बहुत कुछ बिगाड़ सकता था।

वहां बाकी लोगों के साथ मेरी अच्छी जमती थी।







आसपास के पोलिश लोग भी वहां काम करते थे। यह कैदी नहीं बल्कि निर्माण मजदूर थे...









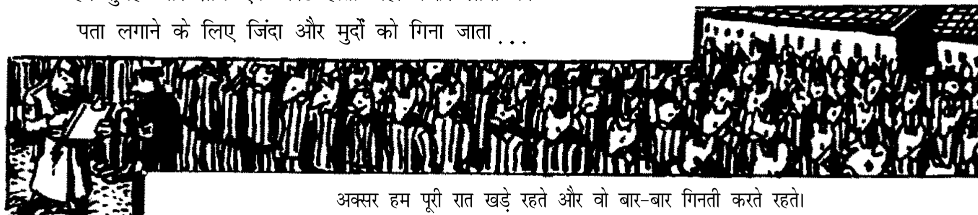




यिडल बहुत लालची था। वो सब कुछ छीनना चाहता था। पर मै। भी तो भूखा था।

सब लोग हर समय भूखे रहते। भूख के कारण काम का पता भी नहीं चलता था।
सुबह नाश्ते में हमें कुछ जड़ों का बना कड़वा शोरबा मिलता था।
मैं सुबह सबसे पहले उठकर शौचालय जाता और फिर चाय पीता।
दिन में एक बार वो हमें चुकंदर का सूप देते। आगे खड़े रहना बेकार था क्योंकि तब सिर्फ पानी ही मिलता।
मिलाओ! मिलाओ!
आखिर में होने से फायदा होता। ठोस चीजें ऊपर तैरतीं।
पर अंत में रहना भी बेकार जाता।
क्योंकि तब तक सूप खत्म हो चुका होता।
दिन में एक बार हमें कांच जितना सख्त ब्रेड का एक छोटा टुकड़ा मिलता।
पूरे दिन में हमें आटे और बुरादे से बनी ईंट जैसी एक ब्रेड मिलती। लोग उसे तुरन्त खा जाते।
पर मैं हमेशा आधी ब्रेड बचा कर रखता।
शाम को हमें सड़ा पनीर या जैम मिलता। हफ्ते में एक-दो बार अच्छा नसीब होता तो मेरी दो उंगलियों जितना मोटा एक भी सौसेज मिलता।
इतने कम खाने से लोग जल्दी ही मर जाते।

हर सुबह और शाम एक परेड होती जहां फरार लोगों का पता लगाने के लिए जिंदा और मुर्दों को गिना जाता...

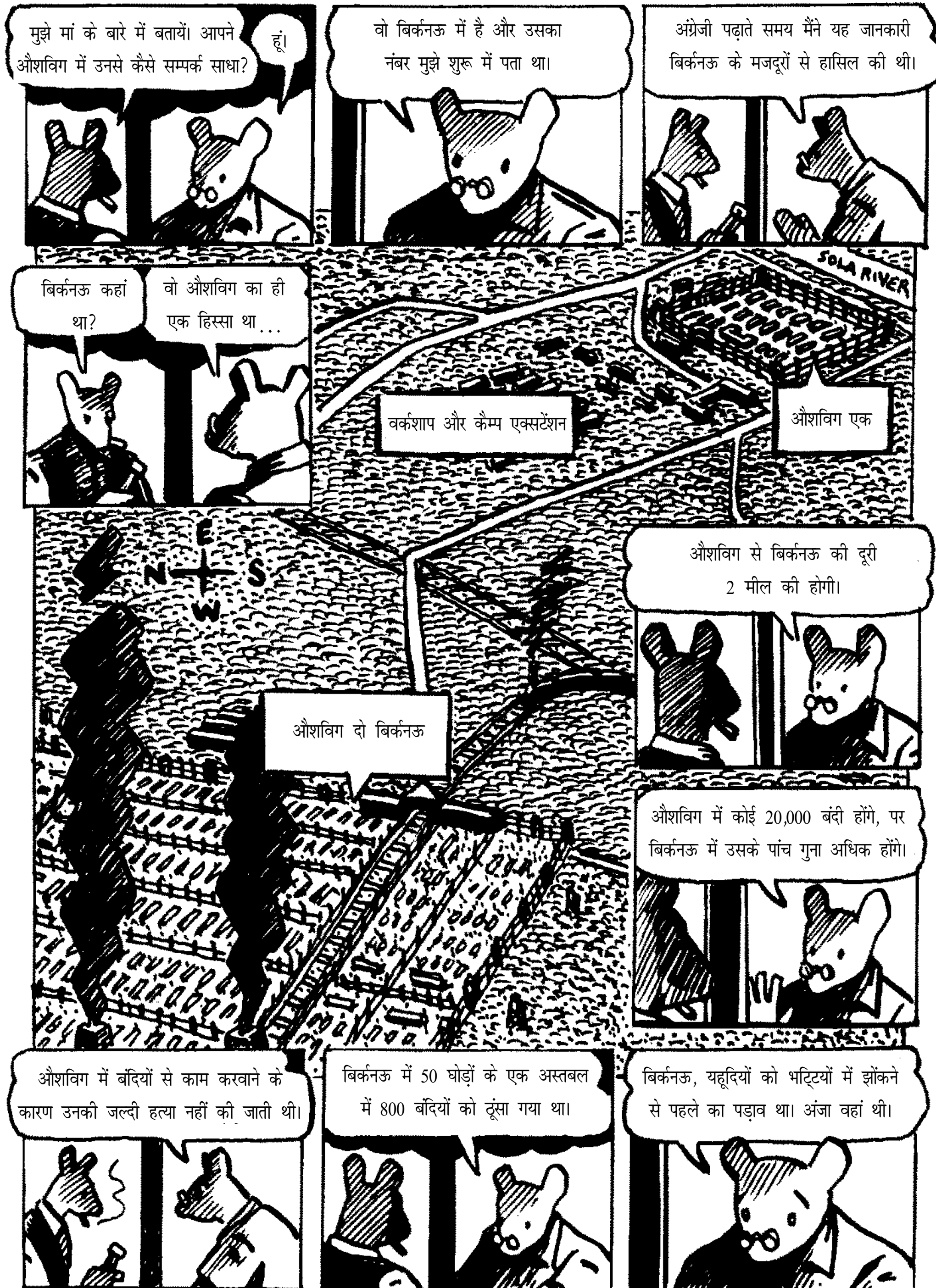












मुझे मां के बारे में बतायें। आपने औशविग में उनसे कैसे सम्पर्क साधा?
हूं।
वो बिर्कनऊ में है और उसका नंबर मुझे शुरू में पता था।
अंग्रेजी पढ़ाते समय मैंने यह जानकारी बिर्कनऊ के मजदूरों से हासिल की थी।
बिर्कनऊ कहां था?
वो औशविग का ही एक हिस्सा था . . .
SOLA RIVER
वर्कशाप और कैम्प एक्सटेंशन
औशविग एक
E
N
S
W
औशविग से बिर्कनऊ की दूरी 2 मील की होगी।
औशविग दो बिर्कनऊ
औशविग में कोई 20,000 बंदी होंगे, पर बिर्कनऊ में उसके पांच गुना अधिक होंगे।
औशविग में बंदियों से काम करवाने के कारण उनकी जल्दी हत्या नहीं की जाती थी।
बिर्कनऊ में 50 घोड़ों के एक अस्तबल में 800 बंदियों को ठूंसा गया था।
बिर्कनऊ, यहूदियों को भट्टियों में झोंकने से पहले का पड़ाव था। अंजा वहां थी।


चलो, अब जल्दी करो। हम घर वापिस जाकर खाना खाएंगे।
बिर्कनऊ में आप वाकई में अंजा से सम्पर्क में रहे?


हां, मैनसी के जरिए मैंने अंजा से सम्पर्क बनाए रखा। अंत में मैं अंजा को...
रुकिए, मैनसी कौन है?


मैनसी हंगेरियन थी - सुंदर, ऊंची और होशियार। वो वहां कभी-कभी काम करती थी।
उस लकड़ी के गट्ठर के पीछे छिप जाओ। अगर गार्ड आएगा तो मैं तुम्हें आगाह कर दूंगी।
मुझे बाद मे पता चला कि उसका प्रेमी जर्मन पुलिस में था। प्रेमी के कारण मैनसी को बिर्कनऊ में ऊंचा ओहदा मिला।


(मिस, आप बहुत दयालु हैं। कृपा मेरी मदद कीजिए!)
(चुप! तुम्हें क्या चाहिए?)


(मुझे कुछ नहीं चाहिए पर मेरी पत्नी बिर्कनऊ में है। वो जिंदा है क्या आप इसका पता कर सकती हैं?)
मैंने उसे अंजा का नाम और नंबर बताया।

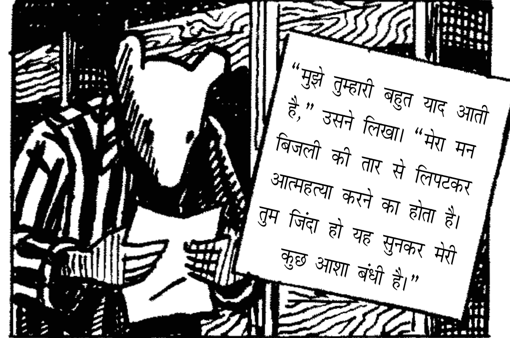

(मेरे पास कुछ खाना है। मदद के बदले मैं उसे दे सकता हूं।)
(अपना खाना रखो। मैं यहां कुछ दिनों में फिर आऊंगी। मैं तुम्हारी मदद करूंगी।)


मैं रोज उसका इंतजार करता। चार दिनों बाद मैंने उसे देखा।
मुझे सोस्नोविक की एक अंजा मिली। वो बहुत कमजोर है...
!
उसने अपने मजदूर से बात की। किसी को शक न हो इसलिए मैं टीन के डिब्बे से ही बात करता रहा।


किसी ने उसे बताया कि उसका पति अभी भी जिंदा है। यह सुनकर वो खुशी से रोने लगी।
यह सुनकर मैं भी रोने लगा। और मैनसी भी रोने लगी।

कुछ दिनों बाद मैनसी वहां फिर से आई।





मैनसी ने बताया कि अंजा का कापो उसे बहुत मुश्किल काम देता है।



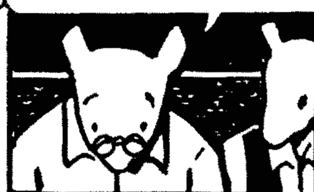
मेरे लिए भी वैसे ड्रम को उठा पाना मुश्किल होता। अंजा इतनी छोटी थी - उसके लिए यह असंभव काम था।











काम पर जाते वक्त मैं हर रोज मैनसी से मिलने का प्रयास करता...





मुझे बस लेफ्ट-राईट करना याद है, बैंड का याद नहीं...







उसकी बातों का मैं जवाब देता था। वो दिल का अच्छा था।



फिर वो मुझे कुछ दिनों बाद दिखाई दिया...





वो कुछ भी बोलने से डर रहा था।



अंजा से मिलने के समय मैंने खुद वहां की दयनीय हालत देखी...
अंजा को भी देखा?
हां। हर कुछ दिनों में टीन शॉप में पुलिस के कुछ अफसर आते थे...
यहां पर जरूरत से ज्यादा मजदूर हैं...
हमें मुख्य कैम्प में काम के लिए 10 मजदूर दो।
अच्छा, उसे लीजिए, और उसको भी...
हां रुकिए, उसे मत लें! वो छत का अच्छा कारीगर है। उसे ले लें...
जिनका नसीब खराब था वो कठिन काम के लिए गए। पर यिडल ने मुझे सुरक्षित रखा।
...मजदूरों की एक टोली को बिर्कनऊ भेजो। वहां औरतों के कैम्प की छत गिर गई है।
मुझे बिर्कनऊ जाने दें। मैं वहां कभी नहीं गया हूं।
जाओ स्पीगिलमैन! फिर वापिस मत आना! मैंने तुम्हें सुरक्षित रखकर अपने सर्वश्रेष्ठ मिस्त्री को जाने दिया? क्यों?!
फिर मैं कुछ अन्य टीन मिस्त्रियों के साथ बिर्कनऊ गया। 1944 की गर्मी का समय था।
उस समय हजारों-लाखों हंगेरियन बंदियों को वहां लाया जा रहा था।

कैम्प के अंदर घुसकर हमने अपने प्रियजनों के लिए चिल्लाए। शायद उसमें से अभी भी कोई जिंदा हो?



अंजा को कोई लेकर आया। मैं बेहद खुश हुआ।















मैं कई बार बिर्कनऊ गया। एक बार मैं वहां बुरी तरह फंसा। मैं काम करके अंजा के सामने से गुजरा...





एक गार्ड मेरी ओर गुर्राया:











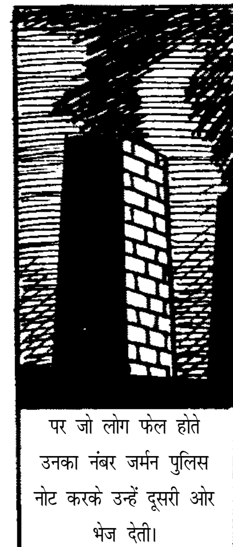






अगर तुम्हारा शरीर फिर भी तंदरुस्त था तो वो तुम्हें अगले सलेक्शन तक के लिए एक यूनीफार्म देते...





दूसरे सलेक्शन के समय मैं बैरक में था। मेरे पलंग के ऊपर एक अच्छा बेल्जियन लड़का था।







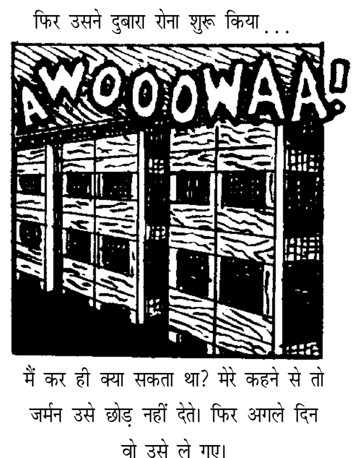
उसे अब किसी भी समय पुलिस ले जा सकती थी। सारी रात वो फूट-फूट कर रोता रहा।







फिर उसने दुबारा रोना शुरू किया...



मैं कर ही क्या सकता था? मेरे कहने से तो जर्मन उसे छोड़ नहीं देते। फिर अगले दिन वो उसे ले गए।

टीन शॉप में यिडल के साथ वही पुरानी कहानी जारी थी।





मैं सभी वर्कशाप के कौपो के पास दौड़ा हुआ गया।

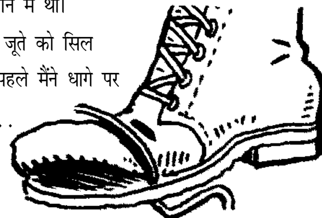






मैंने औरों को देख-देख कर थोड़ी-बहुत जूतों की कारीगरी सीखी थी। उस समय मैं अपने चचेरे भाई मिलोच के साथ बस्ती में जूतों की दुकान में था।

मैं उस खुले जूते को सिल सकता था। पहले मैंने धागे पर मोम रगड़ा...



... फिर छेद बनाकर उसमें आधी दूर तक धागा घुसाया।

फिर ऊपर की ओर सोल की सीध में दो छेद बनाए...



फिर धागे को इन छेदों में से निकाला।



इस प्रकार धागे को सूजे की मदद से ऊपर-नीचे फंदा लगाकर मैंने जूते के फटे मुंह को बंद किया।

...काम इतना अच्छा था कि उसमें टांके तक नहीं दिख रहे थे!



इस प्रकार में जूता मिस्त्री बना। काम के लिए
मुझे एक निजी और गर्म कमरा मिला...



मैं जाते वक्त इस जूते को छिपा कर ले गया। फिर
औशविग में जूतों के असली मिस्त्री के पास गया।



अगले दिन मैंने अफसर
को जूता दिया।



वो जूता रख कर बिना
कुछ कहे चला गया।



अफसर लोग अपने जूतों को बड़े कैम्प में भेजने की
बजाए मुझ से ही उनकी मरम्मत करवाना चाहते थे।





मैं छोटी-मोटी मरम्मत तो कर लेता था, परन्तु इस जूते
को तो कोई विशेषज्ञ ही ठीक कर सकता था।

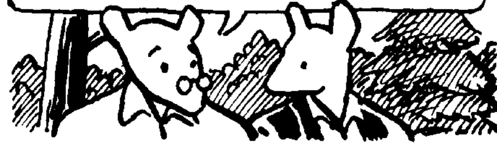


फिर वो एक बड़ा, पूरा सौसेज लेकर आया।



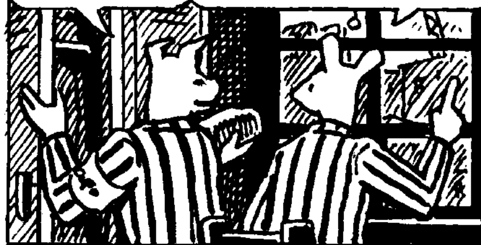
वो पूरा सौसेज मेरे लिए कितना बेशकीमती था इसकी तुम कल्पना
भी नहीं कर सकते! मैं चाकू से काटकर उसे निगल गया।
उससे बाद मेरा जी मिचलाया।





मैं कभी-कभी कुछ खाना अपने कौपो को भी देता।







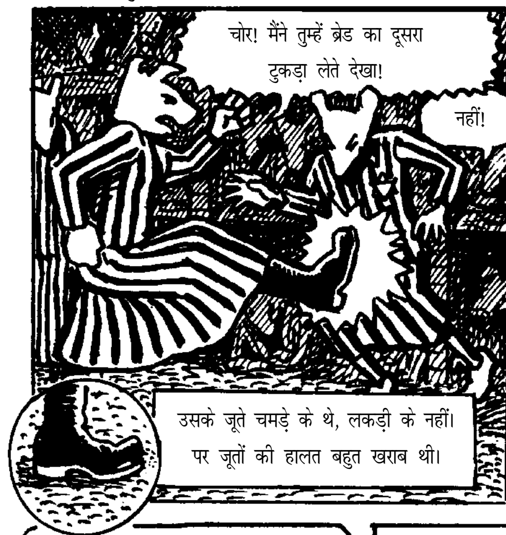








अंजा के बैरक में 1,000 औरतें थीं। उनकी कौपो बहुत जालिम थी। वो हरेक को मारती थी।







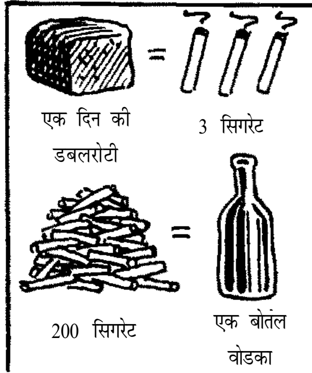




अगर अंजा मेरे पास के बैरक में होगी तो मुझे कितनी खुशी होगी। मेरे दिमाग में बस यही घूम रहा था।



यह काम 100 सिगरेट और एक बोतल वोडका से सम्पन्न हो सकता था, परन्तु यह बहुत बड़ी रकम थी।







अंजा को लाने के लिए मैं कुछ दिनों भूखा रहा।



पर एक दिन जब मैं काम से वापिस लौटा तो...





इसलिए घूस देने के लिए मुझे दुबारा से चीजों को बचाना पड़ा। 1944 में नए बैरकों में कई हजार नई औरतें लाई गयीं।



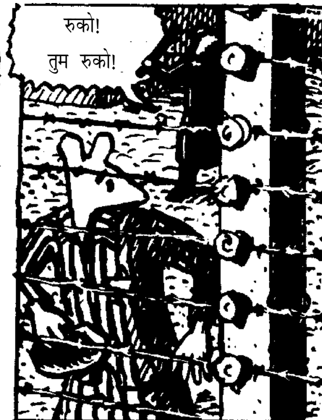
निगाह बचाकर मैं अंजा को काम पर जाते हुए देखता...



वो भी आगे-पीछे देखकर ही मेरे फेंके हुए खाने के पैकिटों को उठाती...



परन्तु एक बार बहुत बुरा हुआ।







अंजा दौड़ी - मालूम नहीं कहां - अपने ब्लाक में।

अंजा की एक मित्र ब्लाक की सफाई कर रही थी।





उस ब्लाक में कई कमरे थे और सैकड़ों पलंग थे। एक पर अंजा कांपती, भयभीत पड़ी थी। उसे सांस लेने में भी डर लग रहा था।







शाम की परेड में वो कौपो दुबारा वहां आई।







उसने थक कर पस्त होने तक सबको आगे-पीछे दौड़ाया। कई परेडों में यही नाटक दोहराया गया।





बड़े-भारी पत्थरों को इधर से उधर ढोना, गहरे गड्ढे खोदने का बहुत कठिन, मेहनत का काम करना होता...





मुझे कभी मार नहीं पड़ी क्योंकि मैं अपनी पूरी ताकत से काम करता था।



अब मैं बिल्कुल दुबला-पतला हो गया। तभी नया सलेक्शन होना था।



मैं झट से शौचालय में घुस जाता। अगर कोई पूछता तो मैं पेट खराब होने का बहाना बनाता। इसमें कोई नुकसान नहीं था?



क्या आपने बाकी समय वहां 'काला' काम किया?

उसके बाद औशविग में मुझे किसी अच्छे काम का मौका नहीं मिला। मैं वहां कोई 10 महीने रहा।

आपने छिपे रहकर कितने महीने अंग्रेजी पढ़ाई?

शायद दो महीने। वो समय अच्छा बीता।

1944

MAR. मार्च

APR. अप्रैल

MAY मई

JUNE जून

JULY जुलाई

AUG अगस्त

SEPT सित

OCT अक्टू

NOV नव

अंग्रेजी पढ़ाना

टीन शॉप

जूतों का काम

'काला' काम

उसके बारे में मुझे पता है। आपने टीन शॉप में कितने समय काम किया?

टीन और जूतों की शॉप में मैंने कुल मिलाकर 5-6 महीने बिताए होंगे।

तो 'काला' काम तीन महीनों तक चला?

हां-नहीं। मैं याद करता . . .

'काले' काम के बाद मैंने यिडल के साथ 2 महीने दुबारा टीन का काम किया।

जरा रुकिए! इस तरह तो 12 महीने होंगे। आपने तो वहां सिर्फ 10 महीने ही बिताए!

अच्छा, फिर 'काले' काम में कम समय बिताया होगा। हमारे पास वहां घड़ी तो थी नहीं।

वाह! मैं तो आपको खोज रही थी।

इतने देर से कहां थे, मुझे फिक्र लग रही थी।

क्या तुमने मेरे बैंक के कागजात ठीक किए?

हां, और भोजन के लिए कुछ सैंडविच भी बनाए।

गजब! मुझे भूख लगी है!

देखो मुझे सफेद ब्रेड खाने की मनाही है।









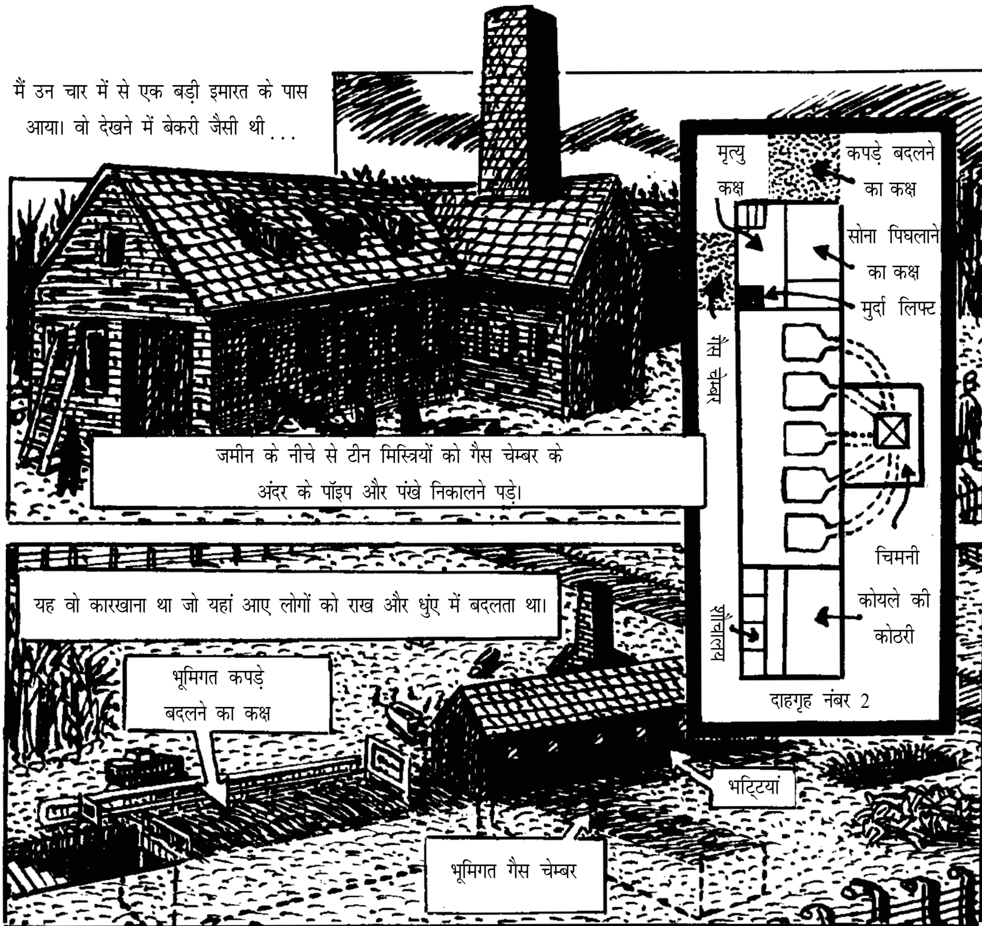








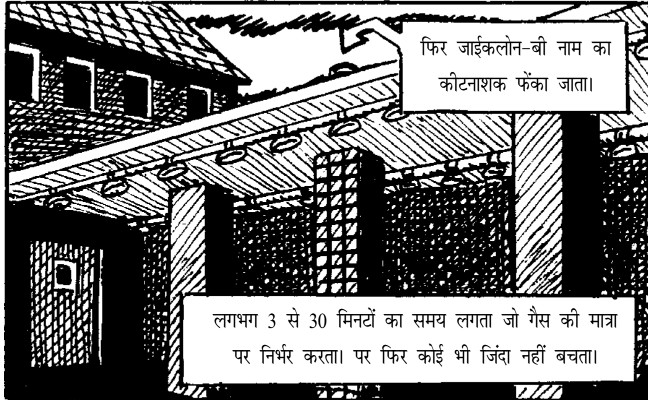

मैंने उन्हें खुद अनुभव किया है।



यहां पर विशेष बंदी काम करते थे। उन्हें खाने को बेहतर ब्रेड मिलती थी। परन्तु उन्हें भी कुछ महीनों
बाद चिमनी में भेज दिया जाता था। उनमें से एक ने मुझे वहां का पूरा तंत्र दिखाया।

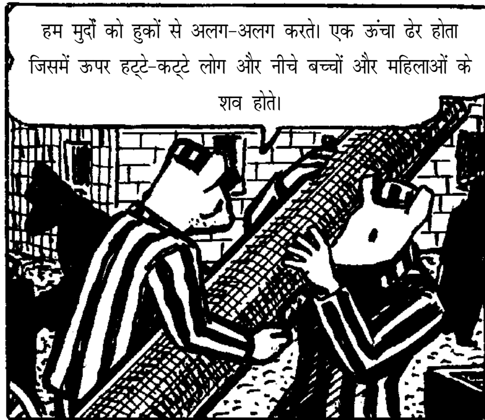


सब लोग इस स्नानगृह में घुसने के बाद दरवाजे खुद बंद हो जाते और बल्ब बुझ जाते।





जो आदमी वहां काम करता था उसने मुझे बताया . . .





फिर एक लिफ्ट द्वारा वो मृत शरीरों को ऊपर भट्टियों तक लाते। वहां कई भट्टियां थीं और हरेक भट्टी में वे एक साथ 2-3 लाशें जलाते थे।



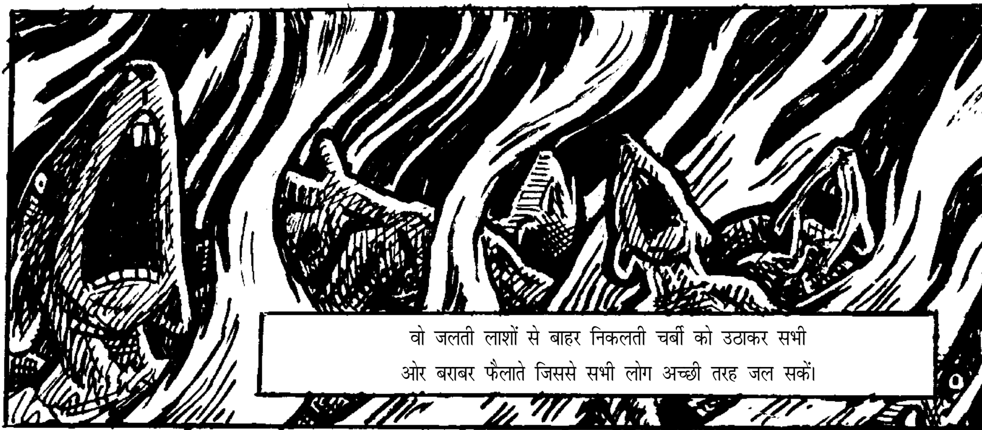








वहां काम कर रहे बंदियों को जिंदा और मरे लोगों पर पेट्रोल डालकर उन्हें जलाना पड़ा।




हे भगवान!
देखो ढाई बज गए हैं। समय कैसे उड़ता है। और अभी कितना काम बचा है...


बर्तनों की सफाई, रात का खाना और मैंने गोलियां तक नहीं गिनीं।
समझ में नहीं आया। यहूदियों ने विरोध क्यों नहीं किया?


मामला उतना आसान नहीं था। सभी लोग भूखे, थके और डरे थे। जो कुछ वो देख रहे थे उसपर उन्हें खुद विश्वास नहीं हो रहा था।


...यहूदी आशा पर जिंदा थे। इससे पहले कि जर्मन उन्हें गोली से उड़ाएं उन्हें रूसियों के आने की उम्मीद थी और...
बाप रे!
RASH!


देखो, मेरी सबसे प्रिय प्लेट टूट गई!
छोड़िए प्लेट को! पर यहूदी कम-से-कम एक नात्सी को तो मारते?


कुछ जगहों पर लोग लड़े भी... आप एक जर्मन को मार सकते हैं परन्तु वो तुरन्त सौ यहूदियों को खत्म कर देंगे और फिर सबको।


पर बिना विरोध किए भी सब खत्म हुए ही? उसे फेंको मत! मैं उस प्लेट के टुकड़ों को जोड़ दूंगा।


बाकी बर्तन मैं धो दूंगा।
तुम फ्रिज से खाना निकालो। नहीं तो तुम मेरी बाकी प्लेट्स भी तोड़ डालोगे।

उस रात...


चलो, उन्हें नींद तो आई!
उनके साथ एक दिन बिताना भी कितना कठिन है। वो तनाव का एक पुलंदा है। माला के बिना वो कुछ अधिक दुखी हैं...


नहीं वो हमेशा से ऐसे ही हैं...
इसी वजह से तो माला भागी।


तुम्हें लगता है वो कभी वापिस मिलेंगे?
मुझे आशा तो है। नहीं तो हमें उनकी जिम्मेदारी निभानी होगी। मैं उनको बहुत समय तक झेल नहीं पाऊंगा।


AAWOOWWAH!
अरे वो आवाज क्या है?
कुछ नहीं, सिर्फ व्लाडेक की ...


वो नींद में कराह रहे हैं। छुटपन में मैं सोचता था कि सभी व्यस्क सोते समय ऐसी आवाजें निकालते हैं।

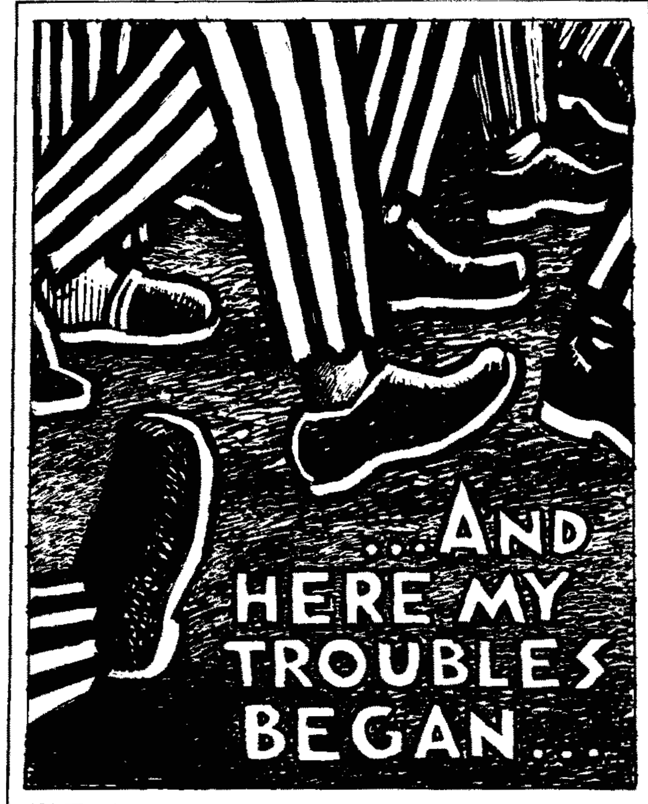

यहां रात के समय बहुत शांति है। औशविग कभी घटा था ऐसा लगता ही नहीं है।
अरे!
SLAP


पर यहां कीड़े मुझे जिंदा खाए जा रहे हैं!
मुझे भी।
PSHT


चलो अंदर चल कर पढ़ें। यहां पर बाहर वैसे भी काफी ठंड है।

अध्याय तीन

...और यहां मेरी मुसीबतें शुरू हुयीं...




27...
28...
29...
पिताजी आप फिर से अपनी गोलियां गिन रहे हैं?


यह कुछ और है, मैंने पहले घंटों गोलियां गिनी हैं!
तुम हमेशा इतनी देर तक क्यों सोते हो?
SALT
नींद आसान नहीं।


आप नींद में काफी शोर मचा रहे थे।
मैं फ्रिज को डीफ्रॉस्ट कर रहा था। इसमें तुम्हारी मदद बहुत काम आती।


आज का दिन बहुत सुंदर है। हम सब मिलकर कार में सुपरमार्केट जा सकते हैं।
ठीक है।


तुम्हें इस हफ्ते खाने के लिए जो कुछ भी चाहिए वो मैं वहां से ले आऊंगा - चिकिन, मछली जो कुछ भी तुम कहोगे।


हमें ज्यादा नहीं चाहिए। हम यहां बस एक-दो दिन और हैं।
जा रहे हो!? तुम अभी तो आए हो!


मैं चाहता था कि गर्मी खत्म होने तक तुम मेरे साथ रहो।
हम बस कुछ दिनों के लिए ही यहां रह सकते हैं। आप यहां अकेले ठीक-ठाक रहेंगे।


अच्छा होता कि तुम न आते। अब मैं अकेले रहने का थोड़ा आदी हुआ हूं।
अरे!


माला जो खाना छोड़ गई है उसे मैं दुकानदार को लौटा दूंगा। लो कुछ कार्नफ्लेक खाओ..
नहीं मुझे सिर्फ कॉफी ही चाहिए।


जरा चख कर तो देखो, तभी इसके जायके का मजा आएगा।
शुक्रिया, मुझे कार्नफ्लेक नापसंद हैं।


पर इसमें नमक और चीनी दोनों हैं जो मेरे लिए जहर जैसे हैं। अच्छा फ्रैन्कोइस तुम थोड़ा सा लो।
नहीं धन्यवाद।


इसे फेंकना शर्मनाक होगा। तुम इसे अपने साथ घर लेते जाना।
डिब्बा लगभग खाली है। इसे यहीं छोड़ दीजिए।


अच्छा उसे छोड़ो, इस फ्रूट-केक का टुकड़ा खाकर देखो।
मुझे भूख नहीं है।


तो मैं कार्नफ्लेक और फ्रूट-केक दोनों को एक-साथ तुम्हारे ले जाने के लिए पैक कर दूंगा।
नहीं हमें नहीं चाहिए। इसे भूल जाईए!


मैं इसे नहीं भूल सकता... हिटलर के बाद से मैं खाने का एक टुकड़ा भी नहीं फेंक सकता हूं।
तो आप इसे हिटलर के दुबारा आने तक संभाल कर रखिए!


मैं डिब्बे को गोंद से दुबारा बंद कर सकता हूं। फिर भी लगता है दुकानदार इसे बदलेगा नहीं।

इस प्रकार...


आप पर बिगड़ने का मुझे दुख है...
हां, दीवारें इतनी पतली हैं कि पड़ोसियों को सब सुनाई देता है।


देखिए माला के जाने के बाद से मुझे और फ्रैन्कोइस को आपकी फिक्र है। हम यहां स्थायी रूप से रहें इसे आप भूल जाएं...


स्थायी क्या? मैं चाहता हूं कि सिर्फ इस गर्मी में तुम मेरे साथ यहां रहो। इसका पूरा किराया भरा है। कुछ रिफंड भी नहीं मिलेगा।


आप रीगो पार्क में अकेले कैसे रहेंगे?
माला के बिना मेरा काम बहुत अच्छा चल रहा है।


चलिए, हम तीनों लोग आगे बैठेंगे।
कल रात मैं औशविग के बारे में पढ़ रहा था...


कुछ बंदियों ने विद्रोह किया। उन्होंने 3 जर्मन सैनिकों को मार डाला और एक शवदाहगृह को उड़ा दिया।
फिर वो सभी मारे गए।


और वो चार महिलाएं जिन्होंने हथियार स्मगल किए थे उन्हें मेरी वर्कशॉप के सामने फांसी से लटका दिया गया।
वे सोस्नोविक के समय से अंजा की अच्छी मित्र थीं। वो फांसी पर बहुत देर तक लटकी रहीं।

उसके चंद हफ्तों बाद से ही वहां फांसी पर लटकाना बंद हो गया। औशविग का अंत अब करीब था।





वो लड़का आफिस में अफवाहें सुनता था।









वो मुझे एक ब्लाक की छत पर ले गया।



हमने कपड़ों और कागजात का इंतजाम कर लिया। आधे दिन की ब्रेड भी हम वहां जमा करते रहे।



तभी वो आफिस वाला लड़का दौड़ा हुआ आया . . .

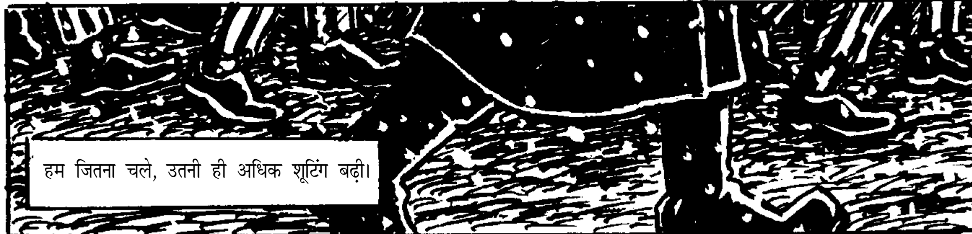




अंत में बमबारी नहीं हुई। परन्तु इसका पता हमें कैसे चलता? हम सादे कपड़ों के साथ-साथ सब कुछ छोड़ कर भागे!



सारी रात शूटिंग की आवाज आती रही। जो भी थका था और तेज नहीं चल पा रहा था उसे गोली मार दी गई।



सुबह के समय मैंने उसे खुद देखा।



कोई 25-30 बार कूदा, मुड़ा, गिरा और फिर शांत हो गया।



बचपन में मेरे पड़ोसी का कुत्ता पागल हो गया था और हरेक को काट रहा था।

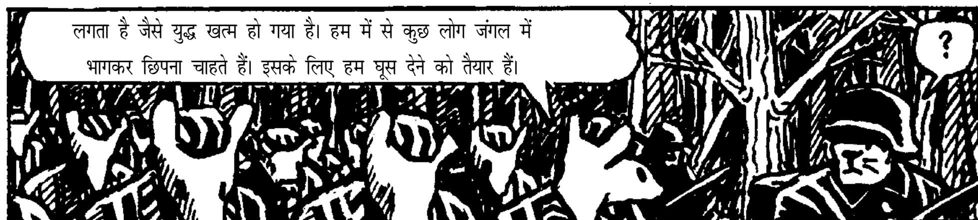


मरने से पहले कुत्ता बहुत देर तक जमीन पर तड़पता रहा और अपने पैर फटकता रहा।





एक लड़का हमारे साथ कमरे में छिपा था। उसने गार्ड से बात की।





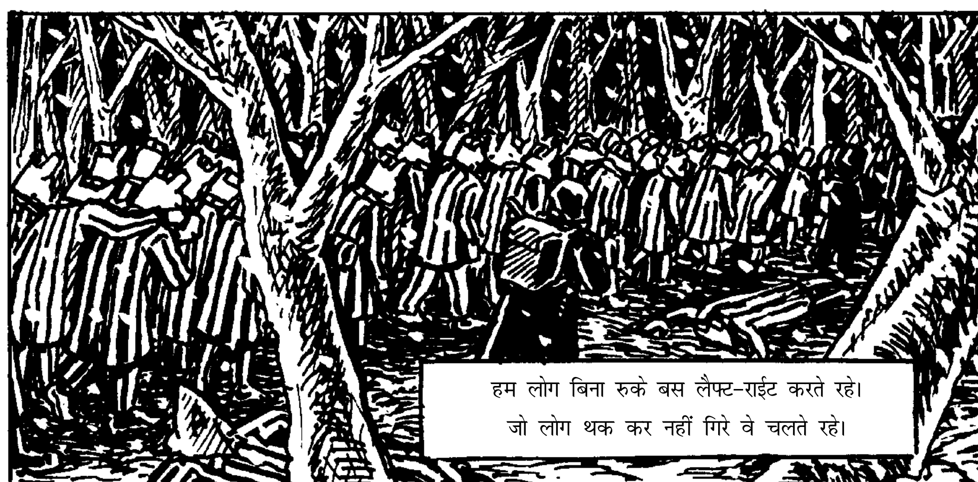


पूरे दिनभर वो इसी के इंतजाम में लगे रहे...

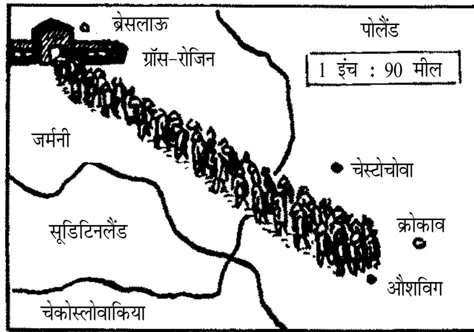


रात को शोर-शराबा हुआ। 8-9 बंदी भागे।

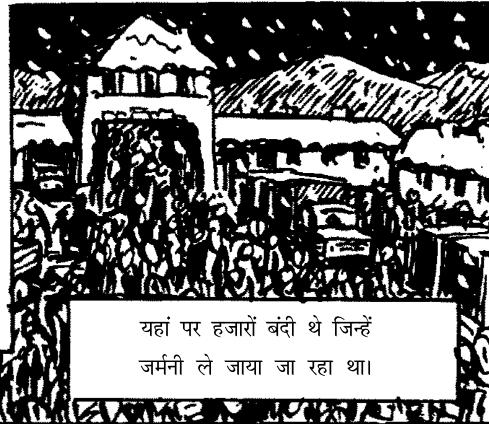




इस तरह हम ग्रॉस-रोजिन पहुंचे।



यहां एक छोटा कैम्प था, परन्तु कोई गैस नहीं थी।



सभी तरफ गड़बड़ थी। जमकर पिटाई हो रही थी!





ज्यादातर लोग उठाने में असमर्थ थे। वो भूख और चलते-चलते पस्त हो गए थे।



मुझे पीछे चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। मैंने मुड़ा नहीं।



सुबह को उन्होंने हमें चलने के लिए दुबारा खदेड़ा। कहां? यह हमें नहीं पता।



वो ट्रेन घोड़ों और गायों के लिए थीं।



उन्होंने हमें अंदर धक्का दे-देकर भरा।









ट्रेन कहां जा रही है यह हमें पता नहीं था।



कई दिन-रातों तक कुछ नहीं हुआ।



लोग बेहोश होने लगे, मरने लगे...



लोग टट्टी-पेशाब अपनी जगह खड़े-खड़े ही करते थे।



मैं ट्रेन की छत के ऊपर से स्नो उठाकर खाता था।



किसी के पास शक्कर थी, पर उससे गला जलता था।







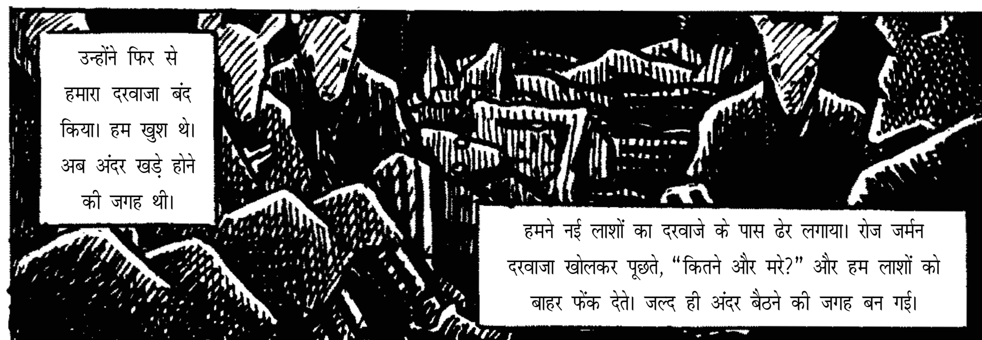


मरे लोगों की ब्रेड और अच्छे जूतों को हमने अपने लिए रख लिया . . .



बाहर और बहुत सी ट्रेनें कई हफ्तों से खड़ी थीं। उन्हें अभी तक नहीं खोला गया था। उनके अंदर शायद सभी लोग मर गए थे।





ट्रेन दुबारा शुरू हुई और फिर चलती ही रही...
अंदर कुछ लोग मर रहे थे और बाकी पागल हो रहे थे।

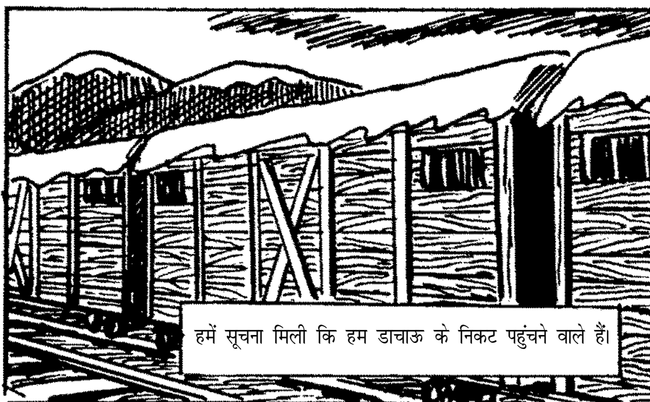


लाशों को बाहर फेंकने के लिए दरवाजा खुला...





हमें मरने के लिए दुबारा ट्रेन के अंदर खदेड़ा गया। ट्रेन दुबारा चलने लगी...






1945 में फरवरी की शुरुआत की बात है। भीड़ बहुत, खाना नदारद।
देखो! तुम कहां जा रहे हो!
देखो! दुकान उस तरफ है और तुम वहां मुड़े भी नहीं।
बाप रे!
चलो, अंदर चल कर सामान वापिस कर दें।
नहीं, मैं किसी हालत में भी खुले डिब्बों और झूठे खाने को वापिस करने नहीं चलूंगा।
इसमें शर्म की क्या बात है? यह वो चीजें हैं जिन्हें मैं खा नहीं सकता। तुम कार में रुको, मैं अभी वापिस आता हूं।
मैं शर्त लगाता हूं कि अंजा ने डायरियों के दोनों ओर पन्नों पर लिखा होगा...
क्यों? यह तुम क्यों कह रहे हो?
क्योंकि अगर उनमें कुछ भी खाली पन्ने होते तो व्लाडेक उन्हें कभी नहीं जलाते।
खिड़की में से व्लाडेक दिखाई दे रहे हैं!
व्लाडेक और मैनेजर एक-दूसरे पर चीख रहे हैं...
अब मैनेजर व्लाडेक से दूर जा रहा है...
अब व्लाडेक उसका पीछा कर रहे हैं...
बड़ी शर्म की बात है!


मैं यह करने की बजाए आत्महत्या कर लेता।
क्या? सब्जियां वापस करना?


व्लाडेक जिन यातनाओं से गुजरे उसमें वो जिंदा बचे यही एक करिश्मा है।
पर कुछ मायनों में वो जिंदा नहीं बचे।


हमें उनके साथ कुछ दिन रहना चाहिए। उन्हें हमारी जरूरत है।
क्या यह मजाक है?


मुझे नहीं लगता कि हम उनके साथ रहकर जिंदा बचेंगे।
अरे!


देखो मैं एक डालर की सब्जियों के बदले में छह डालर की सब्जियां ले आया!
गजब!


हमें लगा आपको दुकान से धक्का देकर बाहर निकाला जायेगा!


तुम क्या कह रहे हो? वो मैनेजर निहायत शरीफ आदमी था।


जब मैंने उसे अपनी गिरती सेहत, माला के जाने और औशविक की रामकहानी सुनाई तो उसने तुरन्त मेरी मदद की।
आप अंदर आयें। हम यहां दुबारा कैसे अपना मुंह दिखायें?





हम वहां बैरक में बंद, पुआल पर बैठे बस मौत का इंतजार कर रहे थे।



अगर कोई पिस्सू होता तो सूप नहीं मिलता। यह असंभव था क्योंकि सब जगह पिस्सू ही पिस्सू थे।





भूख का असली मतलब मुझे तभी समझ में आया।



मैंने जख्म को खराब करने की भरसक कोशिश की...



हर कुछ दिनों में मरीजों को देखने कोई आता था...



देखो, आपके अस्पताल की मैंने बहुत तारीफ सुनी है।











अस्पताल से मुझे फिर एक बरबार बैरक में जाना पड़ा। वहां हमें दिनभर बाहर खड़े रहना पड़ता था।











फिर हमने बातचीत की और उससे समय कटा।

हर रोज वो फ्रेंच आदमी मुझे खोज निकालता...





इस नये खाने से मेरे दिमाग में एक विचार आया...





औशविग में शर्ट मंहगी नहीं थी। परन्तु यहां कम माल आता था।

मैंने शर्ट को धोकर साफ किया।


और उसे बाहर सुखाया।

मुझे कहीं से एक बड़ा कागज मिल गया...


मैंने शर्ट को उसमें बांधा।

खाने के समय ही मैंने उसे खोला...


इस शर्ट में कोई जूं नहीं थी!

पुरानी शर्ट को मैंने अपनी पैंट में छिपा लिया। मैंने उन्हें नई वाली दिखाई।



उन्होंने फौरन मुझे खाने को दे दिया।



मैंने उस फ्रेंच के लिए भी शर्ट की जुगाड़ की। फिर हमें सूप की कमी नहीं हुई।

पर कुछ हफ्तों के बाद मैं बहुत बीमार पड़ा। खाना तक नहीं खा सका . . .





रात को शौचालय जाते समय पूरा रास्ते में मरे लोग पड़े होते। वहां चलना असंभव होता . . .



मृत लोगों के सिरों पर पैर रखकर जाना होता। रात के समय उनकी चिकनी चमड़ी पर से फिसलने का डर लगा रहता था। बहुत दयनीय हालत थी।



मैं अभी भी बीमार था। तभी एक आदमी अस्पताल से आया...



मैं वहां पड़ा रहा। मुझमें हिलने-डुलने या शौचालय जाने तक की ताकत नहीं बची थी।



उन्होंने मुझे ब्रेड और सूप दिया। पर मुझ में निगलने की ताकत तक नहीं बची थी...





मैंने चिल्लाने की कोशिश की, पर आवाज ही नहीं निकली।



तब मैंने जूते से जोर से खटखटाया।





फिर... मेरा बुखार कुछ उतरा
और कुछ नया हुआ।







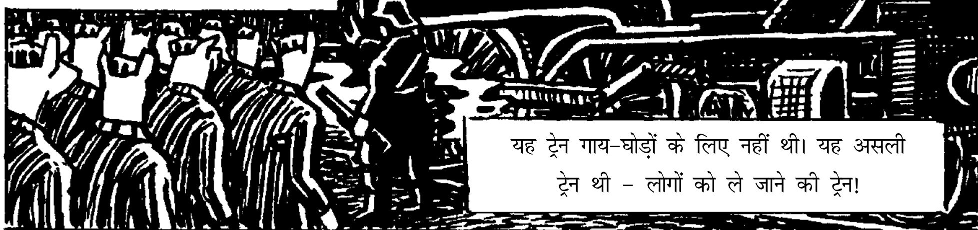
वो ऐसे बीमार लोगों को भेजते जो पहुंचते हुए मरे नहीं।





किसी तरह मैं गेट के बाहर आ गया...





मैंने सोचा वो ट्रेन जर्मन पुलिस के लिए होगी। परन्तु ऐसा नहीं था!
















शुक्रिया! आज बहुत गर्मी है। टहलने से छुट्टी।
MÓZ BOŻE! CO SIĘ STAŁO JEGO ŻONIE? CZY ONA ZGŁUPIAŁA?*
(पोलिश) हे भगवान! उसकी पत्नी को क्या हुआ? वो पागल हो गई!!


मेरे चचेरा भाई बस थोड़ी सी दूर पर रहता है।
PSIA KREW! CHOLERA! TO NIE MOŻLIWE. A SHVARTSER SIEDZI TU ZE MNĄ! *
(पोलिश) मुझे यकीन नहीं होता कि हमारे साथ एक ब्लैक बैठा है।


अच्छा शुक्रिया, अपना ध्यान रखिए!
तुम्हें क्या हो गया फ्रैन्कोइस? तुम पागल हो गयीं? क्या हुआ?


मैं पूरे समय यही देखता रहा कि वो ब्लैक आदमी पीछे सीट पर रखे हमारे सामान को न चुराए!
क्या?!


यह असहनीय है! आप कैसे इस प्रकार की नस्लवादी बातें कर सकते हैं! जैसा नात्सियों ने यहूदियों के किया वैसा ही आप ब्लैक लोगों के साथ कर रहे हैं!
अच्छा!


फ्रैन्कोइस, मुझे लगा तुम में इससे ज्यादा समझ होगी... तुम ब्लैकस और यहूदियों की तुलना भी कैसे कर सकती हो!


पर आप यह कैसे कह सकते हैं कि सभी ब्लैक्स चोरी करते हैं! यह...
अच्छा, बंद करो? तुम उन्हें नहीं जानती हो...


पहली बार न्यूयार्क आने पर मैंने एक कपड़े की दुकान में काम किया। उससे पहले मैंने ब्लैक्स देखे भी नहीं थे।


वहां हर जगह ब्लैक्स थे। और अगर मैं अपनी किसी कीमती चीज से एक मिनट के लिए भी निगाह हटाता तो वो गायब हो जाती!


पर आप..
छोड़ो... वो नहीं सुधरेंगे।
ठीक है।


इसे भूलना ही बेहतर होगा।


देखो बच्चों, चलो हम सही-सलामत घर तो पहुंच गए...


... अब इस सामान से हम अच्छा खाना बना सकते हैं।
बस गनीमत है कि वो ब्लैक आदमी इस सामान को चुराकर नहीं ले गया।
COSMO
BUNG
COLO

अध्याय चार

आखिर जिंदा बचा



रीगो पार्क में दुबारा वापिस। पतझड़ के समय . . .




















मैं अब अपनी व्यवस्था खुद नहीं संभाल सकता। मैं तुम्हारे वाले कमरे में ऐसा किरायदार रख सकता हूं जो मेरी देखभाल करे।
शायद हां।


अच्छा, अब मेरे साथ खिड़कियों के सुरक्षा कवर लगवाने चलो।
धत तेरे की! मुझे लगा कि आप मुझे अपनी आगे की कहानी सुनाएंगे...


उस पर हम बाद में बात कर सकते हैं। अब मुझे ठंड लग रही है। बिना कवर की खिड़कियों में से गर्मी निकलकर मेरा नुकसान करती है।


बाकी सालों में मैं बिना किसी की मदद के खुद कवर लगा लेता था।
मैं आपकी मदद करूंगा। पर पहले मुझे अंजा के बारे में और बतायें।


अंजा? क्या बताऊं? मुझे हर ओर अंजा ही दिखाई देती है...


ठीक आंख से, या कांच वाली से, चाहें वो बंद हों या खुली हों मैं हमेशा अंजा के बारे में ही सोचता हूं।

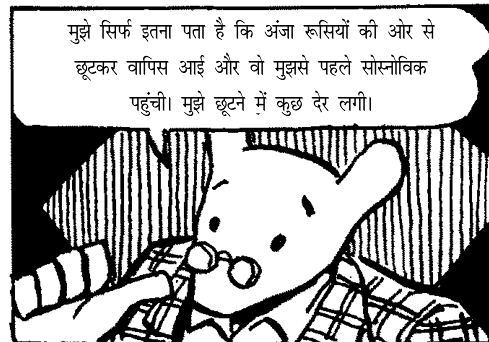

मेरा मतलब जब आप डाचाऊ में थे तब अंजा कहां थी?
CLIK


मुझे पता नहीं, शायद भिन्न कैम्पों में... वो मेरे साथ ही औशविग से पैदल निकली थी और ग्रौसरोजिन आई थी। उसके बाद का मुझे याद नहीं...









युद्ध के अंतिम क्षणों में मैंने डाचाऊ छोड़ा...



मुझे याद है। स्विज रेड-क्रॉस ने हमें एक बेशकीमती डिब्बा दिया - मछलियां! बिस्किट! चॉकलेट! से भरा।



रात को कुछ लोगों ने मेरा डिब्बा चुराने की कोशिश की...



टाईफस की बीमारी के बाद मुझे आराम की सख्त जरूरत थी। परन्तु मेरे लिए वो डिब्बा नींद से अधिक कीमती था।



वहां से हमें फ्रंट तक पैदल-पैदल जाना था...





हम चलते, रुकते और घंटों खड़े रहते।



हर तरफ भागा-दौड़ी और अफवाहें, फिर चीखें...





उन्होंने हमें एक रेलगाड़ी में रवाना किया।

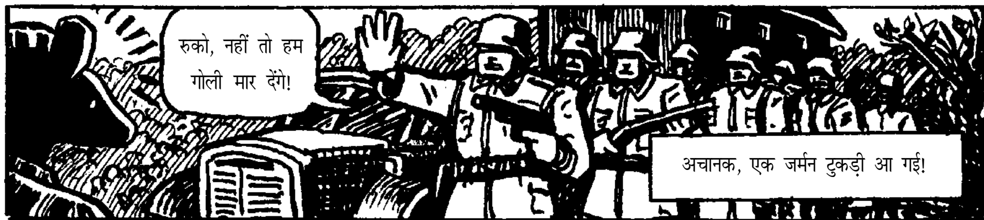


आधे घंटे के अंदर ही ट्रेन रुक गई।

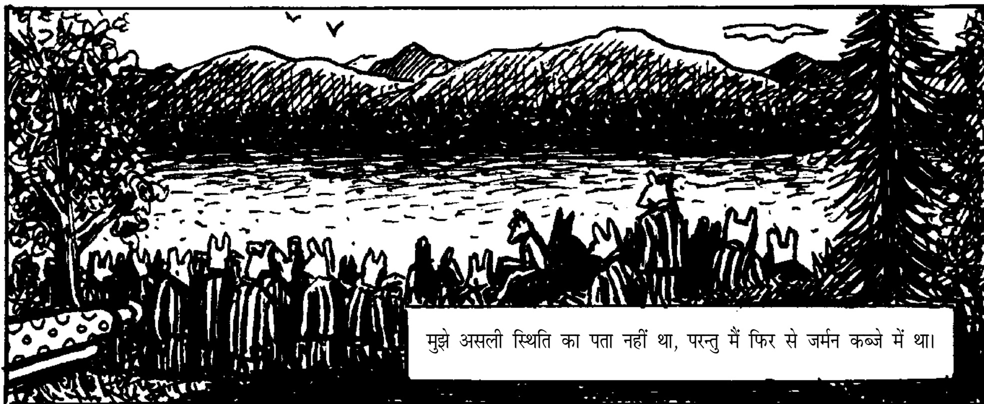


कुछ लोग एक रास्ते गए, कुछ दूसरे...





धीरे-धीरे करके उन्होंने हम सभी 150-200 बंदियों को जंगल में एक तालाब के पास एकत्र किया।



उन्होंने हमें भागने नहीं दिया।





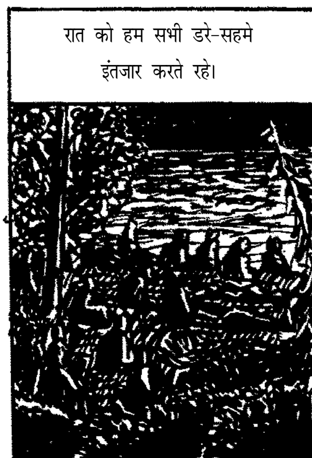
दोपहर के बाद मैं तालाब के पानी के पास गया...

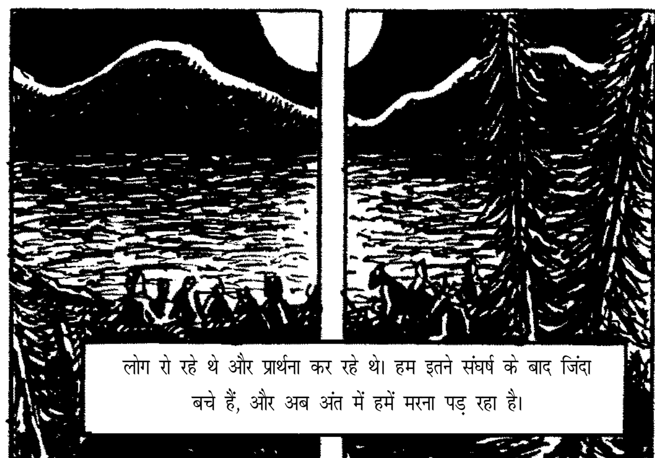













सुबह होने तक हम सभी जिंदा थे।
वो चले गए!
चमत्कार! कोई जर्मन नहीं बचा है। सिर्फ उनकी बंदूकें बची हैं।
क्या हुआ?
मैं जर्मन प्रमुख के तम्बू के पास था। उसकी गर्ल-फ्रेंड उसके साथ बहस कर रही थी।
उसने हमें छोड़ने की भीख मांगी। उसने अफसर को सजा की धमकी भी दी।
"युद्ध बंद हो चुका है," वो चिल्लाई। "चलो, यहां से भाग निकलें।" उसने हमें बचाया!
कुछ लोग एक रास्ते गए, कुछ लोग दूसरे।
शायद हमें इन फार्म पर कुछ खाने को मिल जाए।
रुको!
सड़क पर यहूदियों को पकड़ने वाली एक और टुकड़ी थी।
फिर वही कहानी दोहराई। उन्होंने 40-50 बंदियों को एक खलिहान में बंद कर दिया।







हम एक गैरेज के पास से गुजरे। मैंने जाकर पूछा...





दिन में हम उसमें छिपे रहे फिर दो जर्मन पुलिसमैन आए।









हमने कुछ घरों के बाद एक में झांक कर देखा . . .



घर के एक हिस्से में खलिहान था।



हमें दीवारों से चिल्लाने की आवाजें सुनाई दीं:







खलिहान का एक भाग थोड़ा सा गिरा . . .





मैं अकेले ही एक खाली घर में गया।







हम दोनों ने छक कर दूध पिया और चारों ओर देखा।











मैंने उन्हें विस्तार में अब तक की कहानी सुनाई...















एक दिन अफसरों के साथ
एक महिला भी घर में आई।













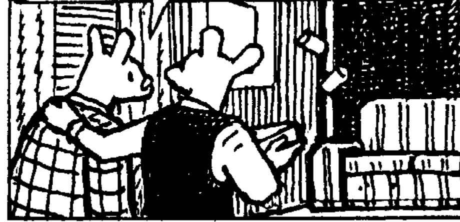






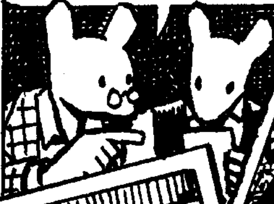

हरमन - हेला - लोड्ज 1928
Herman+Hela.Lodz 1928

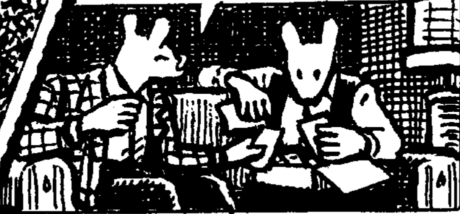

हां। वो अंजा के सबसे बड़े भाई थे। वो लोड्ज में कपड़े की फैक्ट्री चलाते थे।


1939 में वो और हेला अमरीका में विश्वमेला देखने आए और युद्ध के कारण यहीं बस गए। 1950 तुम बहुत छोटे थे। हम स्टॉकहोम से इस घर में आए थे।


मैं स्वीडिन में बसना चाहता था - मेरा वहां अच्छा धंधा था। परन्तु अंजा अपने परिवार के एकमात्र जिंदा सदस्य के पास जाना चाहती थी।

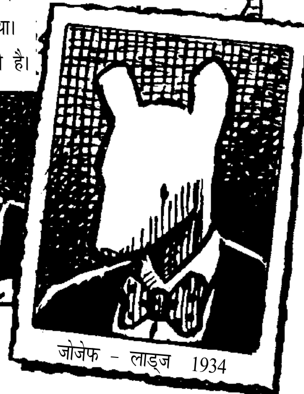

1964 में हरमन की एक ट्रेन दुर्घटना में मृत्यु के बाद अंजा भी धीरे-धीरे मरने लगी।


ये उनके दोनों बच्चे हैं - लोलेक और लोनिया जो युद्ध के समय हमारे साथ सोस्नोविक में थे।


तुम्हें पता है कि लोलेक औशविग से जिंदा लौटा। इंजीनियरिंग करके अब वो एक प्रख्यात कालेज में प्रोफेसर है।


लोलेक - हेला 1946


पर छोटी लड़की। वो रिचू के साथ बस्ती में ही मारी गई।
अंजा का एक भाई जोजेफ - सॉइन पेंटर - कमर्शियल आरटिस्ट था। तुम्हारी शक्ल उससे बहुत मिलती है।

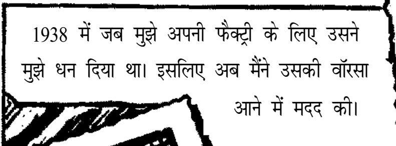

जोजेफ - लाड्ज 1934


उसकी लाड्ज में एक गर्ल-फ्रेंड थी। वो बेहद सुंदर थी। पर उसे पैसा और नाइटक्लब पसंद थे। तभी जर्मन लोगों ने अंजा के परिवार से फैक्ट्री छीन ली।

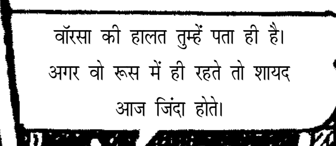

पैसों की कमी हो गई। गर्ल-फ्रेंड उसे छोड़कर चली गई और जोजेफ ने आत्महत्या कर ली।


अंजा का बीच वाला भाई लेवेक अपनी पत्नी के साथ युद्ध के समय रूस भाग गया। परन्तु वहां की हालत देखकर उसका वापिस आने का मन हुआ।


रूस में भागे लोगों को विश्वासघाती करार करे साईबेरिया भेज दिया जाता। वहां से बार्डर पार कर वापिस आने के लिए मोटी घूस देनी पड़ती। मैंने कुछ धन भेजा . . .


1938 में जब मुझे अपनी फैक्ट्री के लिए उसने मुझे धन दिया था। इसलिए अब मैंने उसकी वॉरसा आने में मदद की।


लेवक - सोस्नोविक 1927


वॉरसा की हालत तुम्हें पता ही है। अगर वो रूस में ही रहते तो शायद आज जिंदा होते।


अंजा के माता-पिता, उसके दादा-दादी, उसकी बड़ी बहन तोशा, छोटी बीबी और हमारे रिचू - के अब केवल फोटो ही बचे हैं।
1939


परन्तु आपके परिवार का क्या हुआ?
मेरे पिता, बहन फेला और उसके चारों बच्चे 1942 में ही चल बसे।


जोशा और यादजा - मेरी छोटी बहनों के सिर्फ एक बच्चा था। वो मेरे साथ 'घेटो' में रहे फिर औशविग में मारे गए।


मेरे भाई मार्कस और मोजिज, मेरे सेना से वापिस आने के तुरन्त बाद ब्लेचामेयर कैम्प गए।
मैंने रेड-क्रॉस के जरिए उन्हें ब्रेड में छिपाकर पैसे भेजे।


मैंने उन्हें लिखा, "यह ब्रेड बहुत मंहगी है, इसे धीर और संभालकर खाना।" युद्ध के बाद मुझे कोई मिला जिसने उन्हें मरते हुए देखा। वो कैसे मरे? यह उसने नहीं बताया।


मेरे अन्य भाई लीओन और पीनेक्स पोलिश सेना से लेमबर्ग, रूस भाग गए...


एक यहूदी किसान परिवार ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की। पीनेक्स ने वहीं शादी की। लीओन बीमार पड़ा। वो टाईफस और अपेंडिक्स से मरा।


सारा - पीनेक्स - तेल अवीव 1963
युद्ध से केवल मेरा एक छोटा भाई पीनेक्स ही जिंदा लौटा। बाकी पूरा परिवार युद्ध में स्वाहा हो गया, उनका एक फोटो तक नहीं बचा।


यह फोटो हमें रिचू की गवरनेस से मिले। हमने युद्ध खत्म होने तक उसके पास अपना मूल्यवान सामान रख दिया था।


पर बाद में उसने कहा, "सभी कीमती चीजों को नात्सियों ने लूट लिया।" हमें उस पर यकीन नहीं हुआ। पर उसने यह फोटो लौटा दिए।


क्या मैं इन्हें घर ले जा सकता हूं?
यह तुम्हारे लिए ही हैं। मैं इन्हें एक लिफाफे में डाल देता हूं।


सिगार के डिब्बे का मैं उपयोग . . .
आह!!!


देखा! नाईट्रोसैट की गोली से मुझे तुरन्त आराम मिला। मैं आज बहुत बोला। मुझे अब लेटना चाहिए।


फिर खिड़कियों का क्या होगा?
तुम से अकेले काम होगा नहीं। मैं अभी बहुत थका हूं। हम उसे कल करेंगे।


असंभव। मैं बहुत व्यस्त हूं। मैं अगले हफ्ते आऊंगा।
तो हम अभी करते हैं।


वाह! उससे आपको फिर दिल का दौरा पड़ेगा। आपको कुछ दिनों के लिए घर की गर्मी पर कुछ अधिक खर्च करना होगा।
हूं!


माफ करें! आपको बोलते-बोलते थकाया।
उसकी फिक्र मत करो। तुम्हारे आने से मुझे अच्छा लगता है।

अध्याय पांच

दूसरा हनीमून



सर्दी . . .


कॉफी चाहिए?
और उसने कहा: "नहीं! मैं गैस की भट्टी में नहीं जाऊंगी और न ही मेरे बच्चे।
क्लिक
हां, जरूर!


मेरे पास अब व्लाडेक की कहानी का 20 घंटे का टेप है। हमारा काम खत्म होते ही व्लाडेक फ्लोरिडा भाग गए।


कोई फोन नहीं। सब कुशल तो है?
माला वहां है। हो सकता है दोनों ने मिलकर एक-दूसरे को मार डाला हो।


सच में वो लड़ाई के कारण ही जिंदा हैं। माला के जाने के बाद व्लाडेक असहाय भी हैं, और उनमें बेइन्तहा ऊर्जा भी है।


हम व्लाडेक का क्या करेंगे? हम रीगो पार्क में जाकर तो रह नहीं सकते!
तो वो हमारे साथ यहां आ सकते हैं।


क्या तुम पागल हो? कमजोर हृदय के कारण वो सीढ़ियां नहीं चढ़ पाएंगे। यह अच्छी बात है। परन्तु अगर उन्होंने हां कहा तो?


यह तुम पर है। वो तुम्हारे पिता हैं।
चुप! मैं खुद को अपराधी महसूस कर रहा हूं!


उससे समस्या हल हो जाएगी!
अगर माला और व्लाडेक के बीच मामला सुलझ जाए तो बहुत अच्छा हो।


क्लिक
“मेरे बच्चे भी गैस की भट्टी में नहीं जाएंगे।” फिर तोशा ने खुद जहर खाया और छोटे बच्चों....
RRING! RRING!


घंटी! घंटी! हलो माला?! क्या बात है?
मैं परेशान हूं! तुम्हारे पिता सेंट फ्रांसिस अस्पताल में हैं।
CLIK


इस महीने में तीसरी बार उनके फेफड़ों में पानी भरा है। वो तुम्हें परेशान करना नहीं चाहते पर स्थिति गंभीर है!
तुम कहां हो?


घर पर। भगवान जाने क्यों, पर मैं जल्दी पहुंचूंगा!
मैं अस्पताल फोन करने के बाद आपसे बात करूंगा।


हलो, सेंट फ्रांसिस? क्या मैं मिस्टर स्पीगिलमैन से बात कर सकता हूं? वो मरीज हैं... क्या? पक्का??


?


माला, अस्पताल कहता है वो वहां हैं ही नहीं।
हां! वो अभी-अभी घर में घुसे हैं!


उन्हें वहां के डाक्टरों पर भरोसा नहीं है। इसलिए डाक्टर की सलाह के बावजूद वो अस्पताल से भाग आए। वो सठिया गए हैं। देखने में प्रेत लगते हैं!


वो अपने न्यूयार्क के अस्पताल जाना चाहते हैं। किसी मुसीबत में वहां तुम पास होगे। मेरे लिए इसे संभालना मुश्किल है। आओ, मदद करो!
हूं!


फ्लोरिडा
FLORIDA


यहां तो सब तैयारी पूरी है। मैं तो यहां मदद करने आया था!
तुम व्लाडेक को जानते ही हो। वो बेचैन रहते हैं। अब वो पस्त हो गए हैं। और मैं भी।
गुर्र!


पिताजी, आप कैसे हैं?
बीमार! कमजोर बहुत कमजोर..
क्या कल हवाईजहाज पर आपने इमरजेंसी ऑक्सीजन के लिए बोला है?


हां, और एक एम्बुलेंस उन्हें एअरपोर्ट से लैगुआर्डिया अस्पताल ले जाएगी। मैं व्लाडेक को भर्ती करा दूंगी। तुम फ्रैन्कोइस के साथ घर चले जाना।


आप दोनों वापिस कैसे मिले?
पता नहीं। मुझे अस्पताल से फोन आया। मुझे व्लाडेक पर दया आई।


मैं व्लाडेक से दुबारा न मिलने की कसम खाई थी। परनतु मैं फिर से व्लाडेक की बातों में आ गई। अब मैं यहां हूं।
माला! माला! जल्दी! जल्दी!


अंजा जरूर कोई संत होगी! तभी उसने आत्महत्या की।
वो आपको बुला रहे हैं।


वो शौचालय में हैं। फ्लश करने से पहले वो चाहते हैं कि मैं मल का मुआयना करूं। बहुत मुश्किल है उनके साथ जीना।


अब उनकी उलझन और निर्भरता बढ़ी है। मैं क्या कर सकती हूं? उन्होंने मुझे फंसाया है।

अगली सुबह...


चलो, सब काम तो निबटा!
व्लाडेक को बस एक घंटा सामान पैक करने और चार घंटे उसे खोलने में लगेंगे!


चक्कर आ रहा है। खुली हवा में बैठें।
तुम जाओ। मुझे जाते-जाते अपने भाई लियो से गुडबाई कहना है।


कुछ साल पहले मैं यहां पर माला के लिए कुछ खरीदने बाहर निकला था। तब मुझे चक्कर आया। मैंने एक झाड़ी का सहारा लिया और गिर पड़ा...


मैं सड़क के एक ओर लेटा जिससे लोग मुझे देख सकें। अंत में कोई मदद के लिए रुका।
बाहर की धूप अच्छी है...

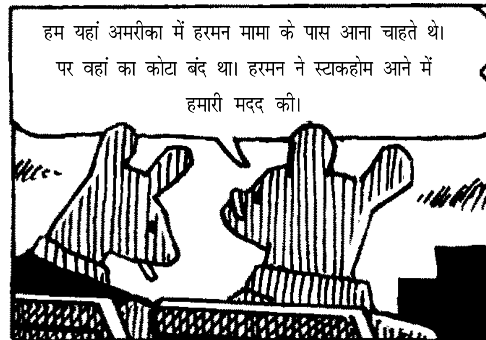

हाईवे और एयरपोर्ट के कारण यहां शोर ज्यादा है। आर्टी, तुम्हें आसमान में वो छोटा हवाईजहाज दिख रहा है?...


1946 में ऐसे ही छोटे हवाईजहाज में हम दस शरणार्थी पोलैंड से स्वीडिन गए।


उससे पहले हम कभी हवाईजहाज में नहीं बैठे थे। बाकी लोगों को डर लग रहा था, परन्तु मैं सीधे अंदर जाकर बैठ गया...


मैंने उनसे कहा: "फिक्र मत करो। हवाईजहाज को दुर्घटनाग्रस्त होने दो। कम-से-कम हम पोलैंड से तो बाहर निकलेंगे!"





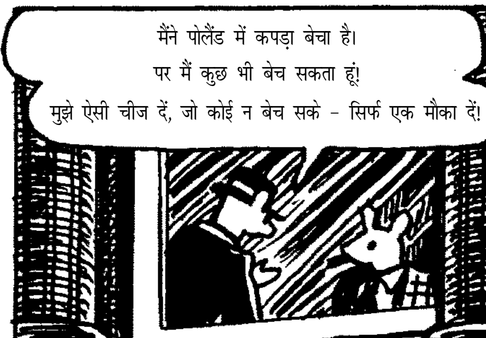




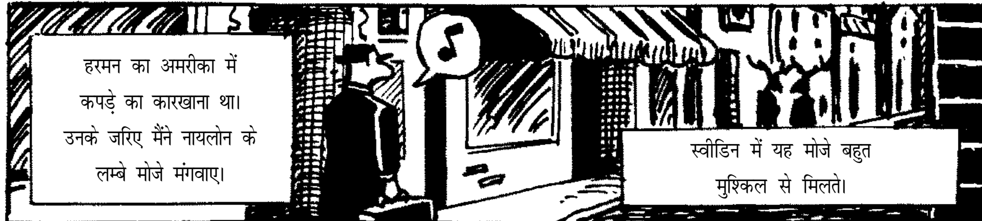


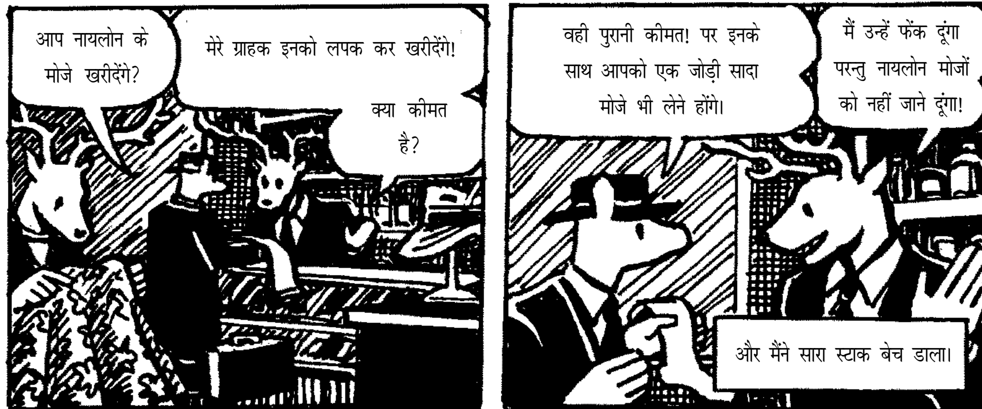
वहां किसी यहूदी का डिपार्टमेंट स्टोर था। मैं उसके पास गया...








हरमन का अमरीका में कपड़े का कारखाना था। उनके जरिए मैंने नायलोन के लम्बे मोजे मंगवाए।
स्वीडिन में यह मोजे बहुत मुश्किल से मिलते।


आप नायलोन के मोजे खरीदेंगे?
मेरे ग्राहक इनको लपक कर खरीदेंगे!
क्या कीमत है?
वही पुरानी कीमत! पर इनके साथ आपको एक जोड़ी सादा मोजे भी लेने होंगे।
मैं उन्हें फेंक दूंगा परन्तु नायलोन मोजों को नहीं जाने दूंगा!
और मैंने सारा स्टाक बेच डाला।


डिपार्टमेंट स्टोर में मैं एक पार्टनर बना और खूब धन कमाया।
कुछ साल बाद जब हमें अमरीका का वीसा मिला तो स्टोर ने एक बड़ी पार्टी का आयोजन किया।
तुम अपने टिकटों को फाड़कर अब भी यहीं रह सकते हो!
BON VOYAG
जाते हुए मैं दुखी था।


अमरीका में मैंने हीरे बेचने का धंधा किया, पर उतना कभी नहीं कमाया।
चलो, अब अंदर चलें।
अभी तो बहुत वक्त बाकी है।
यहां तेज धूप है। अगर तुमने मेरा काला चश्मा पैक नहीं किया होता तो हम यहां कुछ देर और बैठ सकते थे।

देर रात के समय...









आधे घंटे बाद...







लैगुआर्डिया अस्पताल...









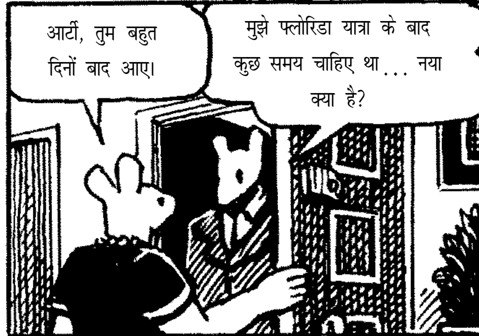








एक महीना बीत गया...


आर्टी, तुम बहुत दिनों बाद आए।
मुझे फ्लोरिडा यात्रा के बाद कुछ समय चाहिए था... नया क्या है?


हम इस मकान को बेचकर वहां चले जाएंगे।
आश्चर्य है व्लाडेक मान गए। उन्हें इससे बहुत लगाव है।


उनकी तबियत कैसी है?
तबियत कुछ उखड़ी-उखड़ी है। उससे उनके साथ रहना आसान हो जाता है। वैसे उनकी हालत ठीक नहीं है।


वो उलझ जाते हैं। पिछले हफ्ते बैंक से वापिस आते समय वो सच में खो गए। वो अंदर आराम कर रहे हैं।


अच्छा, तो अब आप यह घर बेच रहे हैं...
हां, मुझे बस शांति चाहिए। अगर माला को फ्लोरिडा पसंद है, तो भी ठीक है।


तुम आए यह आश्चर्य की बात है!
क्यों? मैंने आने की बात आपको कल फोन पर बताई थी।


तुम्हारा फोन? मुझे याद नहीं...
आपकी मर्जी हो तो मैं बाकी कहानी टेप करना चाहूंगा।


आप मुझे बताएं कि युद्ध के एकदम अंत में क्या हुआ...
वो मुझे अभी भी याद है।





तभी एक आदेश आया...



हम सब लोग गारमिश पारटिनकिरचिन पहुंचे।



यहां हमें पहचान पत्र मिला और रहने के लिए स्थान भी।





कुछ दिनों तक मैं बहुत बीमार रहा।





एक साल बाद मुझे पता चला कि टाईफस के साथ-साथ मुझे मधुमेह भी था।

शरणार्थी शिविर में मुझे आराम मिला . . .





अंत में जब हमें जाने के पहचान पत्र मिले, तब तक हम काफी खाने का सामान एकत्र कर चुके थे।





ट्रेनें रुकती रहीं और चलती रहीं। हमें उन्हें कई बार बदलना पड़ा . . .

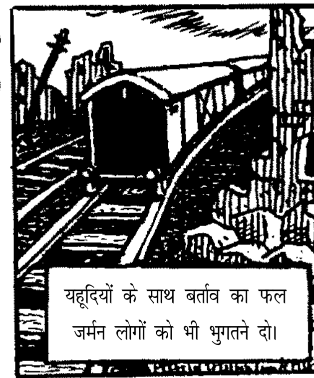




हम एक जगह आए - वुर्जबर्ग - वहां की खराब हालत थी!



हम लोग खुश हुए।



अंत में हम हैनोवर पहुंचे...









बेल्सन बहुत दूर नहीं था। मैं वहां कुछ दिनों के लिए गया। एक दिन भीड़ में दो लड़कियां आयीं, जो मेरे अपने शहर की थीं...



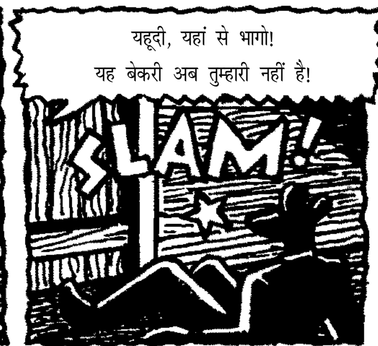












"वो क्या करे उसे समझ नहीं आया। उसने अपने घर के पीछे रात गुजारी...









अंजा वहां सोस्नोविक में बिल्कुल अकेली थी . . .



उसने मुझे बाद में बताया कि उसे एक बार एक जिप्सी मिला . . .





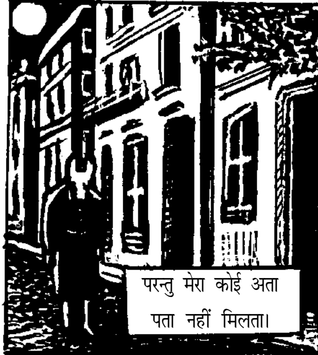




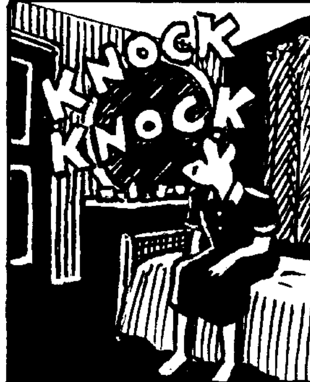




अंजा दिन में कई बार यहूदी संस्था के पास जाती थी...



फिर वो गहरी उदासी में घर में ही बैठी रही। फिर...













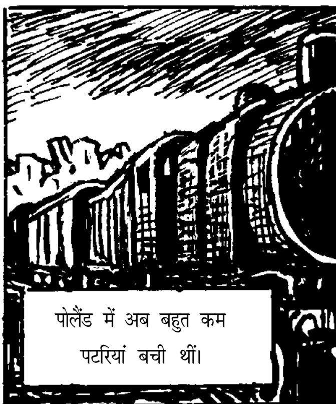




मैंने अपनी चीजों के बदले उपहार लिए।



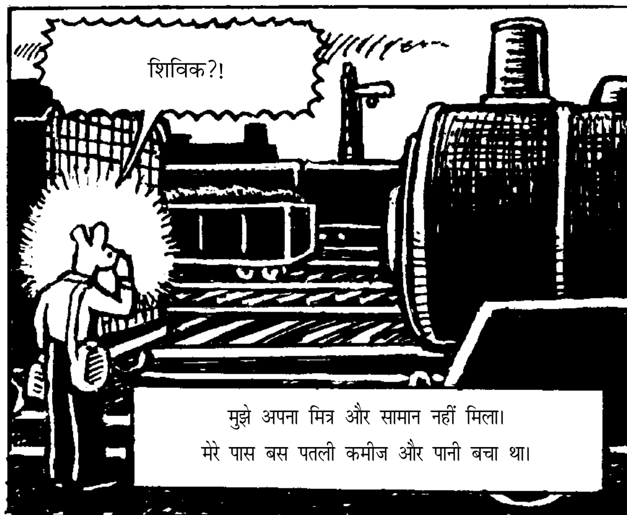
हम कभी पैदल चले, कभी ट्रेन से गए।



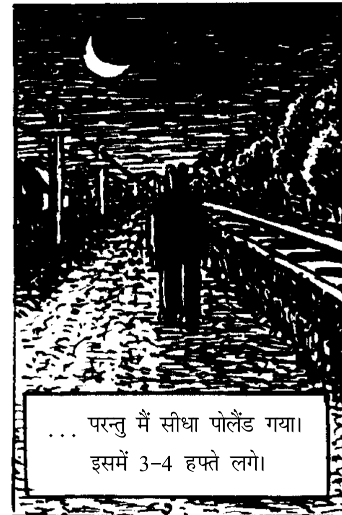
एक जगह पर हम घंटों, घंटों रुके रहे।



मैंने अपनी ट्रेन के डिब्बे का नंबर नोट किया परन्तु जब मैं एक घंटे बाद वापिस आया तब तक ट्रेन जा चुकी थी।



शिविक मुझे खोजने के लिए दुबारा हैनोवर गया...



जब मैं सोस्नोविक वापिस पहुंचा तो मुझे बहुत थोड़े यहूदी ही दिखाई दिए।



वहां कुछ लोग मुझे जानते थे।



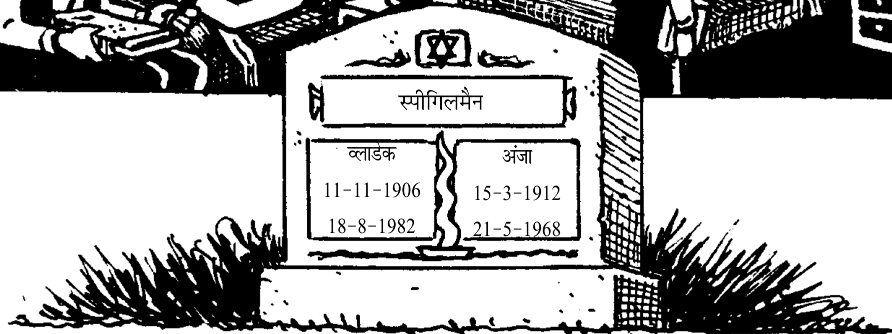
फिर किसी ने अंजा को खोज निकाला...











— art spiegelman 1978-1991

'कभी-कभी ही एक ऐसी पुस्तक छपती है जो वाकई में प्रशंसा की तुला पर खरी उतरती है। आर्ट स्पीलगिलमैन की पुस्तक माउस बिल्कुल वैसी ही किताब है।' - एसक्वायर

कैम्प विस्तार

वर्कशाप्स

औशविग

एसएस मुख्यालय

POLAND 1944

पोलैन्ड 1944

औशविग (बिर्कनाऊ)

1000 कैदी प्रति बैरक

न्यूयार्क



महिला बैरक

गैस चेम्बर और दाहगृह



चित्रों में दर्शायी महाकथा।' - न्यूयार्क टाइम्स